



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० १] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 4, 1982 (भाद्रपद 13, 1904)
NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 4, 1982 (BHADRA 13, 1904)

भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 जुलाई 1982

सं० पी०/1782-प्रशा० 2—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० पी०/1782-प्रशा० 2 दिनांक 3 मई 1982 के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा महालेखाकार, हरियाणा चंडीगढ़ के कार्यालय के लेखा अधिकारी श्री एल० आर० सरीन को 1-7-1982 से 31-5-1983 तक की अग्रेतर अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में वित्त एवं वजेट अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं। श्री सरीन इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाली अवधि के दौरान कोई प्रतिनियुक्ति (ड्यूटी) भत्ता प्राप्त करने के हकदार नहीं होंगे।

2. इसे कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के अनुमोदन से, देखिए उनका पत्र सं० 39017/2/81 स्था० (ख) दिनांक 2-6-1982 तथा महालेखाकार, हरियाणा

की सहमित में; देखिए उनका पत्र सं० प्राशा० 1/जी० ओ०/पी० एफ०/एल० आर० एस०/2626 दिनांक 13-7-1982, जारी किया जा रहा है।

दिनांक 6 अगस्त 1982

सं० ए०/12019/3/80-प्रशा० II—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 22-4-1982 के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनुसंधान सहायको (भाषाएँ) को आयोग के कार्यालय में 5-8-1982 से 4-11-1982 की तीन मास की अग्रेतर अवधि के लिए अथवा अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (भाषाएँ) के संवर्ग बाह्य पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं :—

1. कुमारी के० बन्धोपाध्याय
2. श्री म० ल० वारादपाडे

(12253)

3. श्री बी० घोष
4. श्री एस० बी० कोड्ड
5. श्री ए० एन० सर्मा

उपर्युक्त व्यक्तियों को यह जान लेना चाहिए कि उनकी कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (भाषाण) के पद पर नियुक्ति बिल्कुल तदर्थ आधार पर है और इससे उन्हें कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (भाषाण) के ग्रेड में शामिल होना अथवा तगिठना का कोई हक नहीं मिलेगा।

कुलदीप कुमार
अनभाग अधिकारी
कुले सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग
लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी

मसूरी, दिनांक 22 जुलाई 1982

सं० 2/6/81-स्थापना—गृह मंत्रालय, कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग, नई दिल्ली की अधिसूचना सं० 13019/9/81-प्रशिक्षण-II दिनांक 17 मार्च, 1982 को जारी रखते हुए, श्रीमती मजुलिका सिंह की हिन्दी के सहायक आचार्य के पद पर तदर्थ नियुक्ति दिनांक 4 अगस्त, 1982 से आगामी छः मास के लिये या इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाई जाती है।

एस० एस० रिजर्वी
उप निदेशक (वरिष्ठ)

केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञानप्रयोगशाला
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 10 अगस्त 1982

सं० 1-24/82-सी० एफ० एस० एल०—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली में श्री हरदास सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (प्रलेख) को 21-7-1982 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला, मद्रास में वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (प्रलेख) के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

आर० एस० नागपाल
प्रशासकीय अधिकारी
के० अ० ब्यू०

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 7 अगस्त 1982

सं० ओ० टी० 1235/75-स्थापना—राष्ट्रपति, श्री मान सिंह, के० रि० पु० बल के उप-पुलिस अधीक्षक के स्वेच्छा पूर्वक

गवा-नियुक्त होने की के० रि० पु० बल के पद 43 (डी) में दी गई केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों को स्वेच्छिक रूप से सेवा-निवृत्ति भेजने की अन्तर्गत मंजूरी देने है।

2 श्री मान सिंह ने उप-पुलिस अधीक्षक, 55 बाहिनी, के० रि० पु० बल के पद का कार्यभार दिनांक 30-6-82 (अपराह्न) को त्याग दिया।

ए० के० भूरी
सहायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 अगस्त 1982

सं० 11/91/79-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, भारतीय प्रशासनिक सेवा के संघ राज्यक्षेत्र मबर्ग के अधिकारी और इस समय संघ राज्यक्षेत्र लक्षद्वीप में प्रशासक के पद पर कार्यरत श्री ओमेश सैगल को जनगणना कार्यालय, लक्षद्वीप अर्नाकुलम, कोचीन में तारीख 21 जुलाई 1982 के अपराह्न से अगले आदेशों तक पदेन क्षमता में निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री ओमेश सैगल का मुख्यालय कोचीन में होगा।

पी० पद्मनाभ
भारत के महापंजीकार

वित्त आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 30 जुलाई 1982

सं० 8 एफ० सी० 2 (6)-ए/82—व्यय विभाग (सिविल), नई दिल्ली में स्थानान्तरण होने पर केन्द्रीय सचिवालय आशु-लिपिक सेवा के ग्रेड "सी" आशुलिपिक तथा केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड "बी" स्थानापन्न आशुलिपिक श्री बी० एम० रेदी को आठवें वित्त आयोग में पहली जुलाई, 1982 के पूर्वाह्न में अगला आदेश होने तक 650-1040 रुपये के वेतनमान में प्रतिनियुक्ति के आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक नियुक्त किया गया है।

दिनांक 31 जुलाई 1982

सं० 8 एफ० सी० 2 (7)-ए/82—व्यय विभाग, नई दिल्ली में स्थानान्तरण होने पर, श्री जी० पी० साहनी, अनुसंधान अधिकारी को आठवें वित्त आयोग में पहली जुलाई, 1982 के पूर्वाह्न में अगला आदेश होने तक 700-1300 रुपये के वेतनमान में अनुसंधान अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सं० 8 एफ० सी० 2 (8)-ए/82—व्यय विभाग (रक्षा प्रभाग), नई दिल्ली में स्थानान्तरण होने पर, श्री एम० एन० शर्मा, वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक, को आठवें वित्त आयोग में 29 जुलाई, 1982 के पूर्वाह्न में अगला आदेश होने तक 1100-1600 रुपये के वेतनमान में निजी सचिव नियुक्त किया गया है।

सं० 8 एफ० सी० 2(9) ए/82—राजस्थान विभाग, नई दिल्ली से स्थानान्तरण होने पर, श्री पी० एल गम्भीर, अनुसंधान अधिकारी को प्राठवे वित्त आयोग में 21 जुलाई, 1982 के पूर्वार्द्ध में अगला आदेश जारी होने तक 700-1300 रुपये के वेतनमान में अनुसंधान अधिकारी नियुक्त किया गया है।

एन० बी० कृष्णन
सचिव

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 अगस्त 1982

सं० 15 4 वा० ले० ए० I/75-73—महालेखाकार जयपुर के कार्यालय के कार्यरत श्री एम० एन० श्रीवास्तव लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) अपनी अधिवर्षित आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-5-1982 से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त हो गये।

एम० ए० सोमेश्वर राव
संयुक्त निदेशक (वाणिज्यिक)

कार्यालय निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-2, दिनांक 9 अगस्त 1982

सं० प्रशासन-1/कार्यालय आदेश संख्या 223—इस कार्यालय के एक स्थायी लेखापरीक्षा अधिकारी श्री बृहम दत्त सहगल बाधक्य आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप 31 अगस्त 1982 (अपराह्न) को भारत सरकार की सेवा से सेवा-निवृत्त हो जाएंगे।

उनकी जन्म तिथि 1 सितम्बर 1924 है।

अ० सि० मोहिन्द्रा
संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (प्रशासन)

महालेखाकार, केरल का कार्यालय

द्विवेन्द्रम दिनांक 10 अगस्त 1982

सं० स्थापना ए/7/9-86/जिल्द-II—इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री टी० सी० जोर्ज (लेखापरीक्षा एवं लेखा) को 3-8-82 (पूर्वार्द्ध) से अगले आदेशों तक लेखा अधिकारी के पद में स्थानापन्न होने हेतु नियुक्त करने का महालेखाकार केरल संयुक्त हुए हैं।

एम० गोपालकृष्णन
उपमहालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्यप्रदेश

ग्वाल्ियर, दिनांक 2 अगस्त 1982

सं० प्रशासन-एफ/ले० अ० पदोन्नति/173—महालेखाकार, मध्य प्रदेश ने निम्नलिखित स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी का स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर वेतनमान रु० 840-40-

1000 रु० 40-1200 में उनके नाम के आगे दशमि पदोन्नति किया है :—

क्रम सं०	नाम	स्थायी क्रमांक	कार्यभार दिनांक	आवंटन क्रमांक
1.	श्री पालीराम पुत्र श्री भोजराज	02/1596	2-8-1982	म० ले० 11 (पूर्वार्द्ध)

(प्रधिकार :—महालेखाकार-प्रथम एवं महालेखाकार-द्वितीय के आदेश दिनांक 2-8-1982)

बी० के० राय
वरिष्ठ उप, महालेखाकार
(प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, राजस्थान

जयपुर, दिनांक 10 अगस्त 1982

सं० प्रशा०-1/राजपत्र, अधिसूचना/400—महालेखाकार राजस्थान ने श्री चेतनम शर्मा प्रवर अनुभाग अधिकारी को पदोन्नत करके दिनांक 19-7-82 (पूर्वार्द्ध) से अग्रतर आदेशों के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

मदन सिंह
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशा०)

कार्यालय निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं,

नई दिल्ली-110001, दिनांक 10 जुलाई 1982

सं० 2342/ए० प्रशासन/130/82—निदेशक लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाएं, निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को, उनके सामने अंकित तिथि में, लेखापरीक्षा अधिकारी के स्थानापन्न रूप में, आगामी आदेश तक, महर्षि नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	कार्यालय जहाँ नियुक्ति की गई है	नियुक्ति की तिथि
----------	-----	---------------------------------	------------------

1 2 3 4

सर्वश्री

- श्री बी० एन० चुघ संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाएं, वायुसेना, देहरादून। 14-7-82

1	2	3	4	वार्णिज्य मंत्रालय
2.	श्री एस० पी० माथुर	संयुक्त निदेशक, लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाएं, मध्य कमान, मेरठ कैंप।	22-7-82	मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 27 जुलाई 1982 आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)
राष्ट्रियाम गुप्त संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं				

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110066, दिनांक 13 अगस्त 1982

स० प्रशा०/1/1681/5/जिल्द-I—श्री सी० वी० के० रेड्डी, आई० डी० ए० एस० को दिनांक 16-10-1982 को 58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर (उनकी जन्मतिथि दिनांक 17-10-1924 होने के कारण), दिनांक 31-10-82 (अपराह्न) से पेशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा और तदनुसार वे मूल नियमावली के नियम 56 (ए०) की शर्तों के अनुसार दिनांक 31-10-1982 (अपराह्न) से रक्षा लेखा विभाग के संख्याबल पर नहीं रहेंगे।

आर० के० माथुर
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता दिनांक 12 अगस्त 1982

स० 39/82/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री के० जी० नायर, स्थानापन्न उप प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 31 जुलाई, 1982 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

वी० के० मेहता
निदेशक

कलकत्ता दिनांक 4 अगस्त 1982

स० 10/82/ए०/ई-1—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्तकर श्री गोवर्धन लाल मौलिक एवं स्थायी सहायक, स्थानापन्न सहायक स्टाफ अफसर दिनांक 31, जुलाई 1982 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

डी० आर० अय्यर
डी० डी० जी०, ओ० एफ० कार्मिक

वी० सैशन

संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1982

स० 1/2/82-प्रशासन (राज०):—राष्ट्रपति, अनुभाग अधिकारी वर्ग के वर्ग-1 के अधिकारी और केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग 1 में स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे श्री जे० पी० सिबल को अगला आदेश होने तक 1 सितम्बर, 1981 से मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में (केन्द्रीय सचिवालय सेवा के) उप मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात के रूप में काम करते रहने के लिये नियुक्त करते हैं।

ए० एस० कौल

उप मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 19 जून 1982

स० 6/1103/75-प्रशासन राज०/3741.—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, श्री के० सी० बर्मन जो संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में नियंत्रक आयात निर्यात के पद पर कार्य कर रहे थे, उन्हें 30 अप्रैल, 1982 के दोपहर बाद में सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी गई है।

दिनांक 11 अगस्त, 1982

स० 6/492/58-प्रशासन राज०/4567.—संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात के कार्यालय, बम्बई में स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे श्री आर० मी० एस० मेनन, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात की 31 जुलाई, 1982 के दोपहर बाद में सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी गई है।

जे० के० माथुर,

उप मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 जुलाई 1982

सं० ए० 31013/1/82-प्रणामन (राज०):—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को लघु उद्योग विकास संगठन में प्रत्येक के नाम के प्रागे निखी गई तारीख से सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (रसायन) के पद पर स्थाई रूप में नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं० अधिकारों का नाम स्थाई क्षमता में नियुक्त किये जाने की तारीख

सर्वश्री	
1. डा० एन० कौल	23-1-66
2. एस० एन० धार	1-4-67
3. एन० के० गुहा	17-5-68
4. बसन्त कुमार	9-5-69
5. बा० एन० बहल	1-4-72
6. जे० सैतगुप्ता	1-4-72
7. डा० बी० परमार्थी	1-4-72
8. पा० एम० राशोल	27-4-74
9. शेयोराज सिंह	1-2-75
10. एम० एल० एन० राव	1-2-75
11. मथुरा प्रसाद	4-1-76
12. आर० पिचुकनी	25-7-76
13. आर० आर० देशपांडे	18-8-77
14. आर० एन० शर्मा	4-3-78

सी० सी० राय,
उप निदेशक (प्रणामन)

पूति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन अनुभाग)

नई दिल्ली, 9 अगस्त 1982

सं० ए०-1/1/(985) —राष्ट्रपति सहायक निदेशक पूति (भारतीय पूति सेवा समूह के ग्रेड-II) श्री रवि गुप्ता को दिनांक 12-7-82 के पूर्वाह्न से दो मास के लिये उप निदेशक पूति (भारतीय पूति सेवा समूह ए० के ग्रेड II) के रूप में पूति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में तदर्थ आधारित पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री रवि गुप्ता को उप निदेशक के रूप में तदर्थ नियुक्ति में उन्हें नियमित नियुक्ति के दावे का हक नहीं होगा और तदर्थ आधार पर की गई सेवा ग्रेड में वरीयता

और पदोन्नति तथा स्वार्थाकरण की पात्रता के लिए नहीं गिनी जायेगी।

एस एल० कपूर
उप निदेशक (प्रशासन)

उत्पादन और खान मंत्रालय
(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता, दिनांक, 5 अगस्त 1982

सं० 8603/2181(एम०एम०ए०)/19 बी० —भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रसायनज्ञ श्री एस०एम० अजहर 30-4-1981 (अपराह्न) से स्वेच्छा पूर्वक निवृत्त हो गये।

जे०स्वामी नाथ,
महा निदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 9 अगस्त 1982

सं० ए०-19011(226)/78-स्था० ए० —राष्ट्रपति संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री ए०टी० सुतोणे, सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी को भारतीय खान ब्यूरो में उप-अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर दिनांक 24 जुलाई 1982 (अपराह्न) से स्थानापन्न रूप से महर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 10 अगस्त 1982

सं० ए०-19012(151)/82-स्था० ए० —विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री सी०एम० मगोला, अधीक्षक को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न सहायक प्रणामन अधिकारी के पद पर दिनांक 21 जुलाई 1982 के पूर्वाह्न से पदोन्नत किया गया है।

दिनांक 11 जुलाई 1982

सं० ए०-19011(234)/82-स्था० ए० :—राष्ट्रपति संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री एम०एन० माकोडे, सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी को भारतीय खान ब्यूरो में उप अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 6 मई 1982 की अपराह्न से महर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19011(307)/82-स्था० ए० :—राष्ट्रपति संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री एम०बी० गायधनी, सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी, को भारतीय खान ब्यूरो में उप अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में दि० 24 जुलाई 1982 (अपराह्न) से महर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 13 अगस्त, 1982

सं० ए०-19011(296)/81-स्था० ए० —राष्ट्रपति संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री ए०एन० मेश्राम, कनिष्ठ जनसूचिक, केन्द्रीय भू-जन बोर्ड की भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खनिज अर्थशास्त्री (आ-सूचना) के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 12 जुलाई 1982 के पूर्वाह्न से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 अगस्त 1982

सं० ए०-19012(139)/80-स्था० ए० —राष्ट्रपति संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री बी०एम० मोंग्रेले, सहायक रसायनविद की भारतीय खान ब्यूरो में रसायनविद् के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 20 मई 1982 के पूर्वाह्न से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19011(305)/82-स्था० ए० —राष्ट्रपति संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री एम० सैयद रियाज उल्लाह, सहायक अनुसंधान अधिकारी (अयस्क प्रमाधन) की भारतीय खान ब्यूरो में सहायक अयस्क प्रमाधन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 14 जून 1982 के पूर्वाह्न से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

ब०च० मिश्र
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान ब्यूरो

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 16 अगस्त 1982

सं० सं०-5851/594 :—श्री भगवान सिंह, तकनीकी सहायक (मले० ग्रेड) को, जिन्हें इस कार्यालय की दिनांक 20 दिसम्बर, 1981 की अधिसूचना सं० सं०-5779/594 के अन्तर्गत सहायक प्रबंधक, मानचित्र पुनरुत्पादन (ग्रुप "बी" पद), भारतीय सर्वेक्षण विभाग के पद पर स्थानापन्न रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया था, तत्काल उसी पद पर स्थानापन्न रूप में नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है।

जी०सी० अग्रवाल
मेजर-जनरल,
भारत के महासर्वेक्षक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 अगस्त 1982

सं० ए०-39012/1/82-प्रशासन-1 —स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) अविनाश तलवार दंत मर्जन, केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, का 27 मार्च, 1982 (अपराह्न) में त्याग पत्र मंजूर कर लिया है।

दिनांक 10 अगस्त, 1982

सं० ए०-31013/1/81-प्रशासन-1 —राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों की कन्दय सभकार स्वास्थ्य योजना के अन्तर्गत उनके नाम के सामने दी गई तारीख से प्लॉफ गर्जन (दंत चिकित्सा) के पद पर स्थायी रूप में नियुक्त किया है :—

डा० बनराज सूर—एक जनवरी, 1978 में।

डा० जी०एल० मभरवाल—5 अक्तूबर, 1981 में।

त्रिलोक चन्द जैन
उपनिदेशक प्रशासन

ग्रामीण विकास मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 7 अगस्त, 1982

सं० ए०-19023/24/78-प्र०-III —इस निदेशालय के अधीन फरीदाबाद में श्री जे० के० भट्टाचार्य, विपणन विकास अधिकारी की सेवाओं का दिनांक 30-11-81 (अप०) से 30-11-82 (अप०) तक विदेश सेवा शर्तों पर भारत से बाहर स्थानांतरण के रूप में लीबिया सरकार के अधीन प्रशासन इजानियर के रूप में सौंपा गया है।

गोपाल शरण शुक्ल
रूपि विपणन सलाहकार

भाभा प्रमाण अनुसंधान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई, 6, अगस्त 1982

सं० पी०ए०/79(4)/80 आर III —नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री गोविंद विष्णु माडके, स्थानापन्न सहायक लेखाकार को सहायक लेखा अधिकारी पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 24-5-1982 (पूर्वाह्न) से 25-6-1982 तक की समयावधि के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 7 अगस्त 1980

सं० पी०ए०/79(4)/80 आर III —नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री अब्दुल करीम मोहिउद्दीन नाइक, नाइक, सहायक लेखाकार को सहायक लेखा अधिकारी (रुपये 659-960) पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 1-7-82 (पूर्वाह्न) से 31-7-82 (अपराह्न) तक की समयावधि के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० पी०ए०/79(4)/80 आर III —नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री गोपालन कृष्णमूर्ति, आशुलिपिक (एस० जी०) को सहायक कार्मिक अधिकारी पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 11-6-82 (पूर्वाह्न) से 20-12-82 (अपराह्न) तक की समयावधि के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

बी०सी० पाल
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग रजिस्ट्री
(संपदा प्रबंध निदेशालय) पावती
बंबई, दिनांक 5 जुलाई 1982
आदेश

सं० 10/340/73-प्रशा०—श्री जे० एस० लोध, हैल्पर 'ए' (सफाईवाला) —जो कि संपदा प्रबंध निदेशालय के कार्यप्रभारित स्थापना में नियोजित है, दि० 17-8-81 में अपने कार्य में अनुपस्थित रूप में अनुपस्थित हैं।

श्री लोध को वर्तमान जानकारी के अनुसार बंबई तथा हरियाणा स्थित उनके निवासीय पते पर रजिस्ट्री-पावती द्वारा निम्नलिखित ज्ञापन भेजे गये थे, जा कि पत्रालय प्राधिकारियों द्वारा इस निदेशालय को इस टिप्पणी के साथ लौटा दिए गए कि "प्राप्तकर्ता" उपलब्ध नहीं है:

1. दि० 17-10-81 का ज्ञापन—श्री लोध को तत्काल कार्य पर उपस्थित होने के लिए निदेशित करते हुए।
2. दि० 20-11-81 का ज्ञापन—श्री लोध से प्रस्ताव करते हुए कि उनके विरुद्ध यथोचित कार्यवाही की जायेगी तथा उन्हें इस ज्ञापन की प्राप्ति से 10 दिन के अंदर उक्त प्रस्ताव के विरुद्ध प्रतिवेदन करने का, यदि वे चाहें, अवसर दिया जायेगा।

तथापि श्री लोध अपने कार्य में निरन्तर रूप में अनुपस्थित रह रहे हैं और उन्होंने इस निदेशालय को अभी तक अपना वर्तमान पता भी सूचित नहीं किया है।

अतः श्री लोध सरकारी कार्य में अनुपस्थित रहने तथा स्वेच्छा से अपनी सेवाओं का परित्याग करने के दोषी है।

चूंकि श्री लोध ने इस निदेशालय को अपना वर्तमान पता सूचित किए बिना अपनी सेवाओं का स्वेच्छा से परित्याग किया है, अतः अधोहस्ताक्षरी आवश्यक होकर यह अनुभव करता है कि श्री लोध के विरुद्ध कार्यालयी जांच कराने का व्यवहारिक रूप से कोई औचित्य नहीं है।

अतः अधोहस्तारी श्री लोध को इस निदेशालय से तत्काल पदच्युत करता है।

प्रतिलिपि :—श्री जे. बी. लोध, चाल नं. 16, कमरा नं. 236, भारत नगर, बांद्रा, (पूर्व) बंबई 51

: श्री जे. बी. लोध, ग्राम व पत्रालय सांघी, जनपद राहतक, हरियाणा

बम्बई दिनांक 6 अगस्त, 1982

आदेश

सं० 2/603/77-प्रशा०—श्री डी० वी० राजापकर, हैल्पर 'ए', संपदा प्रबंध निदेशालय, दिनांक 12-4-1982 में अपने कार्य में बिना अनुमति के अनुपस्थित है।

श्री राजापकर को अन्तिम जानकारी के अनुसार बंबई तथा रतनागिरि स्थित उनके पते पर रजिस्ट्री पावती द्वारा दि० 7-7-1982 का ज्ञापन क्रमांक 2/603/77-प्रशा० भेजा गया था, जिसे पत्रालय अधिकारियों ने इस टिप्पणी के साथ इस कार्यालय को लौटा दिया कि "पता ज्ञात नहीं"।

श्री राजापकर अभी तक न तो अपने कार्य पर उपस्थित हुए हैं और नहीं उन्होंने इस निदेशालय को अपने वर्तमान निवास के बारे में सूचित किया है।

अतः श्री राजापकर अपने कार्य में अनुपस्थित रहने तथा अपनी सेवाओं का स्वेच्छा से परित्याग करने के दोषी हैं।

चूंकि श्री राजापकर ने इस निदेशालय को अपना वर्तमान निवास बताये बिना अपनी सेवाओं का परित्याग किया है; अतः अधोहस्ताक्षरी इस बात में आश्वस्त है कि केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण व अपील) नियमावली 1965 में किए गए प्रावधान के अनुसार श्री राजापकर के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करना व्यवहारिक नहीं होगा।

अतः अधोहस्ताक्षरी परमाणु ऊर्जा विभाग के दिनांक 7 जुलाई 1979 के पृष्ठांकन क्रमांक 22(1)/68-प्रशा० (द्वितीय) तथा केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण व अपील) नियमावली 1965 के नियम 19 (द्वितीय) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री राजापकर को तत्काल पदच्युत करता है।

हरिनारायण सुक्सैना
प्रशासन अधिकारी

प्रतिलिपि :—1. श्री डी. वी. राजापकर, भाग्य शिव जादव चाल नं. 0208/34, उनदराह रोड, राहपाड़ा, मलाड (पश्चिम), बंबई 64

2. श्री डी. वी. राजापकर, पत्रालय गिर रंडेबंद, वाया विजय दर्ग, तालूक बवेगढ़, जनपद रतनागिरि।

क्रय और भंडार निदेशालय
बम्बई, दिनांक 9 अगस्त 1982

सं० क्र० भ० नि० 123/4/82-स्थापना/17300—
परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने सहायक क्रय अधिकारी श्री एस० शिवराम की छुट्टी मंजूर किये जाने पर अस्थायी क्रय सहायक श्री पी० एच० सावंत को रुपये 650-30-740-35-810-द० री०-35-880-40-1000-द० री०-40-1200 के वेतन क्रम में इसी निदेशालय में तदर्थ आधार पर तारीख 10 मई, 1982 (पूर्वाह्न) से 19 जून, 1982 (पश्चराह्न) तक के लिए स्थानापन्न रूप में सहायक क्रय अधिकारी नियुक्त किया है।

के०पी० जोषाफ
प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद, दिनांक 10 अगस्त, 1982

सं० ना०ई०स०/का०प्र०भ०/0704/3023 —नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक जी, उच्च श्रेणी लिपिक श्री पी० वेंकट राव को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में अवकाश रिक्ति पर स्थानापन्न सहायक कार्गिकाधिकारी के पद पर दिनांक 10-8-1982 से 11-9-1982 पर्यंत तदर्थ आधार पर नियुक्त करने हैं।

जी० जी० कुलकर्णी
प्रबंधक, कार्मिक व प्रशासन

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1982

सं० प०ख० प्र०-1/4/82-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री पार्थसारथी चट्टोपाध्याय को परमाणु खनिज प्रभाग में 4 अगस्त, 1982 के पूर्वाह्न में अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड “एस० बी०” नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 अगस्त 1982

सं० प०ख० प्र०-1/1/81-भर्ती I—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री एस० धानगावेल को परमाणु खनिज प्रभाग में 19 जुलाई, 1982 के अपराह्न में अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड “एस० बी०” नियुक्त करते हैं।

टी०डी० धाडगे
वरिष्ठ प्रशासन व लेखा अधिकारी

महानिदेशक, नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1982

सं० ए०-38013/1/82-ई०ए०—क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली के कार्यालय के श्री एस०एस० बेवली, उप-निदेशक निर्वर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप दिनांक 30-6-1982 से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 5 अगस्त 1982

सं० ए०-35014/1/81-ई०-I—इस कार्यालय की दिनांक 5-3-82 की अधिसूचना सं० ए०-35014/1/81-ई०-I के अन्विष्ट क्रम में महानिदेशक नागर विमानन ने लेखा परीक्षा निदेशक, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री बी०ए० शर्मा, लेखापरीक्षा अधिकारी को 26-2-1982 (पूर्वाह्न) से तीन वर्ष की अवधि के बजाए दिनांक 26-2-1982 (पूर्वाह्न) से 29-2-1984 तक दो वर्ष की अवधि के लिए नई दिल्ली स्थित मुख्यालय कार्यालय में प्रतिनियुक्ति के आधार पर लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 10 अगस्त 1982

सं० ए०-32013/1/81-ई०-ए०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों की वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारियों के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति प्रत्येक के सामने दी गई अवधि के लिए जारी रखने को मंजूरी दी है :—

क्रम सं०	नाम	स्टेशन	अवधि
1	2	3	4
1.	श्री एम०एम०मैनी	डी०जी०सी०ए० मुख्यालय	14-2-82

1	2	3	4
2	श्री ए०च०एम० चावला	दिल्ली	14-2-82
3	श्री आर०ए०ए०वर्मा	डी०जी०सी०ए० मुख्यालय	14-2-82
4	श्री ए० के० वसु	डी०जी०सी०ए० मुख्यालय	31-5-82

मुधाकर गुप्ता
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1982

सं० ए०-31013/1/82-ई०डब्ल्यू०—राष्ट्रपति ने श्री डी० पम्पुखम को नागर विमानन विभाग में दिनांक 21 जुलाई, 1979 में स्थायी रूप में अग्निशमन अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

ई०एल० ट्रेसलर
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 7 अगस्त 1982

सं० ए०-38013/6/82-ई०सी०—वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित आठ अधिकारियों ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है :—

क्रम सं०	नाम और पदनाम	स्टेशन	सेवा निवृत्ति की तारीख
1.	एस०एन०मैन, सहायक संचार अधिकारी	वै०सं०स्टेशन कलकत्ता	30-4-82 (अपराह्न)
2.	के०जी०नायर महा० संचार अधिकारी	वै०सं०स्टेशन मद्रास	31-5-82 (अपराह्न)
3	ए० एन०कुट्टी महा० संचार अधिकारी	वै०सं०स्टेशन त्रिवेन्द्रम	31-5-82 (अपराह्न)
4	ए०के० चौधरी महा० संचार अधिकारी	वै०सं०स्टेशन कलकत्ता	31-5-82 (अपराह्न)
5.	पी०एम०जार्ज महा० संचार अधिकारी	वै०सं०स्टेशन त्रिवेन्द्रम	30-6-82 (अपराह्न)
6	वी०के०ई०शर्मा महा० संचार अधिकारी	वै०सं०स्टेशन बम्बई	30-6-82 (अपराह्न)
7.	बी०एस०गुप्ता महा० संचार अधिकारी	वै०सं०स्टेशन बम्बई	30-6-82 (अपराह्न)
8.	पी०एम० पिल्लै महा० संचार अधिकारी	वै०सं०स्टेशन मद्रास	30-4-82 (अपराह्न)

प्रेमचन्द
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 7 अगस्त 1982

सं० 1/342/82-स्था० —विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा सद्रास के पर्यवेक्षक श्री ए० आर० श्रानि-
वासन को स्थानीय व्यवस्था के रूप में तदर्थ आधार पर
अल्पकालिक रिक्त स्थानों पर 15-3-82 से 3-4-82 तक
और 5-4-82 से 15-5-82 तक की अवधियों के लिए
उसी शाखा में स्थानापन्न रूप में उप परियाप्त प्रबंधक
नियुक्त करते हैं।

सं०-1/520/82-स्था० —विदेश संचार सेवा के
महानिदेशक एतद्द्वारा बम्बई के पर्यवेक्षक श्री डी० अ० मल-
ढाना को स्थानीय व्यवस्था के रूप में तदर्थ आधार पर
अल्पकालिक रिक्त स्थानों पर 19-2-82 से 12-3-82 तक
और 15-3-82 से 31-3-82 तक की अवधियों के लिए
उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियाप्त प्रबंधक नियुक्त
करते हैं।

पा० नि० गोविन्द नायर
निदेशक (प्रशा०)
कृते महानिदेशक

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई, दिनांक 3 अगस्त 1982

सं० 3(1)-सी०आर०बी०/82 — संघ लोक सेवा
आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, श्री बा०आर०सा०
प्रसाद को 22 जुलाई, 1982 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों
तक अस्थायी रूप में प्रधान नाविक कन्याण अधिकारी,
कलकत्ता के रूप में नियुक्त करते हैं।

भा० कृ० पवार
नौवहन, उपमहानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 11 अगस्त 1982

सं० ए०-19012/987/82-स्था०पाच— विभागीय
पदोन्नति समिति (समूह-ख) का सिफारिशों पर अध्यक्ष
केन्द्रीय जल आयोग, एतद्द्वारा, श्री एस०के० मेहता, स्नातक
पर्यवेक्षक को, जो कि राष्ट्रीय जल-विद्युत् परियोजना निगम
लि० नई दिल्ली के प्रबंध के अधीन देवी घाट जल विद्युत्
परियोजना काठमान्डू (नेपाल) में प्रतिनियुक्ति पर हैं, तथा
जो असंबर्ग पद पर प्रतिनियुक्ति/ब्राह्म सेवा पर रहने हुए
अगले निचले नियम का सभी शर्तों को पूरा करते हैं, रु०
650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०
रो०-40-1200 के वेतनमान से उनकी अनुपस्थिति में, 29
जुलाई, 1981 की पूर्वाह्न से, अतिरिक्त सहायक निदेशक/
सहायक इंजीनियर के ग्रेड में, स्थानापन्न क्षमता में, नियुक्त
करते हैं।

2-226GJ/82

2 श्री मेहता, अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजी-
नियर के ग्रेड में 29 जुलाई, 1981 से दो वर्ष की अवधि
तक परिशीक्षा पर रहेंगे।

सं० ए-19012/994/82-स्था० पाच—अध्यक्ष, केन्द्रीय
जल आयोग, श्री स्वदेण रंजन दास, पर्यवेक्षक को रु० 650-30-
740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-
40-1200 के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक
इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 19 जुलाई, 1982 की
पूर्वाह्न से छः महीने की अवधि के लिए अथवा पद को नियमित
आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थायी एवं
तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

ए० भट्टाचार्य
अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1982

सं० 82/आर० ई०/161/6—मध्य रेलवे के सम्पूर्ण म०
रा० वि० बी० साइडिंग खंड पर स्थित रेल लाइनों और परिसरों
के सभी उपयोगताओं की सामान्य सूचना के लिए यह अधिसूचित
किया जाता है कि एकल द्वारा (जरीब 8221) से ओढा (198/
307 कि० मी०) तक 25000 वोल्ट, 50 साइकिल, ए० सी०
शिरोपरि कर्षण तारों में 1 अगस्त, 1982 से या उसके पश्चात
बिजली चालू कर दी जाएगी। उस तारीख को और उसके बाद
इन शिरोपरि कर्षण तारों को हर समय 'बिजलीयुक्त' माना जाएगा
तथा किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को इन शिरोपरि लाइनों के
पास आने या उनके सन्निकट काम करने की सर्वथा मनाही
रहेगी।

हिम्मत सिंह
सचिव, रेलवे बोर्ड

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और करनाटक कालसियम

प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 9 अगस्त 1982

सं० 3025/560/82-83—कम्पनी अधिनियम, 1956
की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह
सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवधान पर
करनाटक कालसियम प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल
कारण दर्जित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और
उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह० अपठ नीय
कम्पनियों के रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स गांधी डायर

एशियन बाल्व्स लिमिटेड के विषय में

स्वास्थ्य, दिनांक 11 अगस्त 1982

सं० 1294/सी० पी०/1367—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मै० गांधी डायर एशियन बाल्व्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स संचय फाइनेन्स (एम० पी०) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

स्वास्थ्य, दिनांक 11 अगस्त 1982

सं० 1307/सी० एस्० वाय०/81/1369—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मै० संचय फाइनेन्स (एम० पी०) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स श्री नर्मदा केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

स्वास्थ्य, दिनांक 11 अगस्त 1982

सं० 1328/सी० पी०/1387—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मै० श्री नर्मदा केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स ब्रिजसन्स एम्पलायमेंट एण्ड कामशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

स्वास्थ्य, दिनांक 11 अगस्त 1982

सं० 1344/सी० पी०/1368—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मै० ब्रिजसन्स एम्पलायमेंट एण्ड कामशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में एवं मैसर्स सेन्ट्रल इण्डिया डवलपमेंट एण्ड कन्स्ट्रक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

स्वास्थ्य, दिनांक 11 अगस्त 1982

सं० 352/सी० पी०/1388—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा सूचित

किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन मास की समाप्ति पर, मै० सेन्ट्रल इण्डिया डवलपमेंट एण्ड कन्स्ट्रक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण दर्शाया गया तो, रजिस्टर से काट दिया जाएगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स ट्रस्ट एसोसिएशन आफ दी इण्डिया चर्च कॉन्सिल आफ दी डिमोपल्स आफ काइन्स के विषय में

स्वास्थ्य, दिनांक 11 अगस्त 1982

सं० 1025/सी० पी०/1391—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मै० ट्रस्ट एसोसिएशन आफ दी इण्डिया चर्च कॉन्सिल आफ दी डिमोपल्स आफ काइन्स का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में एवं मै० रानी दुर्गावती चिट फण्ड फायनेन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

स्वास्थ्य, दिनांक 12 अगस्त 1982

सं० 1272/सी० पी०/1392—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन मास की समाप्ति पर, मै० रानी दुर्गावती चिट फण्ड फायनेन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्टर से काट दिया जाएगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स दी रायपुर इण्डस्ट्रीज (प्राइवेट) लिमिटेड के विषय में

स्वास्थ्य, दिनांक 12 अगस्त 1982

सं० 845/सी० पी०/1414—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मै० दी रायपुर इण्डस्ट्रीज (प्राइवेट) लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

सूरेंद्र कुमार सुक्सेना
कम्पनी रजिस्ट्रार
मध्य प्रदेश, स्वास्थ्य

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० टी० एन० एस० 1/एस०-आर०-3/12-
81/490—अन० मुझे, एस० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम करावल नगर,
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक, दिसम्बर, 1981।

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थापूवाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस० दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिनी (अन्तरिनीयों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में सम्मिलित रूप में दर्जित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ए०सी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री पृथ्वी राज भूटानी सुपुत्र श्री गोबिन्द राम,
निवासी 8574/3 बस्ती आरक्षण पहाड़ गंज, नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री बुधन राम सुपुत्र श्री खिलारी, निवासी ग्राम-
सादातपुर शाहदरा, दिल्ली

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करत पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि खण्ड 13 बीघे 10 ब्रिक्के, खसरा नं० 387/2, 389/1,
390, 391/1, ग्राम करावल नगर, दिल्ली

एस० आर० गुप्ता

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 31-7-1982

मोहर :

रजिस्ट्रार ऑफ़ द ग्रांट्स —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर-3/12-

81/1499—अत. मुझे, एस० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस-129, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981।

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक व अन्तरिती किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व को कमी करने या उचित करने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवाना प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधागा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- 1 (1) सतीश लाल (2) जगदीश लाल (3) रविश लाल,
(4) मनोहर लाल (5) जतीन्द्र लाल, निवामी 5-सी/88
न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली

(अन्तरक)

- 2 मै० मोहन बिल्डर्स द्वारा भागीदार एम० मोहन सिंह,
निवामी 52/42 पंजाबी बाग नई दिल्ली

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० एस०-129, क्षेत्रफल 300 वर्गगज, ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली

एस० आर० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

दिनांक 28-7-1982

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/एस० आर० III/12/

81/1500—अतः मुझे, एस० आर० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ई-501, है तथा जो ग्रेटर कलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य का उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप में किया गया है या गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अनील कुमार सहगल मन/आफ श्री एम० आर० सहगल और श्रीमती कृष्णा नन्दा पत्नी श्री जे० सी० नन्दा द्वारा आटारनी श्री एम० आर० सहगल मन/आफ श्री एच० आर० सहगल दोनों निवासी डी-289, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री गुलशन कुमार और श्री गोपाल सपुत्र गण श्री चन्द्र भान निवासी 18/1 पंत नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मजिला मकान नं० ई-501, क्षेत्रफल 248, स्केयर याडें जो कि ग्रेटर कलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है।

एस० आर० गुप्ता,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-8-1982

मोहर

प्ररूप भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० आर०-3/12-81/1504—अतः सुखे, एस० आर० गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम खानपुर,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981।

अपेक्षापूर्वक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुमारी रंजू जैन सुपुत्री श्री एस० के० जैन, निवासी-
डी-1/ए. ग्रीन पार्क नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मास्टर मार्क चौधरी (माधनर) सुपुत्र श्री सुनील
कुमार चौधरी द्वारा उमकी मा श्रीमती
टाटीयाना चौधरी, श्रीमती टाटीयाना चौधरी पत्नी
श्री एस० के० चौधरी, श्री अनुज चौधरी सुपुत्र श्री
शिव कृष्ण चौधरी, निवासी ए-1/12, पंचशील
इनकलेव, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 2 बिघे और 8 बिघे, खसरा नं०
261, मिन, ग्राम खानपुर, नई दिल्ली

एस० आर० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज -1, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 31-7-1982

मोहर :

प्ररूप आह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1982

निर्देश सं० आर्डी० ए० सी०/एक्यू०/1/एम० आर-3/12-81/

1505—अन. सू०, एम० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम खानपुर,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एम० दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती
(अन्तरितीयां) के बीच एम० अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एम० किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में साधना
के लिए;

उक्त अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) कुमारी रंजू जैन, सुपुत्री श्री एम० के० जैन, निवासी-
डी-1/ए, ग्रीनपार्क, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मास्टर मार्क चौधरी (तावालिग) सुपुत्र श्री मुनील
कुमार चौधरी, द्वारा उसके मा श्रीमती टाटीयाना
चौधरी, श्रीमती टाटीयाना चौधरी पत्नी श्री एम०
के० चौधरी, श्री अनुराज चौधरी सुपुत्र श्री एम० के०
चौधरी निवासी ए-1/12, पंचशील इन्फ्लेव, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांशताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 2 बीघे और 8 बिघे, खसरा नं० 261
मिन, ग्राम खानपुर, तहसील महगौली, नई दिल्ली

एम० आर० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 31-7-1982

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर-3/12-81/1508—यतः सुझे, एस० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2/19, है तथा जो शांति निकेतन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाध्द अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक, दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा है लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जसवीर सिंह मुपुल स्वर्गीय एस० प्रीतम सिंह, निवासी ए-107, सरोजनी नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) डा० वैष्णव प्रकाश मन्चर मुपुल स्वर्गीय श्री दीन राम मन्चर, निवासी 2/19, शान्ति निकेतन, नई दिल्ली (अन्तरिती)

अतः यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० प्लॉट नं० 19, मेकन्ड स्ट्रीट, शान्ति निकेतन, नई दिल्ली।

एस० आर० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-8-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर० 3/12--

81/1510—अन सूचे, एस० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी० 231 (डी) है तथा जो नल मजिल,
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में दान्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिये,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

3—226G1/82

(1) श्री मन्मथ नारायण गुप्ता, मनीष कुमार गुप्ता और
जान चन्द गुप्ता सुपुत्रगण श्री वनारसी दाम गुप्ता
निवासी एम-40, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्र मोहन मेहरा सुपुत्र श्री प्राण नाथ, निवासी
ई० 140 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० न० बी०-231 (डी०) ग्राउन्ड फ्लोर, ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली ।

एस० आर० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

दिनांक 28-7-1982
मोहर

प्रकृष आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-घ (1) के अधीन सूचना

५

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एम० आर०-3/12-

81/1511—अन: मुझे, एम० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1348-52, ब्लाक है तथा जो नार्डवाला करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुपर-धन, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कंवर बलबीर सिंह (गैटायर्ड पी० सी० एम०) मुपुत स्वर्गीय श्री आर० एम० सी० एच० बलदेव सिंह, निवासी 4216 मोहल्ला अहीरन पहाड़ी धीरज मंदर बाजार, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अमर कौर चावला पत्नी स्वर्गीय श्री तरलोक चन्द चावला, निवासी 20/22, पंजाबी बाग, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 1348-52 बना हुआ प्लॉट/खसरा नं० 814, एरीया 222 बर्गगज, ब्लाक 'डी' गली नं० 20-19, एक मंजिला (पुराना कन्सट्रक्शन) छपर वाला कुआ, नार्डवाला करोल बाग, नई दिल्ली।

एम० आर० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-8-1982
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर० 3/12-
81/1514—अतः मुझे, एस० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16/10159, है तथा जो ब्लाक-टी, नाईवाला
करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुदर्शन कुमार पत्नी श्री तिलक राज और
सत प्रकाश मुपुल श्री जगदीश लाल, निवासी—
16/10159, नाईवाला करोल बाग, नई दिल्ली-5,
(अन्तरक)

(2) मै० पूर्ण एण्ड सन्स, 174-डी, कमला नगर, दिल्ली
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

म्युनिसीपल नं० 16/10159, ब्लाक टी, खसरा नं०
1471/1158 और 1472/1158, नाईवाला करोल बाग,
नई दिल्ली।

एस० आर० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 28-7-1982
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/12-
81/1576—अतः मुझे, एम० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एच/343, है तथा जो न्यू राजेन्द्र नगर, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वर्गीकरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

(1) श्रीमती नारायण देवी पत्नी श्री दीनदयाल, निवासी
एच०/343 न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्री विनय लम्बा और श्री अरूण लम्बा सुपुत्रगण
श्री देव राज, निवासी 27/53 राजेन्द्र नगर, नई
दिल्ली ।
(अन्तरिती)

अतः यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सरकार द्वारा निर्मित मकान सं० एच/343 न्यू राजेन्द्र
नगर, नई दिल्ली भूमि का क्षेत्रफल 200 वर्गगज,

एम० आर० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-8-1982

मोहर :

प्ररूप आई टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० गार०-3/12-

81/1517-अत सं० एस० गार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ग के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० डी-31, है तथा जो डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

(1) श्री एस० एम० अवरोना सुपुत्र श्री जे० एस० अवरोना, निवासी के-46, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री एन० के० शर्मा सुपुत्र श्री मशा राम, निवासी के-46 कैलाश कालोनी, नई दिल्ली (अन्तरित)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2-1/2 मजिला मकान न० डी०-31, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली एरीया 333 वर्ग गज, (1/2 भाग हस्तांतरण का क्षेत्र 166 वर्गगज)

एस० गार० गुप्ता,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 3-8-1982
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/12-
81/1518—अतः मुझे, एस० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० 139 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और या

(ख) ऐसी किंवा आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, इस अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्रीमती अमृत कौर, मार्फत एस० प्रेम सिंह निवासी
एस-291, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रमन आनन्द, निवासी डी-289, डीफेंस
कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताफरो के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लेट नं० एस०-139, ब्लाक-एस० ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

एस० आर० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-8-1982

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/12-

81/1521—अतः मुझे, एस० आर० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरामंडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, दिसम्बर, 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में स्वीकृत नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भुनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) श्रीमती हरवीन्द कौर पत्नी श्री रघवीरसिंह, निवासी बी-382, न्यू फ्रेण्ड्स कानोनी, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) मै० कम्पिटेट बिल्डर्स, 6-जनरल मैनर रोड, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे 16 बिघे, मुस्तालील नं० 37, किला नं० 15(0-11), मुस्तालील नं० 38, किला नं० 11 (4-05), ग्राम डेरा मंडी, तहसील, महगौली, नई दिल्ली।

एस० आर० गुप्ता,
सूक्ष्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली-110002

दिनांक 31-7-1982

मोहर

प्रकरण भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एम० आर०-3/12-
81/1523—अतः मुझे, एम० आर० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जोनापुर,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिणी
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उक्तसे बचने में सविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री जुथर मुपुत्र श्री गिखीया सक्पा, राम चन्द, कार-
काली गिछपाल मुपुत्रगण श्री गंगा सहाय खजान
मुपुत्र श्री बुधु, रामभोजी, पत्नी श्री घुवा, निवासी
ग्राम जोनापुर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती डात सिंह पत्नी श्री बृजेन्द्र सिंह निवासी
28 मुन्दर, नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 विघे और 16 विघे, एम न० 29
किला न० 25, (4-16) स्थापित-ग्राम जोनापुर तहसील
महगौली, नई दिल्ली

एम० आर० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज- नई दिल्ली-110002

दिनांक 28-7-1982
मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एम० आर० 3/12-81/1524—अतः मुझे, एम० आर० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह ब्रियवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, निम्न उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जोनापुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम का दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिनियों) में से प्रत्येक अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में रुकित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कम करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिम्मे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
4—226GI/82

(1) सुयर सुपुत्र श्री रिखीया, सरूपा, रामचन्द, करकाली, रीछपाल सुपुत्रगण श्री गंगा सहाय, खजान सुपुत्र श्री बुधु, राम भेजी पत्नी श्री घुषा, निवासी ग्राम जोनापुर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री डान सिंह पत्नी श्री बृजेन्द्र सिंह, निवासी 28-सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बीघे और 16 बिघे, एम० न० 28, किला न० 22, स्थापित ग्राम जोनापुर, नई दिल्ली।

एम० आर० गुप्ता,

मक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

दिनांक 31-7-1982

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एम० आर-3/12-
81/1525—अतः सूत्र, एस० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु में अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जोनापुर,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
दिए गए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुधर सुपुत्र श्री रिखीया, सरूपा, राम चन्द,
रीछपाल और करकली सुपुत्र श्री गंगा सहाय,
खजान सुपुत्र श्री बुध, श्रीमती राम भेजी, पत्नी
श्री घुघा, निवासी-ग्राम जोनापुर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा देशी पत्नी श्री हरमहेन्द्र सिंह, निवासी
28-सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे और 16 बिघे मुस्तातील नं०
33, किला नं० 1, ग्राम-जोनापुर, तहसील महगौली, नई दिल्ली।

एस० आर० गुप्ता,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 31-7-1982
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर० 3/12

81/1526—अतः मुझे, एस० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जा ग्राम जोनापुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और भूक यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए० दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ए० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ए० किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री सुत्तर सुपुत्र श्री रिखीया, सरूपा, रामचन्द्र, करकाली, रिछपाल सुपुत्रगण श्री गंगा सहाय, खजान सुपुत्र श्री बुधु, रामभेजी जी पत्नी श्री घुघा, निवासी ग्राम जोनापुर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती डान मिह पत्नी श्री बृजेन्द्र मिह, निवासी 28 मुन्दर नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्या करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में गमाप्त होती है, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि नादादी 4 बिघे और 16 बिघे, ए० नं० 28
किला नं० 21, स्थापित ग्राम जोनापुर, नई दिल्ली ।

एस० आर० गुप्ता,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 28-7-1982

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०—3/12-81/1527—अतः मुझे, एस० आर० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जोनापुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के पञ्चकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अश्वर सुपुत्र श्री रिखीया, सरूपा, राम चन्द, रिछपाल, करकाली सुपुत्रगण श्री गंगा सहाय, खजान सिंह सुपुत्र श्री बुधु, राम-भोजी पत्नी श्री घुघा, निवासी ग्राम—जोनापुर, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा देवी पन्तो श्री हरमहेन्द्र सिंह, निवासी 28 सुन्दरनगर, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि किया अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्देशकारी के पान लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे और 10 बिघे, मुस्तातील नं० 33, किला नं० 2, स्थापित—ग्राम जोनापुर, तहसील-महरोली, नई दिल्ली ।

एस० आर० गुप्ता,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

दिनांक 31-7-1982
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/12
81/1542—अतः मुझे, एस० आर० गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० बी-55, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक विसम्बर, 1981
की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिमियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

- (1) श्री डी० पी० मेहता सुपुत्र श्री जे० पी० मेहता, निवासी
ई०-66 ग्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली
(अन्तरक)

- (2) मै० मोहन एक्मपोर्ट्स इंडिया प्रा० लि० 7—जामरुदपुर
कम्प्यूनीटी सेंटर, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली एम०
हार्टवैक्टर श्री ए० के० पुरी,
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई प्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2-1/2 मंजिला मकान नं० बी०-55, ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली तादादी 1000 वर्ग गज,

एस० आर० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-8-1982
मोहर .

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/एम० आर० 111/12-
81/1547—अतः मुझे, एस० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० बी०-83 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से दिया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या बचत में सुविधा
के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, ठीकाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) हेमुकुंट केमीकल्स (प्रा०) लि० 810, मेघदूत, नेहरू
प्लेस नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) अमृत प्लास्टिक (प्रा०) लि० 70, नजफगढ़ रोड,
नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भां
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

बी०/83, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-110048

एस० आर० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-8-1982

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/एस० आर०-111/12-
81/1552—अतः मुझे, एस० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2 (जी० एफ०) एफ०-3 है तथा जो
एन० डी० एस० ई०-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर,
1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सूविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स राजीव प्रो० प्रा० लि० 37—पूसा रोड़, नई
दिल्ली द्वारा डायरेक्टर किष्ण कुमार चौधड़ा
(अन्तरक)

(2) श्रीमती दीपा अरुण पत्नी श्री अणोक कुमार अरुण
निवासी डी-7/4, वसन्त विहार, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, पी० नं० एफ०-3, का भाग ग्राउंड फ्लोर
मामने का हिस्सा क्षेत्रफल 1005 स्केयर फीट जो कि एन०
डी० एस० ई०-2 में स्थित है।

एस० आर० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली-110002

दिनांक 4-8-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----
 आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/12-
 81/1553—अतः मुझे, एस० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये ने अधिक है और जिसकी सं० (जी० एफ०) एफ०-3, है तथा जो एन० डी० एस० ई-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें घटने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) सै० राजीव प्रोपर्टीज प्रा० लि० 37 पुसा रोड, नई दिल्ली द्वारा उसके डाइरेक्टर श्री कृष्ण कुमार चोपड़ा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्दर कला आहजा पत्नी श्री धर्मपाल आहजा, निवासी 1407, डा० मुखर्जी नगर, दिल्ली (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त समानि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समवधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से मे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के पदार्थ 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस पदार्थ में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, प्रो० का हिस्सा नं० एफ० 3, ग्राउन्ड फ्लोर सामने का पूर्वी भाग, एन० डी० एस० ई०-2, नई दिल्ली, एरिया 1005 वर्ग फीट,

एस० आर० गुप्ता,
 मक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली-110002

दिनांक 3-8-1982
 मोहर:

प्रकृष ग्रार्डि० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/12-

81-1567—अतः मुझे, एस० आर० गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
परवान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन भक्ष्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरोली, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजि० अर्जा अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक म्वर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी क्रिया आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या क्रिया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में
ई, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
5-226GI/82

(1) श्री विजय मोहन शर्मा सुपुत्र श्री किशन चन्द शर्मा,
निवासी 436-बी, महरोली, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्रीमती बसन्ती देवी पत्नी श्री हुकम चन्द, निवासी
706 एफ/6, महरोली, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग कृषि भूमि तावादी 17 बीघे और 5 बिघे,
मुस्तालील नं० 56 किला नं० 8/2(0-18), 12/2(1-16),
13(4-16), 14/1(3-4), 17/2(1-15), 18(4-16),
ग्राम महरोली, तहसील महरोली, नई दिल्ली

एस० आर० गुप्ता,
भक्ष्य प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 31-7-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/12-81/1568—अतः मुझे, एस० आर० गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विजय मोहन शर्मा सुपुत्र श्री किशन चन्द शर्मा,
निवासी 436 बी, महरोली, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्रीमती वसन्ती देवी पन्नी श्री हुकम चन्द गुप्ता
निवासी 705 एफ/6 महरोली, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

6) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग कृषि भूमि तादादी 17 बिघे 5 बिघे, मुस्ता-नील नं० 56, किला नं० 8/2(0-18), 12/2(1-16), 13(4-16), 14/1(3-4), 17/2(1-15), 18(4-16), स्थापित—ग्राम महरोली, नई दिल्ली

एस० आर० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 31-7-1982
माहिर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/एस० आर० II/12/-
81/1583—अतः मुझे, एम० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ब्लाक नं० के प्रो० नं०-4 है तथा जो ग्रीन पार्क नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, दिसम्बर, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रातिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अजय मनु सहगल सपुत्र स्व० राज वेद धर्म चंद निवासी 3114, मेक्टर 24-डी, चंडीगढ़ 2. श्री रजत सहगल सपुत्र स्व० डा० अशोक कुमार 3. डा० शोभा सहगल पत्नी डा० स्व० अशोक कुमार सहगल 4. मा० मनु सहगल (मार्डनर) सपुत्र स्व० डा० अशोक कुमार सहगल निवासी, 64, मेक्टर 24-ए चंडीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री भगीरथ कालरा सपुत्र स्व० श्री राजा राम निवासी यू०-31, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली-16

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हाऊस नं० 4, ब्लाक नं० के, क्षेत्रफल 311 एकक्यूरि याई जो कि ग्रीन पार्क में स्थित है।

एम० आर० गुप्ता,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 28-7-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री राजेन्द्र कुमार, निवासी 1-पंजकुंया रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती गीता सुरी, निवासी 102 मीनाक्षी गाडें, नई दिल्ली, (2) श्रीमती लीला भ्रानन्द, निवासी-17/5 वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/12-81/1593—अतः मुझे, एस० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 1855, है तथा जो वजीर सिंह स्ट्रीट, पहाड़गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाध्व अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

म्युनिसीपल नं० 1855, खमरा नं० 461, वजीर सिंह स्ट्रीट, पहाड़ गंज, नई दिल्ली

एस० आर० गुप्ता,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 4-8-1982

मोहर :

प्ररूप आर्डर. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एम० आर० 3/12-81/1606—अतः मुझे, एस० आर० गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं० (जी० एफ०) एम-85, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ए० से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्गीत :—

(1) डा० धर्मपाल लुम्बा सुपुत्र श्री तानक चन्द लुम्बा, निवासी ई-309, ईस्ट कैलाश नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्रीमती सरस्वती देवी खेमका पत्नी स्वर्गीय श्री मेवक राम खेमका, निवासी ई-609 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली (अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सामने का भाग ग्राउन्ड फ्लोर बिल्डिंग नं० एम० 85, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली-48,

एस० आर० गुप्ता,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-8-1982
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/1/एम०-आर०-3/

12-81/1607--अतः मुझे, एस० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० (जी०-एफ०) एम०-85 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार अ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) डा० धरम पाल लुम्बा सुपुत्र श्री नानक चन्द लुम्बा, निवासी--निकल्सन रोड, अम्बाला कैट, वर्तमान पता--ई०-309 ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उमा अग्रवाल पत्नी श्री राम प्रकाश अग्रवाल निवासी--ई०-609 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बेसमेंट और पिछे का भाग ग्राउण्ड फ्लोर बिल्डिंग नं० एम०-85 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली-48 ।

एस० आर० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-8-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-आर०-3/
12-81/1610-अतः मुझे, एस० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० 96 ग्राउण्ड फ्लोर है तथा जो ग्रेटर कैलाश-
2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16 के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरबंश लाल मैथ सुपुत्र स्वर्गीय श्री अमरनाथ मैथ,
निवासी—ई०-128 मोहम्मदपुर, नियर आर० के०
पुरम्, सेक्टर-1, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मै० राज खोसला फिल्मस प्रा० लि०
100 जैन चेम्बर्स एस० वी० रोड, बांद्रा
बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ग्राउण्ड फ्लोर प्रो० नं० एस०-296, ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली क्षेत्रफल-308 वर्गगज ।

एस० आर० गुप्ता

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 28-7-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम०-आर०-1/

12-81/8722—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 20 यू० बी०, है तथा जो नर्देन सिटी एक्स० सब्जी मण्डी, जवाहर नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ब रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिवर्ग, अर्थात् :—

(1) श्री जवाला सिंह सुपुत्र श्री बतन सिंह
निवासी—20-यू०बी०—जवाहर नगर, सब्जी मण्डी,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण लाल मेहता सुपुत्र श्री हरबलाल मेहता
निवासी—डी-5/1, राणा प्रताप बाग, दिल्ली-7

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकें ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

½ भाग प्रो० नं० 20—यू०बी०, क्षेत्रफल—274.4 वर्गगज, स्थापित नर्देन सिटी एक्स० स्कीम नं० 1, सब्जी मण्डी, जवाहर नगर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-11

दिनांक : 27-7-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-1/
12-81/8634—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 19/29-ए०, है तथा जो मोती नगर, नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
G-226GI/82

(1) श्री चन्दर प्रकाश भाटिया सुपुत्र श्री खैराती लाल
भाटिया,
निवासी—ए०-2/20 मोती नगर, नई दिल्ली
द्वारा जी० ए० श्री चमन लाल सुपुत्र श्री दिवान चन्द
निवासी—10/29ए० मोती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शाली देवी पत्नी श्री किशन लाल भाटिया
एलियम खैराती लाल भाटिया
निवासी—19/29 ए०, मोती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सरकार द्वारा निर्मित क्वाटर नं० 19/29 ए०, मोती नगर,
नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 27-7-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-प्रार०-1/

12-81/8691—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5, रोड सं० 8, है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक : दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिने भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में मविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भगवान दास सुपुत्र श्री गनपत राय,
निवासी—मकान नं० 5, रोड नं० 8, पंजाबी बाग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री बनवारी लाल गोयल (एच० यू० एफ०) राम
कुमार गोयल (एच० यू० एफ०) राज कुमार गोयल
(एच० यू० एफ०) और महेन्द्र कुमार गोयल—
सुपुत्र श्री बनवारी लाल गोयल,
निवासी—95-ए, चितरजन एक्व्यू०'
कलकत्ता—12 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान का एरिया 1500 वर्ग फिट. 1971-72 साल में बना हुआ है, मकान नं० 5, रोड नं० 8, पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 27-7-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-ग्राम०-2/
12-81/6432-अत. मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-मुडका, दिल्ली में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध ग्रन्थुची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1981

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कोथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
क्षीयत्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री प्रेम कुमार सुपुत्र श्री राम नरायण
निवासी—डब्ल्यू०-जेड-1159 रानी बाग,
शकुरबस्ती, दिल्ली-34 ।
(अन्तरक)

(2) श्री नन्द लाल सुपुत्र श्री देवी दिता राम और राज
कुमार सुपुत्र श्री राम नरायण
निवासी—डब्ल्यू०-जेड-1159 रानी बाग,
शकुरबस्ती, दिल्ली-34 ।

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

धनसूची

कृषि भूमि तादादी 3 विधे 4 विधे, स्थापित-ग्राम-
मुडका, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 4-8-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश न० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० आर०-1/
12-81/8688—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी न० 1629-30 पुराना न० है, तथा जो न्यू० न०
1586 से 1601, वार्ड न० 7, मोहल्ला रोडगारन
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बाजार लाल कुआ, दिल्ली
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिये,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शिवन दिनी मुगुनी स्वर्गीय एल० सालीग राम,
निवासी-2853 गली भीस्तीयन, कुचा चेलन
दरिया गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) माहम्मद अहमद सुपुत्र श्री हाजी मोहम्मद इब्राहीम
5504, गली मटके वाली, मदर बाजार, दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

7/32 अविभाजित हिस्से प्रो० म्युनिमिपल न० 1629-
30 (पुराना) नया न० 1586 से 1601, वार्ड न० 7, स्थापित
मोहल्ला रोडगारन, बाजार लाल कुआ, दिल्ली-110006।

नरेन्द्र सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1100

दिनांक 1-8-1982

मोहर।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-1/

12-81/8674—अन मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी०-45 है, तथा जो सत्यवती नगर,
मधोरा कलान, दिल्ली में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
थे या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) हरी सिंह चौहान सुपुत्र श्री बंसी लाल चौहान
निवासी—राजपुरा ग्राम, गुड़ मण्डी, दिल्ली—7
(अन्तरक)

(2) श्री गंगा धर शर्मा सुपुत्र श्री रघु नाथ प्रसाद,
निवासी—ए०-3, अशोक विहार, फेस-1,
दिल्ली—32
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 45 ब्लॉक डी०, स्थापित सत्यवती नगर,
मधोरा कलान, दिल्ली खसरा नं० 86, 88, 89, 92 से 107
भूमि का माप—150 वर्गगज।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-8-1982

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम०-आर०-1/12-
81/8686—अन मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1629-30 पुराना है, तथा जो नया न० 1586 से 1601, वार्ड न० 7, मोहल्ला-रोडगारन-बाजार लाल कुआ में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उगम बन्धन में मविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधा के लिए ।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

(1) श्री सन्त राम डन्डोना सुपुत्र स्वर्गीय एल० यालिंग राम,
2853 गली भस्तीयन, मूचा बेलन, दरिया गज,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद महमद सुपुत्र श्री हाजी मोहम्मद इब्राहिम
निवासी-5504 गली मटके वाली मंदर बाजार
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

15/32 अविभाजित हिस्स प्रा० म्युनिसिपल न० 1629-
1630 (पुराना) 1586 से 1601 (न्यू०) वार्ड न० 7,
मोहल्ला रोडगारन, बाजार लाल कुआ दिल्ली एरिया 211 7/8
वर्गगज ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक - 4-8-1982

मोहर

प्ररूप आर्क्ष.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/
12-81/6514—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषिभूमि है तथा जो ग्राम-प्रह्लादपुर, बंजर
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती नन्हेरी विधवा पत्नी श्री हरके
श्री तारा चन्द और राकेश सुपुत्र श्री राजीव्वर सुपुत्र
श्री हरके, श्रीमती शान्ती, श्रीमती और चन्द्रवती
सुपुत्री हरके श्री घीमा सुपुत्र श्री मौजी और
श्रीमती धरम वीर सुपुत्री श्री राजरूप
निवासी—ग्राम— प्रह्लादपुर, बंजर दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री के० डी० विपाठी सुपुत्री श्री राम लखन मनी,
निवासी—एल०-30 ग्राउण्ड फ्लोर साउथ एक्स०
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपे —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 1 बिघे यानी (1000 वर्ग गज, खसरा
नं० 38/23/1, और 23/3 स्थापित—ग्राम—प्रह्लादपुर—बंजर,
दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002 ।

दिनांक : 4-8-1982

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/2/एम०-आर०-2/

12-81/6497---अत मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-नजफगढ़, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक : दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

(1) श्री रोशन लाल सुपुल श्री निशन सिंह
निवासी—ग्राम—नजफगढ़, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री कुलदीप कुमार जुल्का सुपुल श्री रोशन लाल
निवासी—बी०-53 कृष्णा पार्क, दिल्ली और
श्री मेहर सिंह सुपुल श्री कमाल
निवासी—ग्राम—नजफगढ़ दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 4 बिघे 16 बिघे, स्थापित—ग्राम—नजफगढ़,
दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-8-1982

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम०-आर०-2/
12-81/6511—अन० मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन मसम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम प्रहलादपुर बंगर,
दिल्ली-42, में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित छद्म में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, अन अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
7-226G1-82

(1) श्रीमती नन्हेरी विधवा पत्नी श्री नार चन्द और
राजिन्दर सुपुत्र श्री हरके,
श्रीमती शान्ती श्रीमवती, चंदर बनी सुपुत्री श्री हरके,
श्री घोसा सुपुत्र श्री मौजी और श्री धरमचोर सुपुत्र
श्री राजरूप,
निवासी—ग्राम—प्रहलादपुर बंगर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री जे० पी० त्रिपाठी सुपुत्र श्री वी० पी० त्रिपाठी
निवासी—एल०-30, माउथ एक्स०, ग्राउण्ड फ्लोर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 2 बिघे खसरा न० 38/23/1(4-12),
और 23/2(1-0), ग्राम—प्रहलादपुर बंगर, दिल्ली-42

नरेन्द्र सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक . 4-8-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम०-आर०-2/
12-81/6505—अत. मुसे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 7 -रोड नं० 48, है तथा जो कलाण-डी०,
पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ए०से दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ए०में अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ए०सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमर सिंह बिन्दा सुपुत्र श्री जोध सिंह बिन्दा,
निवासी—नं० 7, रोड नं० 48, पंजाबी बाग,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्दर पाल कौर पत्नी श्री मुरीन्दर सिंह
कोहली,
निवासी—37/5, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 अविभाजित हिस्से मकान नं० 7, रोड नं० 48, कलाण-
डी०, पंजाबी बाग, दिल्ली, भूमि का माप—279 55 वर्गगज ।

नरेन्द्र सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-8-1982

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/

12-81/6507—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० (7) रोड नं० --48, कलाश-डी० है तथा जो पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रू. से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्रीमती हरभजन कौर पत्नी श्री अमर सिंह बिन्दा, निवासी—7823—रोशन आरा रोड, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्दर पाल कौर पत्नी श्री सुरीन्दर सिंह कोहली, निवासी—37/5 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1/ अविभाजित हिस्से मकान नं० 7, रोड नं० 48, कलाश-डी०, स्थापित-पंजाबी बाग, दिल्ली, भूमि का माप—279.55 वर्ग गज।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली: 110002

दिनांक : 4-8-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/

12-81/6463-----अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी०-51 तथा जो अजय इनक्लेव नजफगढ़ रोड, दिल्ली में स्थित है

(और इसका उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में

रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपिकों में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री बनारसी दास सुपुत्र श्री बसन्त राम
निवासी—डी०-51, अजय इनक्लेव, नजफगढ़ रोड, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार सुपुत्र श्री बनारसी दास,
निवासी—डी०-51, अजय इनक्लेव, नजफगढ़ रोड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान /प्लॉट न० डी०-51 अजय इनक्लेव, नजफगढ़ रोड, दिल्ली खसरा न० 286, भूमि का माप-200 वर्गगज, एरिया ग्राम—तिहार, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-8-1982

मोहर .

प्रकृष्य मार्ग.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक . 4 अगस्त, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/
12-81/6457—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम— साहिबाबाद
दौलतपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ए० में दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किवा जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्थात् —

- (1) श्री सुन्दर सिंह सुपुत्र श्री रजल सिंह
निवासी—ग्राम—साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली ।
(अन्तरक)
- (2) श्री नरीन्दर पाल सिंह नरुला सुपुत्र एस० सुरीन्दर
सिंह नरुला ।
निवासी—3486 निकलशन रोड, मोरी गेट, दिल्ली
को० पार्टनर एस० सुरीन्दर सिंह एण्ड सन्स
(एच० यू० एफ०)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप-

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि तदादी 4 बिघे और 16 बिघे, खसरा नं० 38/8.
ग्राम—साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 4-8-1982
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम०-आर०-2/
12-81/6462—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी०-217 है तथा जो हरी नगर, घंटाघर नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय का वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में रद्द करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
घोर/धा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कृष्णा कुमारी पत्नी अश्वानी कुमार शर्मा, निवासी—सी०-152 हरी नगर, घंटाघर नई दिल्ली द्वारा श्री सुखबीर सिंह जैन सुपुत्र श्री राजा जैन, निवासी—सी०-152 हरी नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० पदम ट्रेडर्स, द्वारा भागीदार श्री जसबीर सिंह, अरुवर सिंह, मरवजीत कौर, परबिन्दर कौर और देवीन्दर कौर निवासी—सी०-217 हरी नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप - -

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्मन्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयोग्यताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० सी०-217, क्षेत्रफल-220 वर्गगज, खमरा नं० 2056, स्थापित-हरी नगर, घंटाघर नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-8-1982

मोहर :

प्रन्प आई टी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/
12-81/6492—अन मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिनकी सं० 5, ब्लॉक 'G' है तथा जो आबादी शहर गार्डन, पोमगोपुर नजफगढ़ रोड, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसका दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरिती (अन्तरितियाँ) के बोध एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अन अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

(1) श्री ओम प्रकाश मुपुत्र श्री खुशल सिंह
निवासी—2613/4 बीडनपुरा कंगोल बाग
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश लाल शर्मा मुपुत्र श्री लाला दुर्गमल
निवासी—न० 1349 ताईवाला, गली न० 19,
कंगोल बाग नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

अब यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० न० 5, ब्लॉक 'G' खसरा न० 9/13, 14, एरिया—
444-44, वर्गगज, आबादी शहर गार्डन ग्राम—पोमगोपुर,
नजफगढ़ रोड नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2 दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक 4-8-1982

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-1/

12-81/8714—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 37-ब्लॉक बी०, है तथा जो जी० टी० करनाल रोड, इण्डस्ट्रीयल एरिया दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में करने वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) श्री काका निह सुपुत्र स्वर्गीय श्री कल्याण सिंह, निवासी—टी०-1092 शक्ति नगर, दिल्ली और श्रीमती कर्तार कौर पत्नी स्वर्गीय श्री कल्याण सिंह, निवासी—टी०-1092 शक्ति नगर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदर्शन सिंह और श्री कुलजीत सिंह सुपुत्र स्वर्गीय श्री कल्याण सिंह निवासी—सी०-32 आदर्श नगर, दिल्ली और टी०-1092 शक्ति नगर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 37, ब्लॉक 'बी०' स्थापित—जी० टी० करनाल रोड, इण्डस्ट्रीयल एरिया, माप-427.50 वर्ग गज, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-8-1982

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2 /एम०आर०-2/
12-81/6473—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अर्जन बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सी०-6, है तथा जो अधिकृत कालोनी भगवान
दास नगर, ओल्ड रोहतक में स्थित है रोड दिल्ली में स्थित है
और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर,
1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक अन्त-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी
करन या उससे बचने में सुविधा का लाभ; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शक्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था विमानों में गुप्त
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
8—226GI/82

(1) श्री वजीर सिंह सुपुत्र श्री सुखा सिंह
निवासी—सी०-6, भगवान दास नगर, ओल्ड रोहतक
रोड, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री पदम सिंह सुपुत्र श्री सुखा सिंह
निवासी—सी०-6, भगवान दास नगर, ओल्ड
रोहतक रोड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

या यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में न किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4अविभाजित हिस्से बना हुआ प्रो० नं० सी०-6,
अधिकृत कालोनी भगवानदास नगर, ओल्ड रोहतक रोड,
दिल्ली, भूमि का माप—220 वर्गगज।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 4-8-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/
12-81/6503—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—सिरसपुर, दिल्ली
प्रशासन दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक : दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक के
व्यतिरिक्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रिजल सिंह सुपुत्र श्री नेकी राम,
निवासी—ग्राम—सिरसपुर, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री सनदीप घई सुपुत्र श्री सैन दास घई
निवासी—ए०-31, वजीरपुर ग्रुप इण्डस्ट्रीयल
एरिया, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे 16 बिघे, स्थापित—ग्राम—
सिरसपुर, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-8-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 12/एस०-आर०-2/
12-81/6501—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—अलीपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लतीफा प्रसाद सुपुत्र श्री तीरथ राम और श्री मनोहर लाल सुपुत्र श्री अनन्त राम
निवासी—25/94, शक्ती नगर, दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती राम प्यारी पत्नी श्री लतीफा प्रसाद
निवासी—103-ए०, शक्ती नगर, दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बाधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किष्ट जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

कृषि भूमि 2 बिघे 14½ बिघे, स्थापित—ग्राम अलीपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-8-1982

मोहर :

प्रकृष आर्शि.टी. एन.एस. - -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आर्डी० ए० सी० /एक्यू०-2/एस०-प्रार०-2/
12-81/6435—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि रथम भरणित निगम उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम- हस्तशाल, दिल्ली
में स्थित है (और उससे उपाकृत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापरोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आगतियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री यादगम सुपुत्र श्री बुधा,
निवासी—ग्राम- हस्तशाल, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण कुमार तनेजा सुपुत्र श्री गणेश दास,
निवासी—सी०-3, नजदीक कृष्णा पार्क, नजफगढ़,
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 1 बिघा 14 बिघे, स्थापित—ग्राम
हस्तशाल, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-8-1982

मोहर :

प्रकरण आई० टी० ए० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/

12-81/6458—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुन्दर सिंह सुपुत्र श्री रिजल सिंह
निवासी—ग्राम—साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) श्री सुरीन्द्र सिंह नरुला सुपुत्र एस० सेवा सिंह,
निवासी—3486 निकलसन रोड, मोरी गेट, दिल्ली
कर्ता एस० सुरीन्द्र सिंह एण्ड सन्स (एच० यू०
एफ०) ।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी एक व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास गतिविधि में दिख जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 7 बिघे 4 बिघे, खसरा न० 38/18 और
23, ग्राम—साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-8-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०/-2

12-81/6439—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री होशियार सिंह सुपुत्र श्री शिव लाल
निवासी—ग्राम—साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली
(अन्तरक)
- (2) श्री अजय कंसल और श्रीसजय कंसल सुपुत्र श्री
किशन चन्द गुप्ता
निवासी—40/1, शक्ति नगर, दिल्ली और श्री
होशियार सिंह सुपुत्र श्री शिव लाल
निवासी—ग्राम—साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 36 बिघे, (खसरा नं० 454, 18 बिघे और खसरा नं० 456-18 बिघे), ग्राम—साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-8-1982

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/

12-81/6456—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—साहिबाबाद
दौलतपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री सुन्दर सिंह सुपुत्र श्री रिजल सिंह,
निवासी—साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली ।
(अन्तरक)
- (2) एस० अरविन्दर पाल सिंह नरूला सुपुत्र एस०
सुरीन्दर सिंह,
निवासी—3486 निकलशन रोड, मोरी गेट,
दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि तादादी 4 बिघे और 5 बिघे, खसरा नं० 38/3/1,
ग्राम—साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-8-1982
मोहर :

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/
12-81/6455---प्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव साहिबाबाद, दौलतपुर,
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचि से पूर्वे रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रारका अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक दिगम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिगणितो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :--

- (1) श्री सुन्दर सिंह सुपुत्र श्री गिशन सिंह
निवासी---ग्राम साहिबाबाद, दौलतपुर, दिल्ली
(अन्तरक)
- (2) श्रीमता तेजानन्द कौर नख्खा पत्नी श्री सुरेन्द्र
सिंह नख्खा,
गिनासी---3486 निगलेशन रोड, मॉरगोट, दिल्ली
को०-पार्टनर एण्ड सुरेन्द्र सिंह एण्ड (सन्स
(एच०-यू०-एफ०)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 4 बिघे और 16 बिघे, खसरा नं० 38/13,
ग्राम साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सूक्ष्म अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-8-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/
12-81/6491--प्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

(1) श्री श्यामलाल सुपुत्र श्री मधुरा प्रसाद
निवासी:-बी०-1751 शास्त्री नगर, दिल्ली
और गोरधन दाम सुपुत्र श्री बाबू राम,
निवासी:-शास्त्री नगर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश कुमार सुपुत्र श्री हरवंश लाल मेहता
निवासी:-ए०-16 आर० पी० वाग, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 15 विश्वे, स्थापित-ग्राम-सिरसपुर,
दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

9-226 GI/82

दिनांक : 4-8-1982

मोहर []

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम०-आर०-2/
12-81/6478—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह.

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डब्ल्यू०-जेड-1(3-बी०/211, जो है तथा
जो घरीन्दर नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूचा में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जोगिन्दर कौर पत्नी स्वर्गीय एम० अरजुन
मिह जो कुलदीप मिह सुपुत्र स्वर्गीय एम० अरजुन सिंह
निवासी—डब्ल्यू०-जेड-1, वरीन्दर नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजरानी पत्नी श्री राजीन्दर नाथ
निवासी—3488 आर्या पुरा मर्जी मण्डी,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० डब्ल्यू०-जेड-1(5-बी०/211) एरिया
200 वर्ग गज, खसरा नं० 810 वरीन्दर नगर, नई दिल्ली।
ग्राम—तिहार।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-8-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/
12-81/6442--अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—सिरमपुर, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिये,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

(1) श्री लक्ष्मी नारायण शर्मा सुपुत्र श्री रामजी लाल
निवासी--ए०-229 शास्त्री नगर, दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम प्रकाश सुपुत्र श्री मोहन लाल और
श्री यम पाल मपरा और श्री भरत भूपण सुपुत्रगण
श्री मुनवान चन्द
निवासी--सी०-3/17 राणा प्रताप बाग, दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 19 बिघे, यानी 950 वर्गगज, खसरा नं०
39, ग्राम—सिरमपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित करता हूँ:

दिनांक: 4-8-1982

मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम०-आर०-2

12-81/6500—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी/16 है तथा जो अजय इनक्लेव कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अतिरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) श्री छोटु भाई नायक, सुपुत्र श्री हरी भाई नायक, निवासी—डी-16 अजय इनक्लेव, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) श्री विश्व नाथ अरोड़ा सुपुत्र श्री डी० एन० अरोड़ा, निवासी—बी-13/8 एम० आई० जी० फ्लेट, मायापुरी, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रो० न० डी-16, स्थापित अजय इनक्लेव कालोनी, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 4-8-1982

मोहर .

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम०-आर०-2/
12-81/6513—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम-पहलादपुर बंगर, दिल्ली-42 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11 दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित शक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती नन्हेरी विधवा पत्नी श्री हरके, तारा चन्द और राजीन्दर सुपुत्र श्री हरके श्रीमती शान्ती, ओम बती और चन्दर बती सुपुत्री श्री हरके, श्री घीसा सुपुत्र श्री मौजी, और धरमबीर सुपुत्र श्री राज रूप, निवासी—ग्राम—पहलादपुर बंगर, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) डा० विभा सुपुत्री श्री जे० पी० त्रिपाठी निवासी—एल-30 ग्राउण्ड फ्लोर साउथ एम० नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि तापदी 1 बिघे यानी 1000 वर्गगज, खसरा नं० 38 23/1 (4-12) और 23/2 (1-0), स्थापित—ग्राम—पहलादपुर, बंगर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-8-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/

12-81/6502—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-अलीपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीधत् नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री लतीफा प्रसाद सुपुत्र श्री तीरथ राम और मनोहर लाल सुपुत्र श्री अन्नत राम
निवासी—25/94, शक्ति नगर, दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) श्री रमेश चन्दर सुपुत्र श्री मनोहर लाल
निवासी—8471 जयना बिल्डिंग, रोशनपुरा रोड,
दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि तदादी 2 विषे 14½ विषे, ग्राम-अलीपुर,
दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रज, 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-8-1982

मोहर ।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/
12-81/6499—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-नजफगढ़, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) श्री सूरज प्रसाद सुपुत्र श्री रघवीर सिंह
निवासी—नजफगढ़, दिल्ली ।

(अन्तरक)

- (2) श्री कुलदीप कुमार सुपुत्र श्री रोशन लाल
निवासी—बी०-53, कृष्णा पार्क, दिल्ली,
मोहर सिंह सुपुत्र श्री कमाल
निवासी—नजफगढ़, दिल्ली ।

अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जहां भी अवधि
बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि सादादी 4 बिघे 16 बिघे, ग्राम-नजफगढ़,
दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 29-7-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/

12-81/6498—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ख के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम [नजफ-गढ़, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक के बाधित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सूरज प्रसाद सुपुत्र श्री रघवीर सिंह
निवासी—ग्राम—नजफगढ़, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री कुलदीप कुमार जुलखा सुपुत्र श्री रोशन लाल
जुलखा

निवासी—बी०-53, कृष्णा पार्क, दिल्ली ।

मोहर सिंह सुपुत्र श्री कमालु

निवासी—ग्राम—नजफगढ़, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नादादी 4 बिघे 16 बिघे, ग्राम—नजफगढ़,
दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 29-7-1982

मोहर :

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०—आर०—2/

12-81/6454—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—सिरसपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का अथवा उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री देई राम सुपुत्र श्री नन्द लाल
निवासी—ग्राम—पो० सिरसपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एस० अग्रवाल सुपुत्र श्री गोपी नाथ अग्रवाल
निवासी—6164 पक्की गली, बारा हिन्दु राव,
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदम्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 2 बिघे 4 बिघे, खसरा नं० 574, ग्राम—सिरसपुर, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक . 29-7-1982

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/
12-81/6437—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि मराठर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० डब्ल्यू०-जेड-63 ए०/1, है तथा जो श्यामा
प्रसाद मुकर्जी पार्क दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1981

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुए किसी आय को जाना, उस अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करना या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किसी धाय या क्रिया घन या गम्य प्राप्ति या
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

(1) श्री जदुनन्दन सिंह सुपुत्र श्री शिव बालक सिंह
निवासी—मकान न० जी०-99(2389)
नेताजी नगर नई दिल्ली द्वारा जी० ए० श्री जोगिन्दर
कुमार सुपुत्र श्री हरी राम
निवासी—126 श्यामा प्रसाद मुकर्जी पार्क वेस्ट
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बिमल प्रभा पत्नी श्री जोगेन्दर कुमार
निवासी—126 श्यामा प्रसाद मुकर्जी पार्क वेस्ट
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

ता यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त अधावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० न० डब्ल्यू०-जेड-63 ए०/1 एरिया 233.1/3
वगवज खसगा न० 16/2 स्थापित—श्यामा प्रसाद मुकर्जी
पार्क दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक 4-8-1982

मोहर

प्रारूप भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/
12-81/6476—अतः सुश्री नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी०-6 है तथा जो भगवान दास नगर ओल्ड
रोहतक रोड दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची
में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1968 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दस्तावेजिक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वजीर सिंह सुपुत्र श्री सुखा सिंह
निवासी—सी०-6 भगवान दास नगर ओल्ड
रोहतक रोड दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री पदम सिंह सुपुत्र श्री सुखा सिंह
निवासी—सी०-6, भगवान दास नगर, ओल्ड
रोहतक रोड, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 1922
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 अविभाजित हिस्से प्रो० नं० सी०-6 अधिकृत कालोनी,
भगवान दास नगर, ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली, भूमि की माप—
220 वर्गगज ।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-8-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-1/

12-81-8699-अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मन्त्रिमण्डल प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं०—XII/9707, है तथा जो गली मेमवाली, नवाब गंज, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पर्याप्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वर्तमान मूल्य से, एक दृश्यमान प्रतिकूल का पट्टा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मनोहर लाल

निवासी— /9707-8, मेमवाली गली, नवाब गंज, दिल्ली।

श्रीमती सुशीला कुमारी, श्रीमती लीला देवी, सतीश कुमार चावला, सुरेन्द्र कुमार, सतीन्द्र कुमार चावला, सुभाष कुमार चावला इत्यादि।

निवासी—मकान नं० 300-गौतम नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री शेर सिंह और आर० के० गुप्ता

निवासी—4240 गली बाहुजी पहाड़ गंज, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्याप्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में धिआ जा सकागे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

न्यू—टाई मजिला मकान नं०—XII/9707, भूमि का माप—182.5 वर्गगज, गली मेमवाली, नवाब गंज, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002,

दिनांक 4-8-1982

मोहर :

प्राकृत आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आर्.टी.एन.सी०/एक्यू०-2/एस० आर०-2/12-81/
6495—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० ई०एफ-7 है, तथा जो नरायणा आबादी
इन्दरपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची
म और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्---

1 श्रीमती शिलावती विधवा पत्नी श्री सत्यापाल भाला,
निवासी ई-एफ-7, इन्दरपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री दीपचन्द्र मुपुत्र श्री साधुराम मित्तल,
निवासी आर-ग-42, इन्दरपुरी, नई दिल्ली-12

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान न० ई एफ-7, खसरा न० 1610, स्थापित ग्राम :
नरायणा, आबादी इन्दरपुरी, अधिकृत कालोनी, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 4-8-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2,

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-2/12-81/
6512—अत. मुले, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम पहलादपुर, बंगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्त) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्ध आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्रीमती नन्हेरी विधवा पत्नी श्री हरके, श्री ताराचन्द, राजिन्दर सुपुत्र स्वर्गीय श्री हरके, और श्रीमती शांती, शोमवती सुपुत्री स्वर्गीय श्री हरके, श्री घीसा, सुपुत्र श्री मोजी, और धरमवीर सुपुत्र श्री राजरूप, सभी निवासी—ग्राम—प्रहलादपुर बंगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2 डा० इन्द्रीरा पत्नी श्री जे० पी० त्रिपाठी,
निवासी—एल-30, साउथ एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी, 2 बीघे खसरा न० 38/23/1(4-12)
और 23/2(1-0), ग्राम—प्रहलादपुर बंगर, दिल्ली-42।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002।

तारीख 4-8-1982
मोहर

प्रमाण उपर्युक्त है।

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ ('') के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2-नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्स्यू-2/एम-आर-1/12-81

8704 —अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जेड-45-66 है तथा जो वेस्ट पटेल नगर
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिणी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में
सविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1 श्री वार्यामसिंह गुपुत श्री गनर सिंह और श्री अमरजीव सिंह
गुपुत श्री प्रनर सिंह निवासी 45/3, ईस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली द्वारा एम० एम० आनन्द गुपुत श्री बीट सिंह
निवासी 3044 गली न० 1 पहाड़ गज नई दिल्ली
जनरल अटार्नी ।

(अन्तरक)

2 श्री अजीत सिंह आनन्द गुपुत श्री बीट सिंह निवासी-
जेड/45-46 वेस्ट पटेल नगर,
श्रीमती हरजीन्दर कौर पत्नी श्री अजीत सिंह
निवासी उपरोक्त, नई दिल्ली ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पत्राचार सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्रो० न० जेड/45-46 वेस्ट पटेल नगर नई दिल्ली
भूमि का माप 123 66 वर्ग गज, ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख 4-8-1982

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०आर०-1/12-

81/8672—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8571 से 8573 और 8575 से 8576 है
तथा जो बस्ती अराकाशन पहाड़, गंज, नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर,
1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11-226GI/82

1. श्री केवल कृष्ण सुपुत्र श्री मोहन लाल,
नं० 8, रेड क्रॉस फ्लेट्स, काका नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० एम ट्रेडर्स,
11186-87, मंदिर मार्ग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

8571, 8572, 8573, 8575 और 8576, स्थापित
बस्ती अराकाशन, पहाड़गंज, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4 अगस्त, 1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०आर०-1/12-
81/8718— अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 14/31 है, तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में
स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुमूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकांकी के कार्यालय नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन
दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वार्षिक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
शायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. पारबती देवी नागपाल, पत्नी स्वर्गीय, श्री प्रेम चन्द
नागपाल, निवासी 14/31, शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शांती देवी दागा पत्नी श्री रतन लाल दागा
शान्ती सोमानी, पत्नी श्री श्याम सुन्दर सोमानी,
राधा क्रिशन सोमानी, निवासी 26/2, शक्ति नगर,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 14/31, शक्ति नगर, दिल्ली एरिया, 195.98
वर्ग गज।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4 अगस्त, 1982

माहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू-2/एस०आर०-1/12-81/8636—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम' 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० डब्ल्यू जेड-174 और 175 (ओल्ड) बी-91-92 (न्यू) शारदापुर ग्राम बसई दारापुर दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दारापुर दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरालियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ग) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जसवन्त राय गौरी सुपुत्र श्री राम लाल निवासी सी-पी-49 प्रीतम पुरा नई दिल्ली।
मैं० हिन्दू प्लानिंग एण्ड क०
नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री तुलसी राम सुपुत्र श्री सोमई निवासी बी-91 और 92 शारदापुर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का एक खण्ड तादादी 450 वर्ग गज, प्लॉट नं० डब्ल्यू-जेड-174 और 175 (ओल्ड) तथा बी-91 एण्ड 93 (न्यू), स्थापित कालोनी, शारदापुर, एरिया ग्राम बसईदारापुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 4 अगस्त 1982

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०आर०-1/12-

81/8687—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सजन राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1629-1630 (ओल्ड), 1586 से 1601 (न्यू), वार्ड नं० 7 है, तथा जो मोहल्ला, रोडगारन, बाजार लाल कुआ, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1981

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नष्ट पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए;
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कैलाश चन्दर उन्डोना, सुपुत्र श्री सन्त राम उन्डोना, द्वारा जनरल पावर अटार्नी श्री सन्तराम उन्डोना, निवासी 2853 गली गली भिस्तीयन कुंआ चेलन दरिया गंज दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद अहमद सुपुत्र श्री हजी मोहम्मद इब्राहीम, 5504, गली मटके वाली, सदर बाजार, दिल्ली-110006

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन 2 के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन के पम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के नीचे पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

10/32, अविभाजित हिस्से प्रो० नं० म्युनिसिपल नं० 1629-1630 (पुराना) 1586 से 1601 (न्यू) वार्ड नं० 7, मोहल्ला रोडगारन, बाजार लाल कुआ, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 4 अगस्त 1982

मोहर :

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आर्द्ध. ए० सी०/एक्यू०-2/एस०आर०-1/12-
81/8717—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-22 है, तथा जो 16-अलीपुर रोड, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम्में दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एम्में अन्तरण के लिए पत्र गणन गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती कविता धवन पत्नी श्री रणजी धवन, और
श्रीमती नीता बाहरा पत्नी श्री संजीत बोहरा,
दोनों निवासी सी-19, फ्रेड्स कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. डा० सीताब चन्द परख सुपुत्र स्वर्गीय श्री रतन लाल
परख और श्रीमती सुरोज परख
निवासी 1042, मालीवारा, गली हीरा नन्द
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अधूरा बिना सजाया हुआ दो मंजिला प्रत्येक मंजिल
1085 वर्ग फिट, 392 वर्ग गज (327 वर्ग मीटर) ब्लाक
नं० सी-22, 6 अलीपुर रोड, दिल्ली-54।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4 अगस्त, 1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त, 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०आर०-1/12-
81/8647—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० ए-2/132, है तथा जो राजोरी गार्डन, नई दिल्ली
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुरिन्दर नाथ डोगरा,
सुपुत्र श्री काली दास डोगरा,
निवासी सी-151, श्रीनिवासपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री शंकर कुमार (माइनर) द्वारा उसके पिता और सही
अभिभावक, श्री जगदीश कुमार वर्मा,
निवासी ए-2/132, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-
बद्व किंसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/6, अविभाजित हिस्से प्रो० नं० ए-2/132, राजोरी
गार्डन, नई दिल्ली, भूमि की तादादी 262-1/2, वर्ग गज।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन-रेंज 2, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 6 अगस्त, 1982

मोहर :

प्रमुख भाग: टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/2-एस०आर०-1/
12-81/8649, —अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-2/132 है तथा जो राजोरी गार्डन, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक दिनांक दिसम्बर, 1981—

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यापक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमती निर्मल डोगरा,
निवासी -143, थामसन रोड, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. शंकर कुमार वर्मा (माइनर), द्वारा उसके पिता और
सही अभिभावक श्री जगदीश कुमार वर्मा,
निवासी ए-2/132 राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/6 अविभाजित हिस्से प्रो० नं० ए-2/132 राजोरी
गार्डन नई दिल्ली भूमि का माप 262-1/2 वर्ग गज।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली- 110002

दिनांक : 6 अगस्त, 1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सञ्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2

नई दिल्ली दिनांक 6 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन्यू०-2/एस०आर०-1/
12-81/8650—अनं मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-2/132 है तथा जो राजोरी गार्डन
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और उजो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निर्मालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में वांछित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आर की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वर्षाव में कमी करने या उसमें बचत में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय जन-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाधे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. महिन्दर नाथ डोगरा मुपुव श्री पंडित काली दास डोगरा
निवासी 143 थामसन रोड दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री शंकर कुमार वर्मा (माइनर) द्वारा उसके पति
और सही अभिभावक श्री जगदीश कुमार वर्मा
निवासी ए-2/132 राजोरी गार्डन नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

1/6 अविभाजित हिस्से प्रो० नं० ए-2/132 राजोरी गार्डन
नई दिल्ली भूमि की तादादी 262-1/2 वर्ग गज ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 नई दिल्ली-110002

दिनांक 6 : अगस्त 1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 6 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-2/एस०आर०-1/

12-81/8645—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-2/132 है तथा जो राजोरी गार्डन
नई दिल्ली में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और जो
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए०में दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ए०से अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए
और/या

(ख) ए०सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

12-226G1/82

1. श्री अनिल कुमार डोगरा, अरुण कुमार डोगरा,
अशिश कुमार डोगरा, और श्रीमती प्रेमिला अर्मा,
सुपुत्र श्री बी० एन० शर्मा,
द्वारा श्री अनिल कुमार डोगरा,
निवासी 2-बी./17, पूसा इन्टीट्यूट, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री गंकर कुमार वर्मा, (माइनर) द्वारा उसके सहो
अभिभावक और पिता श्री जगदीश कुमार वर्मा,
निवासी ए-2/132, राजोरी गार्डन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/6 अविभाजित हिस्से प्रो० नं० ए, 2/132, राजोरी
गार्डन, नई दिल्ली भूमि का माप 262-1/2 वर्ग गज।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110000

दिनांक 6 अगस्त, 1982

सोहर

प्रकल्प आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-3/एम०आर०-1/

12-81/8648—अत मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० ए-2/152 है, तथा जो राजोरी गार्डन, नई
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत नक्कल अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निथो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री देवकीनन्दन ओगरी,
जं-5/137, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री शंकर कुमार वर्मा (माइनर), द्वारा सही अवि-
भावक और गिता श्री जगदीश कुमार वर्मा
निवासी ए-2/132, राजोरी गार्डन नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या हस्तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/6 अविभाजित हिस्से प्रो न० ए-2/132 राजोरी
गार्डन, नई दिल्ली। भूमि का माप 262-1/2 वर्ग गज।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2 नई दिल्ली-110002

तारीख 6-8-1982

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०आर०-1/12-

81/8646—अन्तः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि आधार संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु से अधिक है

और जिसकी सं० ए-2/132 है तथा जो राजोरी गार्डन नई
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और जा पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

1 श्री विश्वनाथ डोगरा सुपुत्र काली दास डोगरा
निवासी ए/एम/125, जनकपुरी, दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री शंकर कुमार वर्मा (माइनर) द्वारा उसके पिता
श्रीर उहो अभिभावक श्री जगदीश कुमार वर्मा
निवासी ए-2/132 राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त आधार संपत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभूताधारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/6 अविभाजित हिस्से प्रो० नं० ए-2/132 राजोरी
गार्डन, नई दिल्ली। भूमि की तादादी 262-1/2 वर्ग गज।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6 अगस्त 1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-2/एम०आर०-1/12-
81/8747--अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० के-1 है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री जोगिन्दर सिंह मल्होत्रा सुपुत्र श्री गुरदीन सिंह, निवासी डी-135 विवेक विहार, शाहदरा दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री बलवीर सिंह मलहोत्रा सुपुत्र श्री गुरदीन सिंह निवासी के-4, माडल टाउन दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग प्रो० न० के-4 का एरिया 92.1/3 वर्ग गज, सम्पूर्ण भूमि की तादादी 277 वर्ग गज, स्थापित माडल टाउन, दिल्ली एरिया ग्राम मनीकपुर छावनी दिल्ली प्रशासन दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली-110002

दिनांक : 1 अगस्त, 1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एफ्यू०-2/एम०आर०-1/12-
81/8739--प्रतः मुखे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 51, ब्लाक एफ, है तथा जो बालीनगर, ग्राम
बसई दारापुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रारकण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिने भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री हंस राज चावला, सुपुत्र श्री शामदास चावला,
निवासी-279, कचे तिहाड़, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अर्जुन सिंह अरोड़ा, सुपुत्र श्री खेम सिंह,
निवासी जी/51, बाली नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 51, ब्लाक 'एफ', क्षेत्रफल 200 वर्ग गज,
स्थापित बालीनगर, एरिया, ग्राम बसईदारापुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4 अगस्त, 1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

प्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्यू०-2/एग०आर०-1/12-
81/8701--अतः सूचे, नरन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्री० जिमर्का सं० ई-2/16 है, तथा जो दरिया गंज, नई दिल्ली
में स्थित है (या इनमें उपाबद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से
अणि० न०) जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्मित
में वास्तविक रूप में अधिक नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

1. मैं० विश्वनामा हाटलिंग लि०,
ई-2/16, दरिया गंज, नई दिल्ली द्वारा
डाइरेक्टर आर डा० के० प्रप्रवात,
61-बाबर रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिक)

2. मैं० प्रयोग इन्वेस्टमेंट प्रा० लि०
4/5, कालका जा, नई दिल्ली
द्वारा डाइरेक्टर श्रीमती कमलेश कुमार गप्ता,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आशंका :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

प्रत्युच्चा

प्रा० नं० ई-2/13, दरिया गंज, नई दिल्ली एग्राया 1000
बर्ग फीट, ग्राउन्ड फ्लोर।

नरन्द सिंह

नरम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

प्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 4 अगस्त, 1982

माहिर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एर. - - -

1 मै० विश्वशमा हाटल, लि०
निवासा ई-2/16, दरिया गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सन्तता
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1982

2. मै० प्रपोगी इन्वेस्टमेंट प्रा० लि०,
1/5, गीता जॉ एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन सबध में कोई भी आक्षेप ---

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एम०आर०-1/12-
81/8627—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-2/16 है, तथा जो दरियागंज, नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में
सविधा के लिए;

अनुसूची

प्रा० सं० ई-2/16, दरिया गंज, नई दिल्ली प्राउन्ड फ्लोर,
दरिया 1000 वर्ग फीट।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

तारीख : 4 अगस्त, 1982

माह

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सभना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 2 अगस्त 1982

मि० आर० नं० 62/33772/81-82/एक्यू०/बें०—

अतः मुझे, मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6, अन्ता स्वामी मुदलियार रोड, है तथा जो
बेंगलूर-42 (अजन्ता टाकज) में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार
कर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, में रजिस्ट्रार
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
16-12-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिने भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री ए० जे० पथनाभन्
लेफ्टि० ए० जि० जानकिराम मुदलियार के पुत्र
नं० 40, सेंट्रल, जन्म रोड,
बेंगलूर ।

(ग्रन्तरक)

2. (1) मैरास गोल्डी ट्रस्ट,
21/14, एम० जी० रोड बेंगलूर-1
जिसके मैनेजिंग ट्रस्टी श्रीमती रूपा एम० पटेल,
(2) श्याम सुन्दर आर० वातिजा,
46, फेर फोर्ड, लेआउट, आर० सी० रोड,
बेंगलूर-1

(3) श्रीमती ज्योति नारायण दाम,
1 फ्राम, श्री कान्तय्या लेआउट,
कैम्पड रोड, बेंगलूर

(ग्रन्तरिती)

3. मैमर्से अजन्ता थियेटर,
नं० 6, अन्ता स्वामी मुदलियार रोड,
बेंगलूर-42

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3321 ता० 16-12-81)

भूमि और घर का नं० 6, अन्ता स्वामी मुदलियार रोड,
बेंगलूर-560042 (अजन्ता टाकज) ।

मंजू माधवन

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 2-8-1982

मोहर :

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 28 जुलाई, 1982

सि० आर० नं० 62/32995/81-82/एक्वी०/बें०—

अतः मुझे, मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अग्रेषण मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति त्रिमूला उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० 31 ए और 32 है, तथा जो बैरसंदा, बन्तर्गट्टा
मेन रोड, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जय नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

13—226GI/82

1. श्री पी० बी० टोल
नं० 42, 11 मेन रोड,
16 और 17 फ़ास के बीच में है।
मल्लेश्वरम्, बेंगलूर,
जी० पी० एण्टरप्राइसेस

(अन्तरक)

2. श्री जी० पी० हमीरवासिया,
51, के० एच० रोड,
बेंगलूर-560027

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रद्वन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4119, दिनांक दिसम्बर 1981)

घर का नं० 31 ए और 32 बैरसंदा, बन्तर्गट्टा, मेन रोड,
बेंगलूर।

मंजू माधवन
महम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 28 जुलाई 1982

सोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 24 जुलाई 1982

सि० आर० नं० 62/33373/81-82/एक्वी०/बें०—

यतः मुझे संजू माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 22 है जो I क्रस मल्लेश्वरम, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधी नगर, बेंगलूर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-1-82 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) एन० चन्द्रमौलि अलियास सि० एल० नरसीपुर।
(2) एन० एल० पम्पती, अलियास पि० एल० नरसीपुर।
(3) एन० एल० सुरेश,
(4) एन० एल० भागीरथी
(5) एन० एल० मुब्बा लक्ष्मी,
(6) एन० एल० अन्नापूरना,
सं० 7, सान क्राम, मल्लेश्वरम,
बेंगलूर-3

(अन्तरक)

2. श्रीमती सी० बाबू अलियास अन्नापूरनी,
पत्नी ए० कन्नियप्पन,
सं० 197, संपिंग रोड,
मल्लेश्वरम, बेंगलूर-3

(अन्तरिती)

3. जैसाकि ऊपर नं० 1 पर है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3734/81-82, दिनांक 27-1-82)
संपत्ति जिसकी सं० 22 फर्स्ट क्रस मल्लेश्वरम,
बेंगलूर-3।

संजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 24-7-1982
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 27 जुलाई 1982

सं० सी० आर० नं० 62/438/81-82/एकवी०/बें०—

यतः मुझे मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 116/ए/134 और चालता सं० 1 है, तथा जो बैना, वार्ड सं० 10, तालुका आफ मरमा गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मरमागोवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7-12-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मोह/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जोवाक्किम, कसेवियर लेस्ली लोबो और श्रीमती न्युमिलियाना आसमिना ईसा गोंसल्वेस ईलोबो केमोरलिम्. बारड्रेज—गोवा ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स सी ड्यू कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी प्रतिनिधि करने वाले चेयरमैन : श्री जोवाक्किम सेवासटियो एर्जिन डि सोजा और सेक्रेटरी जॉन्सो ग्रेगोरियो राड्रिग्यूस आफ कोसांबी, बिल्डिंग, ब्लॉक सी-5, वासकोडगामा गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 182/81-82, दिनांक 7-12-81)

संपत्ति जिसका जाना हुआ यथा "सैम डेनामिताकाओ स्पेशल और सं० 116/ए/134 और चालता सं० 1 बैना, वार्ड सं० 10 तालुका आफ मरमागोवा में स्थित है।

मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी,
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 27-7-1982

मोह/उ :

प्रकट आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 28 जुलाई 1982

सं० सी० आर० 62/33871/81-82—यतः मुझे मंजू
माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 268-1 है, तथा जो कार्दी विलेज, मंगलूर
तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मंगलूर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 16-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल,
निम्नलिखित उद्देश्य 1 उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से तथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आर या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित:—

1. श्री जोवाचिन सन्थान अलवेरेस सुपुत्र पौल अलवेरेस
बजाय
मंगलूर-575004

(अन्तरक)

2. रिचर्ड 'द' कास्टा सुपुत्र जोसेफ ड कास्टा जि० पी० ए०
होल्डर जोसेफ ड कास्टा सुपुत्र सौथान ड कास्टा
कोप्पलकाड आफ पाडावु, विलेज,
मंगलूर-575008

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोद्देशाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2304/81-82 दिनांक 16-12-81)
संपत्ति जिसका सं० आर० एस० 268-1, कार्दी विलेज,
मंगलूर, तालुक में स्थित है।

मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक: 28-7-1982
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 28 जुलाई 1982

सं० सी० आर० नं० 62/33874/81-82/एकी०/बि०—

यतः मुझे मंजु माधवन माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 94/29, टी० एस० सं० 663/29, है तथा जो बोलूर विलेज, मन्नागुड्डे वार्ड, मंगलूर टाउन में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-12-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री यू० सुरेश मलया, सुपुत्र उल्लाल नारायण मलया
डि० सं० 6-7-140, गांधी नगर,
मंगलूर-3

(अन्तरक)

2. श्री यू० पुरुषोत्तम मलया
सुपुत्र उल्लाल नारायण मलया
डि० सं० 6-7-140, गांधी नगर,
मंगलूर-575003

(अन्तरिती)

3. अन्तरक (जैसा कि ऊपर नं० एक पर है)
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1334/81-82 दिनांक 24-12-81)

संपत्ति जिसका सं० आर० एस० 94/29, टी० एस० सं० 663/29 और निवास सम्बन्धी घर का पुराना नं० 6-96, और 97 तथा नं० 6-7-140 और 140 बि०; बोलूर, विलेज, मंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 28-7-1982
मोहर :

प्रकृप् आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 15 जुलाई 1982

सं० सी० आर० नं० 62/33670/81-82/एक्वी०/बें०—

अतः मुझे मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 17/1 ए है, तथा जो मुधानिदम्बूर विलेज, उडुपी, दक्षिण कन्नड़ डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उडुपी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-1-82

(डाकुमेंट सं० 980/81-81)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० प्रकाश नायक,
आफिसर सिडीकेट बैंक,
काळेकर ब्रांच,
उडुपी टाउन, पोस्ट उडुपी।

(अन्तरक)

2. श्री अबदुस समद, सुपुत्र श्री मोइदीन साहेब
कल्लाकाम्बा बैलूर विलेज,
कारकल तालुक,
पोस्ट बैलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति जिसका सं० 17/1 ए, मुधानिदम्बूर विलेज उडुपी तालुक दक्षिण कन्नड़ डिस्ट्रिक्ट में स्थित है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 15 जुलाई, 1982
मोहर :

प्ररूप वाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 21 जुलाई 1982

सं० सी० आर० नं० 33684/81-82/एक्वी०/बें०—

यतः मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 753टी० एस० 216 है, तथा जो अट्टावर विलेज, अट्टावर वाई, मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर सिटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-12-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविर में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा० (श्रीमती) अनसूया बी०
सालियन और कुछ लोग ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री धनंजया पालके सुपुत्र श्री पी०बी० आचार
जुएंलर, मार्गनामिकट्टा, मंगलूर-575001

(2) श्री रत्नाकर अभ्यन्तप्या,
दुरगांभा, एस्टेट, श्री वासा,
चिक्कामगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1311/81-82, दिनांक 18-12-81)

संपत्ति जिसका सं० आर० एस० 753, टी० एस० 217 अट्टावर विलेज, अट्टावर वाई मंगलूर में स्थित है ।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 21 जुलाई, 1982

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 जुलाई, 1982

सं० सी० आर० नं० 62/33681/81-82/एक्वी०/बें०—

यतः मुझे, मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर०एस० 77-1 ए है, तथा जो मिडल वेस्टर्न पोरशन, मंगलूर टाउन कार्दी वार्ड, कार्दी विलेज में स्थित है (और इससे उपाय अतुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर सिटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-12-81 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्त) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जी० रामचन्द्रा, सुपुत्र श्री कृष्णप्पा मिस्त्री,
कार्दी मन्दिर रोड,
मंगलूर-2

(अन्तरक)

2. श्री के० गोपाला कृष्णा सुपुत्र श्री शंकरनारायण राव
करन्नालपाडी,
मंगलूर-3

(अन्तरिती)

3. अन्तरक (जैसा कि ऊपर नं० 1 पर है)
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ हो गा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अतुसूची

(वस्तावेज सं० 1240/81-82 दिनांक 1-12-1981)

संपत्ति है जिसका सं० आर०एस० 77-1ए मिडल वेस्टर्न पोरशन, मंगलूर टाउन कार्दी वार्ड, कार्दी विलेज में स्थित है।

मंजु माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 14 जुलाई, 1982

मोहर :

प्रश्न भाई टी.एन.एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

आय कर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 जुलाई 1982

सं० सी० आर० नं० 62/33861/81-82/एक्वा०-वे०----

यतः भुक्ते, मजु, माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सशक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 38/2250 और सं० 2699 और नया सं० 2684 है, तथा जो रेलवे स्टेशन एक्स्टेंशन, गांधी नगर, तुमकूर, में स्थित है (और उसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार कर्ता अधिकारी के कार्यालय तुमकूर में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-12-81

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

14--226GI/82

1 श्री बी० एन० श्रीनिवासा शेट्टी,
मुपुत्र श्री बी० एस० लक्ष्मीकान्ता शेट्टी
के० आर० एक्स्टेंशन,
तुमकूर

(अन्तरक)

2 श्री एन० एस० नारायण शेट्टी और
एन० एस० नरसिम्हा,
मि० एस० ए० ले आउट
तुमकूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करावा हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2718/81-82 दिनांक 10-12-81)

संपत्ति है जिसका सं० 38/2250 और सं० 2699 और नया सं० 2684, रेलवे स्टेशन, एक्स्टेंशन, गांधीनगर, तुमकूर में स्थित है ।

मजु माधवन
सशक्त प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बंगलूर

तारीख : 9-7-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन मन्दा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 8 जुलाई 1982

यतः मुझे, श्रीमती मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3439/1, 3439/2, है तथा जा
कोलेज रोड, बेलगांव में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची
में और जा पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बेलगांव में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधिन दिनांक 24-12-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितीया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधिन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें घटाने में मूढिया
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिय था, विधान में
सन्निधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री गंगाराम लक्ष्मनाराव जाधव,
बिजगांव बेलगांव ।

(अन्तरक)

2. श्री शान्ता राग श्रानिवाग गज धेम्मे
"विजु निवास", नेहरू नगर
बेलगांव ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावे सं० 2620, दिनांक 24 दिसम्बर, 1981)

प्रापटी नं० 3439/1, और 3439/2, कोलेज रोड,
बेलगांव ।

मंजु माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बेंगलूर

तारीख : 8 जुलाई 1982

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 22 जुलाई 1982

स० सी० आर० न० 62/33802/81-82/एच०/वे०--

यन मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 21, (पुराना न० 1-ए) है तथा जो एम० न० 6 स्ट्रीट, धर्मराजा कोयिल स्ट्रीट और एल० न० 4, स्ट्रीट के० पी० एच० रोड क्रॉस बेंगलूर-1 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किराया आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्तः—

1. श्रीमती शमिमुनिसा

80, राजोजि राव रोड,

बम्बैन गुड्रा—

बेंगलूर-560004

(अन्तरक)

2 (1) श्री जी० एम० जमीर अ

(2) श्रीमती हीरा बे

नं० 9, नोवा स्ट्रीट, स्टीफेन वेथ

बेंगलूर-51

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायबाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अयोधस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3695, दिनांक 31-12-81)

घर का नं० 21, पुराना नं० 1-ए, जो एम० नं० 6, स्ट्रीट धर्म राजा कोयिल स्ट्रीट और एल० नं० 4, स्ट्रीट, के० पी० एच० रोड, क्रॉस बेंगलूर-1 में स्थित है।

मंजु माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बेंगलूर

तारीख : 22-7-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 22 जुलाई 1982

सं० सी० आर० नं० 62/32813/81-82/अवकी०/बें०---

यतः मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिनकी सं० (पुराना नं० 139-159) है अब 153 है, तथा जो III. मेन रोड, चामराज पेट, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवत गड्डी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-12-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्तृह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1 श्री एम० टी० गौड़ा अन्वयम् तम्मण्ण गौड़ा

श्री माके गौड़ा के पुत्र

(2) एन० सरोजम्मा,

श्री तम्मण्ण गौड़ा की पत्नी

(3) एम० टि० महादेवा

(4) एम० टि० रविकुमार,

(5) एम० टि० उनके प्रतिनिधि करने वाले

एन० सरोजम्मा मंजु नाटा

(अन्तरक)

2. श्री बि० नागेश राव

श्री वासुदेव राव के सुपुत्र

होस नगर, शिमोगा जिला।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(संभावित सं० 2692, दिनांक 15-12-1981)

पुराना नं० 139-159, नया नं० 153, III मेन रोड, चामराज पेट, बेंगलूर।

मंजु माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बेंगलूर

दिनांक : 22 जुलाई, 1982

मोहर :

प्रत्यक्ष बाई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 9 जुलाई 1982

सं० सि० आर० नं० 62/33256/81-82/एक्वी०/बें०—

यत. मुझे, मंजु माधवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 18 तथा 19 है, तथा जो सर्वे नं० 74/1-बी, दोमलूर, बेंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवर्धनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः:—

1. श्री गायत्री

नं० 100/2, दोमलूर, लेआऊट,
बेंगलूर-560071

(अन्तरक)

2. ए० एन० वामुदेव पिल्लै,

578, दोमलूर,
बेंगलूर-560071

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 2819, ता० 31-12-81)

भूमि का नं० 18 और 19, सर्वे नं० 74/1-बी, दोमलूर,
बेंगलूर।

मंजु माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 9-7-1982

मोहर &

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 17 जुलाई 1982

स० सी० आर० न० 62/33208/81-82/एक्वी/ब०---

यत्. मुझे सजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० 710, I, स्टेज, है तथा जो विन्त मंगला
(इदिरा नगर) बेंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची
में और जो पूर्ण रूप से अर्जित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ने
कार्यालय शिवाजी नगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिकूल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकूल में ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बाँट/बा

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1 श्री वसन्ता श्रीनिवासन,
न० 6, स्पूसट्रैव,
ननुयट्ट न्यूयार्क,
यू० एस० ए०

(अन्तरक)

2. श्री विकास गोयका,
722, I, स्टेज, इदिरा नगर,
बेंगलूर-560038

(अन्तरिती)

अब यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज स० 29458, दिनांक 28-12-81)

भूमि का न० 710, I, स्टेज, विन्त मंगला, इदिरा नगर,
बेंगलूर-560038

सजु माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 17-7-1982

मोहर :-

प्रारूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 5 जुलाई 1982

सं० सी० आर० नं० 33708/81-82/एकवी०/बें०—

यतः मझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 184, है तथा जो 34 फ़ास, V, ब्लाक, जयनगर, बेंगलूर, में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयनगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-2-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्हित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित्री (अन्तरित्रीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम, के असीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या अन्य अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित्री द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्धान में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात्:—

1. श्री टि० उमापती,
श्री तिरुवेंगट स्वामी के पुत्र
जी० पी० ए० होल्डर, श्री यू० दशरथानि, श्री यू० नरेश,
यू० मोहन, तथा यू० हेमलता, 26, बेंकटरलाग,
नगर, मद्रास-20 ।

(अन्तरक)

2. के० आर० शेपाद्रि,
184, 38 फ़ास V ब्लाक,
जय नगर, बेंगलूर-41

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशोधन :— इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4898, तारीख 10-2-82)

184, 38-फ़ास, V ब्लाक, जयनगर, बेंगलूर-41

मंजु माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 5-7-1982

साहू :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 9 जुलाई 1982

सं० सि० आर० नं० 62/33254/81-82/एवी०/बें०---

यतः मुझे मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 436 है, तथा जो एच० ए० एल० II, स्टेज, बेंगलूर, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-12-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

1. श्री टि० एस० नागभूषनम्,
श्री टि० सुब्बय्या के पुत्र
नं० 17, वीरम्मा, गार्डन,
बेंगलूर-560005

(अन्तरक)

2. श्री एम० एन० मोहन कुमार,
श्री एम० के० नवनीत कुमार के पुत्र
नं० 265, नारायण पिल्लै, स्ट्रीट,
बेंगलूर-560001

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2812, दिनांक 14-12-1981)

धरका नं० 436, एच० ए० एल० II, स्टेज, बेंगलूर।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 9-7-1982

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एप०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 9 जुलाई 1982

सं० सी० आर० नं० 62/33255/81-82/एक्वी०/बें०—

यतः मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि आयात सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 8, जो नं० 74/1-बी, है तथा जो दोमलूर, बेंगलूर-71 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुगुनी में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए०से दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, नय पाया गया कि—
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत नया पत्र नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सक्षमता के लिए शोख/व

(ख) ऐसी किसी धारा या विधि या या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा की 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—
15—226G1/82

1 श्रीमती जनकम्मा
100/3, दोमलूर लेआऊट,
बेंगलूर-560071

(अन्तरक)

2 श्रीमती पि० मुशीला हरि दास,
637, मकान का ऊपरी खण्ड,
दोमलूर, लेआऊट,
बेंगलूर-560071

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी धरे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए निम्नलिखित उद्देश्य से—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—यसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 2818, दिनांक दिसम्बर, 1981)

भूमि का नं० 8, जो नं० 74/1-बी, दोमलूर, बेंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, बेंगलूर

तारीख : 9-7-1982

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 14 जून 1982

सं० नोटिस नं० 432/82-83—यतः सुखे श्रीमती मंजु
माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नया नं० 268 है, तथा जो नंगलूर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
के अधीन दिनांक 4-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुमरण
नं० में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बी० आर० दत्ते गौड
सुपुत्र श्री रामे गौड मुडीगेरे,
तालुक चिकमंगलूर

(अन्तरक)

2. श्री जी० एस० बसेगौड, सुपुत्र श्री सुब्बेगौड
हूड पोस्ट मुडीगेरे,
तालुक चिकमंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

[वस्तावेज सं० 532/81-82 दिनांक 4-12-1981]

खुला जगह सर्वे नं० नया 268 दो एकड़ साँ मिल बंगला,
आफिस और गोडोन, इस खुला जगह पर है ।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 14-6-1982
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 21 जून 1982

सं० नोटिस नं० 434/82-83/एक्वी०/बें०—

यतः मुझे मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2/6, 7, 8, 9, है, तथा जिसका नाम है कामाम डि मार्डी कोम अ-स्युआ होर्टा ए क्विटल, बिचोलिम जिला गोवा, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलास गोवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-12-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री लुईस विसेंटा संताना पेरैरा और श्रीमती मरिया अलमिस, टेरेसा डि जेम्स मस्क्रेन्हास ई पेरैरा एट पंजिम, गोवा ।

(2) श्री एबो पेरैरा और मिस्टर आन्टोनिएट् सिसीलिया कोरीन्हो, पेरैरा एट पंजिम, गोवा ।

(3) श्री लुईस एंटोनियो आल्फ्रेडो डेसा और श्रीमती मरिया मिलेना पेरैरा एट पंजिम, गोवा ।
(अन्तरक)

2. श्री पोलो माँयुपाल, जेसु डिजोजा एट बिचोलिम, गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट आफ लैण्ड सं० नं० 2 सब-डिविजन 6, 7, 8, 9 जिसका नाम है कामाम डि मार्डी कोम अ-स्युआ होर्टा ए क्विटल, बिचोलिम, इलास गोवा में स्थित है ।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख 21 जून, 1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन एन -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 18 मई, 1982

सं० नोटिस नं० 428/82-83—यतः मुझे मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 66/8 है, तथा जो बेलगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बेलगांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-12-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् ६—

1. श्रीमती सुधाबाई भीमराव हरीहर
पुणे, रहवासी ।

(अन्तरक)

2. (1) इस्माईल बेग महमद बेग बजीर,
बेलगांव ।

(2) श्रीमती सेबेरा सुपुत्ती सिकन्दर खान
सौदागर, बेलगांव ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2428, दिनांक 4-12-1981)

रहने का बंगला : बी० सी० नं० 113, सर्वे नं० 66/8,
कोम्प्युस्युरेट रास्ता, कन्टोनमेंट,
बेलगांव ।

मंजु माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 18-5-1982

मोहर :

परूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 20 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० 422/82-83:—यतः मुझे, डा० वि० एन० जलितकुमार राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० घर नम्बर 55(2), 55(1) है, तथा जो काकोडा बन्साई कुचोरिम गोवा में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, क्युपे में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापित उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, पूर्ण दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शेख महमद, (2) श्री शेख अयूब, (3) श्रीमती आलकदा बेगम, मैन ओनर संगम, गोवा ।
(अन्तरक)

(2) श्री कोनार नर्यामुल्ला की पत्नी श्रीमती अविद्या बानु शरीफ बन्साई कुचोरिम, गोवा ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 392 ता० 14-12-1981)

काकोडा बन्साई कुचोरिम गोवा में स्थित 710.50 स्क्वेर मीटर जगह और इस जगह पर स्थित बिल्डिंग जिसका घर नम्बर है 55(2) और 55(1)।

डा० वि० एन० जलितकुमार राव
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर ।

तारीख : 20-4-1982.

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 20 अप्रैल 1982

निर्देश सं० 418/82-83:—यतः मुझे, डा० वि० एन०

ललितकुमार राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसका सं० नम्बर 188/बी है, तथा जो कलादुर्गा रोड़, बागलकोट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिशारी के कार्यालय, बागलकोट में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-12-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आगितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में

(1) श्री केसरमल कनय्यालाल सुराना, मर्चेट, बागलकोट ।
(अन्तरक)

(2) श्री कनय्यालाल बचराज सुराना मर्चेट, बागलकोट ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(धस्तावेज सं० 894 ता० 14-12-1981)

कलादुर्गा रोड़, बागलकोट में स्थित बिल्डिंग (जगह सहित)
जिसका एस० नम्बर है 188/बी०)।

डा० वि० एन० ललितकुमार राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बेंगलूर ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 20-4-1982.
मोहर :

प्रश्न आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 जुलाई, 1982

सं० जी० आई०आर० सं० सी० 1-35/अर्जन--अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 88/1 व 88/2 है तथा जो तुलसीपुर वाराणसी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार प्राधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री गोपाल प्रसाद चौंसिया, पुत्र श्रीराम नाथ (स्व०) ।
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती चंदा रानी जायसवाल पत्नी गंगा मांगर प्रसाद गुप्ता ।
(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरिती
(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आराजियात नम्बरी 88/1 व 88/2 तुलसीपुर परगना देहात अमानत जिला वाराणसी में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण मेलडोड व फार्म 37-जी संख्या 11755 में वर्णित है जिसका रजिस्ट्रेशन सब-रजिस्ट्रार कार्यालय वाराणसी में माह दिसम्बर 81 में किया जा चुका है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 28-7-1982.
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री देवेन्द्र नाथ पान्डे, पुत्र राम कुमार पान्डे ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राममोहन चौबे ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) अन्तरक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

अर्जन रेंज, लखनऊ

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

लखनऊ, दिनांक 28 जुलाई 1982

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

जी० आई० आर० संख्या आर—173/अर्जन अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

और जिसकी सं० बी० 30/2 ए-1 है तथा जो मदन मोहन मालवीय रोड
वाराणसी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाराणसी;
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख दिसम्बर, 81

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरक से ठीक किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

मकान नं० बी०-30/2 एन.ग. मदन मोहन मालवीय रोड
वाराणसी में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म
37-जी० संख्या 11409/81 में वर्णित है जिसका पंजीकरण
सब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में माह दिसम्बर 81 को किया
जा चुका है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 28-7-82

मोहः :

प्रकृष जाई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री सन्मन लाल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मन्मन्त लाल गोयल ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(3) उपरोक्त अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 जुलाई, 1982

मं० जी० आई० आर० संख्या एम०-138/अर्जन अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो शेषपुर गोरखपुर में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय गोरखपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-12-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वांछित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16-226GI/82

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोवृत्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान पोखरा तीन मंजिला बाके शेषपुर नगर गोरखपुर में
स्थित है जिसका कुल क्षेत्र 1800 वर्ग फिट है जिसका सम्पूर्ण विवरण
मेनडोडघ फार्म 37-जोसंख्या 9464 में वर्णित है जिसका पंजीकरण
सब रजिस्ट्रार कार्यालय गोरखपुर के यहाँ दिनांक 1-12-81
को किया जा चुका है । (37-जो फार्म के अनुसार) ।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 28-7-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री जी० एस० पाण्डेय ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

(2) श्री मनीष कुमार अग्रवाल पुत्र स्व० कामता प्रसाद ।
(अन्तर्गति)

(3) गै० केदार इंजीनियरिंग वर्ग स्टेशन रोड, मुरादाबाद ।
(किरायेदार) ।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 अगस्त, 1982

सं० जी० आई० आर० संख्या एम-235/अर्जन—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक किता बिल्डिंग का भाग है तथा जो स्टेशन
रोड, मुरादाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकां के कार्यालय
मुरादाबाद में रजिस्ट्रार नियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 27-1-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तर्गतियों) के बीच एम० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

287.70 वर्ग मीटर एक किता बिल्डिंग का एक भाग बाकें
स्टेशन रोड मुरादाबाद में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेल्डीड
एवं फार्म 37 जी संख्या 2895 में वर्णित है जिसका रजिस्ट्रेशन
मंत्र रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 27-1-82 को
किया जा चुका है।

ए० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 2-8-1982
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 अगस्त, 1982

सं० जी० आई० आर० संख्या डी-42/ग्रजन—अतः मुझे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सज्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है और जिसकी
संख्या प्लॉट नं० 1-ए है तथा जो आई० टी० कालेज, क्रॉसिंग
लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, लखनऊ
में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 31-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमके दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) प्रगतिशान पत्रकारों पृष्ठ निर्माण समिति लि० सी-207
निरालानगर, लखनऊ।

(अन्तरक)

(2) श्री धनुष धारी सिंह।

(अन्तरिती)

(3) विक्रेता।

(वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजन
के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1-ए करीब 1140 स्क्वायर फीट जो कि आई० टी०
कालेज क्रॉसिंग लखनऊ में स्थित है जिनका सम्पूर्ण विवरण सेलडोड
व फार्म 37 जो संख्या 372/81 में वर्णित है जिनका रजिस्ट्रेशन
सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में 31-12-1981 को किया
जा चुका है।

ए० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
ग्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख: 5-8-1982
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 मई, 1982

सं० जी० आई० आर० संख्या आर-167/अर्जन:—अतः
मुझे, ए० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उन्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 71/1 का 1/8 भाग है तथा जो ए० पी० सन
रोड लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ
में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 4-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राज किशोर मिश्रा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रोज लाईट कमल कुमारी द्वारा मुख्तार,
कमारी जी० के० के० हारवे।

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20 के परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संकेत संख्या 71/1 का 1/8 भाग स्थित ए० पी० सन रोड
शहर लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म
37-जी० संख्या 7216 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार
लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 4-12-1981 को किया जा चुका
है।

ए० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लखनऊ

तारीख : 28-5-1982.

मोहर :

प्रकट नार्ड. टी. एन. एड.-----

(1) श्रीमती मरियम बेगम, द्वारा मुखतार श्री अली नकी खां ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राधे कृष्ण टण्डन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) श्री राधे कृष्ण टण्डन ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

लखनऊ, दिनांक 29 मई 1982

सं० जी० आई० आर० संख्या आर-168/अर्जन—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो भूखण्ड जो सान्दर्भ रोड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबधु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूखण्ड पैमायइशी 3170 वर्ग फिट स्थित सान्दर्भ रोड लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड एवं फार्म 37-जी संख्या 7489 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 15-12-1981 को किया जा चुका है ।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 29-5-1982

मोहर :

प्रकृ. आई. टी. एम्. एस.-----

(1) श्री प्रेम शंकर खत्री, श्रीमती शकुन्तला खत्री ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 जुलाई, 1982

(अन्तरिती)

(2) 1. श्री मुनील आनन्द, 2. श्रीमती सभा आनन्द,
3. श्री सर्वजीतसिंह, 4. श्री सत्यजीतसिंह, 5. श्रीग्रीश
श्रीबराय, 6. श्रीमती आशाभारदा ।

(3) उपरोक्त अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है) ।

सं० जी० आई० आर० संख्या एस-232/अर्जन.—अन.
मुझे, ए० प्रसाद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लॉट नं० 116 है तथा जो सिविल लाइन बरेली,
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-12-
1981 कोको पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाभत्, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

एक खुला प्लॉट जिनमें 1001 स्वायरयाडे जमीन सम्मिलित
है जा प्लॉट नं० 116 में है जोकि सिविल लाइन बरेली में स्थित
है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जो संख्या 6864
में वर्णित है । जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय
में दिनांक 26-12-1981 को किया जा चुका है ।

ए० प्रसाद,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 1-7-1982 .

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

(1) श्रीमती शान्ति देवी ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री शिव प्रसाद ।

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(3) उपरोक्त अन्तरिती ।

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

लखनऊ, दिनांक 9 जुलाई, 1982

सं० जी० आई० आर० संख्या एम०-233/अर्जन—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान है तथा जो मियां बाजार गोरखपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गोरखपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29 दिसम्बर, 1981

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्वन्नाशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रवर्तित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावन आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या हिस्सी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

दो किता मकान 1925 स्क्वायर फिट जो कि मियां बाजार जिला गोरखपुर में स्थित है तथा वह सम्पूर्ण विवरण जो कि सेलडीड व फार्म 37—जो संख्या 10052/6/82 में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार गोरखपुर के कार्यालय में दिनांक 29-12-1981 को दर्ज किया गया है ।

ए० प्रसाद,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 9-7-1982.
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 22 जुलाई, 1982

निदेश सं० अमृतसर/82-83/153:—यतः मझे, आनन्द सिंह
आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद कट्टा कर्मसिंह अमृतसर है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिख में
कमी करने या उससे बचने में संधिधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तर्ग
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शकुन्तला विधवा गणेश दास बाबा नमक मंडी,
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन लाल पुत्र जोधा राम कट्टा कर्म सिंह नई
सड़क, अमृतसर।

(गन्तगिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई विगयेदार हो।

हरबन्स सिंह रुपये 140/- 10-9-1977 से।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक बिलिंग 3249/9 नया नं० 689/9/42 जो कट्टा कर्म
सिंह नई सड़क अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 16651/
11-12-81 और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई० आर० एस०,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज 3, चन्द्रपुरी, अमृतसर।

तारीख : 22-7-1982.

मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 22 जुलाई, 1982

निदेश सं० अमृतसर/82-83/154:—यतः मुझे, आनन्द सिंह, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो बाजार काठिया अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1981 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

17-226G1/82

(1) श्री अमरजीत सिंह पुत्र अजीत सिंह अतेजीदर सचदेवा पत्नी सब अजीत सिंह 13 राय बहादुर रतन चन्द रोड़, अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री हरी सिंह पुत्र गुरदित सिंह कटड़ा कर्म सिंह अमृतसर ।
(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) और कोई ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

अतः यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/2 भाग दुकान न० 678/4-18 बाजार काठिया अमृतसर में है जैसा सेल डीड न० 17372/28-12-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

आनन्द सिंह, आई० आर० एस०,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3 चन्द्रपुरा, अमृतसर ।

तारीख : 22-7-1982.
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 22 जुलाई, 1982

निदेश सं० अमृतसर/82-83/1655:—यतः मुझे, आनन्द
सिंह, आई० आर० एस०,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन मक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो रानी का बाग, अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर,
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चगुण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविकता का यथोचित नमूना किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में
कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के
लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा 1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात्:—

(1) श्री रूपिन्दर शर्मा 157 घेटर कैलाश भाग-I, नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रनबीर सिंह पुत्र सुरजीत सिंह बाजार पापड़ा,
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पश्चात् न कोई नो प्राप्ति:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना का तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भा
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग कोठी जो रानी का बाग अमृतसर में है जैसा सेल
डोड नं० 16566/9-12-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर
में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई० आर० एस०,
मक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, अमृतसर।

तारीख : 22-7-82.

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 22 जुलाई, 1982

निदेश सं० अमृतसर/82-83/156 ---यतः मुझे, आनन्द सिंह, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो शास्त्री नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधि है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयदादा अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धारकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री अवतार सिंह पुत्र बीबान सिंह वासी अमृतसर प्लॉट नं० 3 गोकल नगर, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जसबीर कौर पत्नी कश्मीर सिंह वासी 276 कृष्णा नगर, लारेंस रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रसार के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान 190 व० ग० जो शास्त्री नगर अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 16963/18-12-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई० आर० एस०,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज 3, चन्द्रपुरी, अमृतसर।

तारीख : 22-7-1982.

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 22 जुलाई, 1982

निदेश सं० अमृतसर/82-83/157:—यतः मुझे, आनन्द सिंह, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लॉट है तथा जो बटाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री इकबाल चन्द पुन कुंभल चन्द वाली इन्वजीत, बटाला।

(अन्तरक)

(2) मै० जिवल इंडस्ट्रियल कारपोरेशन द्वारा सुनील कुमार अग्रवाल, बटाला।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट 2 कनाल 13 मरले जो गांव बटाला वेस्ट में है जैसा सेल डीड नं० 5916/विसम्बर, 81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई० आर० एस०,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, चन्द्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 22-7-1982.

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई, 1982

निदेश सं० अमृतसर/82-83/158—यत मुझे, आनन्द सिंह, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एक मकान है तथा जो बाजार टोकरियां अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) से अधिक ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाधा, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्ति या हानि का या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम प्रकाश पुत्र बाल किष्ण ब प्रेम बती जमनी बाल किष्ण यश पाल पुत्र बाल कृष्ण वासी कटड़ा दुलारे, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री बलदेव किशन पुत्र पना लाल वासी लछमनसर, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 2092/8 बाजार गली टोकरियां अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 16117/2-12-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई० आर० एस०,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जुन रंज 3, चन्द्रपुरी, अमृतसर।

तारीख : 17-7-1982.

मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर,

अमृतसर, दिनांक 22 जुलाई, 1982

निवेश सं० अमृतसर/82-83/159—यतः मुझे, आनन्द सिंह, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन बचत प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो बाजार सबूतिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती चपा वती पत्नी दौलत रामवासी 5 कानी धम ब्रीसेंट बंगलौर, द्वारा राम प्रसाद चड़ा पुत्र रूप लाल वासी कूचा व गली भाई मंत सिंह अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सत्यावती पत्नी परशमोन लाल बाजार गुरु कूचा उपला, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक सकान नं० 104/2 और 207/2-2, 110/11-12 एम० सी० ए० जो कूचा लंडन बाजार सबूतियां अमृतसर में है जसा सेल डीड नं० 16672/11-12-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई० आर० एस०

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, अमृतसर।

तारीख : 22-7-1982.

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 जुलाई 1982

निवेश सं० अमृतसर/82-83/160--यन मुझे, आनन्द
सिंह, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो अदरुन महा सिंह गेट
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रार कर्ता अधिकांश के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर,
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्रीमती रघवीर कौर ब्रिबदा हरतार सिंह व परमजीत
कौर व राज कौर पुत्राया हरतार सिंह व महीन्द्र पाथ
पुत्र हरतार सिंह वारा अदरुन महा सिंह गेट, अमृतसर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती उपीन्द्र कौर पुत्री जोंत सिंह वासी चाटीब्रिड
गेट, राज टाकीज के पीछे अमृतसर।

(अन्तर्गती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोपे:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो अदरुन महा सिंह गेट सामने स्टेट बैंक आफ
इंडिया अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 17000/18-12-81
रजिस्ट्रार कर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 3 चन्द्रपुरी, अमृतसर।

तारीख 26-7-1982

मोहर.

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 जुलाई 1982

सं० ए० एस० आर०/82-83/161:—यतः मुझे, आनन्द
सिंह, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो ढाब खटीकां, अमृतसर
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर,
1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती नाना मेहरा पत्नी: दीन दयाल मोहरा और दीन
दयाल मेहरा पुत्र चरण दाम मेहरा वासी 33 शिव
मार्ग परली हिल रोड बंबई 18, आर० दीपक
मेहरा पुत्र दीन दयाल ठाग दीन दयाल मेहरा मुखतार।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुसुमा लता पत्नी मीनन लाज अरोड़ा बाजार
कनक मंडी, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किरायेदार हों।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग जायदाद नं० 1284/10 जो ढाब खटीकां अमृतसर
में जैसा सेल डीड नं० 16911/17-12-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द मित्र, आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, अमृतसर।

तारीख: 27-7-1982

मोहर: [हस्ताक्षर]

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 जुलाई 1982

निर्देश सं० सं० एस० आर०/82-83/162—यतः

मुझे, आनंद सिंह आई० आर० एस०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो ढाब खटीका
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः पत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

18—226GI/82

- (1) श्रीमती नीता मेहरा पत्नी दीन दयाल मेहरा और
दीन दयाल मेहरा पुत्र चरन राम मेहरा बासी 33
गिब सागर बरनी हलि रोड बंबई 18 और दीपक
मेहरा पुत्र दीन दयाल द्वारा दीन दयाल मेहरा
मुखतार ।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती मुपमा अरोड़ा पत्नी मनोहर लाल
अरोड़ा अंदरून लोहगड़ गेट कटड़ा बूली अमृतसर
(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

- (4) अगर कोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

1/4 भाग जायदाद नं० 1284/10 जो ढाब खटीका
अमृतसर में है जैसा रोल डीड 16909/17-12-81 रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

आनंद सिंह, आई० आर० एस०

सक्षम अधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, अमृतसर

दिनांक: 27-7-1982

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० एस० आर०/80-83/163—यतः मुझे, आनंद सिंह, आई० आर० एस०, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद है तथा जो ढाब खटीका अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितीयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती नीना मेहरा पत्नी दीन दयाल मेहरा और दीन दयाल मेहरा पुत्र चरन दास मेहरा वासी 33 शिव सागर वरली रोड बंबई 8 और दीपक

(2) मेहरा पुत्र दीन दयाल द्वारा दीन दयाल मेहरा मुख्तार (अन्तरक)

मोहन लाल अरीड़ा पुत्र राम लाल बाजार कनक मंडी, अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जसा ऊपर नं० 2 में कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अगर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग जायदाद नं० 1284/10 जो ढाब खटीका अमृतसर में है जैसा सेल डीउ रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह आई० आर० एस०

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, अमृतसर

दिनांक : 27-7-1982

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 22 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० एस० आर०/82-83/164—यतः मुझे,
आनंद सिंह, आई० आर० एस०,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो ढाक खटीका अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रार कर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक, दिसम्बर, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित छद्म में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में
कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व सफाई करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) आमती मीना मेहरा पत्नी दीन दयाल मेहरा और
दीन दयाल मेहरा पुत्र श्री चरन दास मेहरा वासी 33
शिव सागर वाली हल्लि रोड़ बंबई 18 और
दीपक मेहरा पुत्र श्री दीन दयाल द्वारा दीन दयाल
मेहरा मुखतार

(अन्तरक)

(०) श्री मनोहर लाल अरोड़ा पुत्र करम चंद अदरुन
लोहगड़ गेट कटड़ा हूली अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति जिसके अभिभाग में संपत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

हरटोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 भाग जायदाद नं० 1284/10 जो ढाक खटीका
अमृतसर में है जैसा सेल डीड 16850/16-11-81 रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3 चंद्रपुरी अमृतसर

दिनांक : 27-6-1982

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० एस० आर०/82-83/165—यतः मुझे,
आनंद सिंह, आई० आर० एस०,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है
श्रीर जिरका सं० एक जायदाद है तथा जो रेस कोर्स रोड
अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शीला राय पुत्री जसवंत राय वासी 30
इस कोर्स रोड अमृतसर
(अन्तरक)

(2) श्री बरिन्द्र सिंह राजिन्द्र सिंह पुत्रान सोहन सिंह वासी
केरों मार्केट अमृतसर ।
(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 1 में कोई किरायेदार हो ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) श्रीर कोई
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 भाग जायदाद जो रेस कोर्स रोड अमृतसर में है जैसा
सेल डीड नं० 174302/8-12-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है ।

आनंद सिंह आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, 3 चंद्रपुरा, अमृतसर

दिनांक : 27-7-1982
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० एम० आर०/82-83/166--यतः मुझे, आनंद सिंह, आई० आर० एस०, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो रेम कोर्स रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

ततः धन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) परीतबा कालो पुत्री इंदर सैन 80 रैस कोर्स रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) हरिन्द्र सिंह रजिन्द्र सिंह पुत्रान मोहन सिंह बासी केरों मार्केट, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किराएदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसी

1/4 भाग जायदाद जो रेम कोर्स रोड अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 17429/28-12-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

दिनांक: 27-7-1982

मोहर:

प्रकृष आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० एस० आर०/82-83/167—यत. मुझे, आनंद सिंह, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो रेल कोर्स रोड़ अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुसुम सुरी पुत्री इंद्र सैन 30 रेल कोर्स रोड़, अमृतसर (अन्तरक)

(2) वरिन्द्र सिंह रजिन्द्र सिंह पुत्रान सोहन सिंह वासी करो मार्केट अमृतसर (अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग जायदाद जो रेल कोर्स रोड़ अमृतसर में है जैसा सेलडीड नं० 17428/28-12-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

दिनांक : 27-7-1982

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० एस० आर०/82-83/168—अतः मुझे,
आनंद सिंह, आई० आर० एस०,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो रेस कोर्स रोड
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मधु बाबला पुत्री इंदरसैन 30 रेस कोर्स रोड अमृतसर।
(अन्तरक)

(2) नरिन्द्र सिंह रजिन्द्र सिंह पुत्रान मोहन सिंह वासी
केरों मार्केट, अमृतसर।

(3) जैमा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 भाग जायदाद जो रेस कोर्स रोड अमृतसर में
जैमा सेलडीड नं० 17427/28-12-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई० आर० एस०
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

दिनांक : 27-7-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० एस० आर०/82-83/169—यतः मुझे,
आनंद सिंह, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 249 ख के अधीन मध्यम श्रेणी के व्यक्ति को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एक प्लॉट न्यू गार्डन कालोनी अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक, दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री वैद प्रकाश पुत्र पूर्ण चंद अजीत नगर आप
मुखतारआम ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रमेश कुमारी पत्नी विजय कुमार कटड़ा
मोहर सिंह कूचा भावगियां अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट जो न्यू गार्डन कालोनी सरकुलर रोड अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 16274/3-12-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

आनंद सिंह आई० आर० एस०
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

दिनांक : 27-7-1982

मोहर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 22 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० एस० आर०/82-83/170—यतः सुभे,
आनंद सिंह, आई. आर. एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.
से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लॉट है तथा जो न्यू गार्डन कालोनी
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —
19—226GI/82

1. श्री दंव प्रकाश पुत्र पूरन चंद, वासी अजति नगर,
अमृतसर आप और मुख्तार खान।
(अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार पुत्र तारा चंद जैन मार्फत मै. बेनी
राम तारा चंद जैन, गुरु बाजार, अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट नं. 26 जो सरकुलर रोड, न्यू गार्डन
कालोनी, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 16289/
4-12-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, 3 चंद्रपरी, अमृतसर

तारीख : 22-7-1982।

मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० एस० आर०/82-83/171—यतः मुझे,

आनंद सिंह, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो जिला गुरदासपुर में
स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुरदासपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रत्यक्ष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मतिधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मतिधा
के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) हरिन्द्र सिंह पुत्र गान सिंह नामा भगवर तहसील
गुरदासपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री हरिजिन्द्र सिंह पुत्र चनन सिंह वासी वीरगम
वडाला तहसील जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैमा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 10 कनाल 10 मरले जो गांव कोटली नंगला
मिबल लाइन्स गुरदासपुर में है जैसा सेलडीड नं० 6283/
22-12-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुरदासपुर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई० आर० एस०
सक्षम अधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

दिनांक : 27-7-1982
मोहर :

प्रकल्प आई.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 22 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० एस० आर०/82-83/172—यतः मुझे,
आनंद सिंह आई० आर० एस०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लॉट है तथा जो न्यू गार्डन कालोनी अमृतसर
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक, दिसम्बर, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री वेद प्रताप पुत्र पूर्ण चंद वासी अजीत नगर भाप
और मुख्तारग्राम मिन जानन मालक फर्म में
रमेश और कंपनी कटड़ा आहलूवालिया अमृतसर।
(अन्तरक)

(2) जमजान वालिया (शशा) पत्नी डा० सुखविन्द सिंह
वालिया 75 गोल्डन एवेन्यू, हैडक्वाटर वर्कम रोड
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किगएदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

एक प्लॉट नं० 49 जा मस्कूलर रोड आवादी न्यू गार्डन
कालोनी खसरा नं० 1331-1332 मिन अमृतसर में है जैसा
सेलडोड नं० रजिस्ट्रार अधिकाारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह आई० आर० एस०

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, चंद्रपुरी, अमृतसर

दिनांक: 22-7-1982

मोहर:

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 22 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० एम० आर०/82-83/173—यतः मुझे,
आनंद सिंह आई० आर० एस०,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका म० एक प्लॉट है तथा जो न्यू गार्डन कालोनी
अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रारकृता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रारकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मे० रमेश एंड कंपनी फटड़ा ग्राहलुवालिया अमृतसर
द्वारा वेद प्रकाश पुत्र पूर्ण चंद अजीत नगर
अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) जगजीत बालिया पत्नी डा० सुखबिन्दर सिंह बालिया
75 गोल्डन एवेन्यू, हंडकवाटर बकस रोड अमृतसर ।
(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक प्लॉट नं० 49 जो मङ्गलूर रोड आबादी न्यू गार्डन
कालोनी खसरा नं० 1331-1332 मिन अमृतसर में है जैसा
सेल डीड नं० 16345/4-12-81 रजिस्ट्रारकृता अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है ।

आनंद सिंह आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, चंद्रपुरी, अमृतसर ।

दिनांक : 22-7-1982

गोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री क्षेत्रनाथ चौधरी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) (1) श्रीमती सुकृति चौधरी (2) मुमित चौधरी

(अन्तरिती)

भाउत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता-4, दिनांक 5 जुलाई 1982

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

निर्देश सं० ए० सी०/14/रेंज-4/कल०/82-83—यतः

मुझे, के० सिन्हा,

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि नाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 4 है तथा जो काला बाजार लेन, जिला
वर्द्धमान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार कार्यालय के कार्यालय
वर्द्धमान में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 14 दिसम्बर, 1982

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

अनुसूची

जमीन-7कटठा भकान समेत पता-4, काली बाजार रोड़,
पो० एवं जिला वर्द्धमान, दस्तावेज संख्या-1981 का 9587।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 4, कलकत्ता।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक : 5-7-1982
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एम. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 जुलाई 1982

निर्देश सं० पी० आर० न० 2021--अनः मुझे, आर०
आर० शाह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिनकी सं० फैक्टरी मकान है तथा जो गाव-चौटा
तालुका-फुटीयाना, जिला जूनागढ़ में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, मानावदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) आराम खांडसरी सुगर मिल गांव-चाटा, तालुका-
फुटीयाना, जिला-जूनागढ़ ।

(अन्तरक)

(2) आ फाल्ड मामल खांडसरी उद्योग की ओर से
भागीदार आ मोहन लाल माहांदास गांव-रानावाव,
तालुका-पोरबंदर, जिला जूनागढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फैक्टरी, श्री राम खांडसरी की जमीन का कुल क्षेत्रफल
12140-18-76 वर्ग मीटर है, जो गाव-चौटा, तालुका-
मानावदर, जिला जूनागढ़ में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार
मानावदर रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 334/दिसम्बर, 1981
है ।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद ।

दिनांक : 8-7-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री पटेल छगन रामजी और अन्य जोशीपुरा,
जूनागढ़

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

अनुसूची

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2020--अतः मुझे, आर० आर०

शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 6 है तथा जो गांव-जोशीपुरा, जिला-जूनागढ़ में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10 दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;

और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, अधिदान में सूचना के लिए;

(2) श्रीनाथजी नगर फो-ओ०-ए० सोसायटी लिमिटेड, प्रमुख-श्री भगवान जी गोविंदभाई हेष्मा जोशीपुरा, जूनागढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 3 एकड़ 29 गठ्ठा है, 10619 वर्ग यार्ड है, जो गांव-जोशीपुरा, जूनागढ़, में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार, जूनागढ़, रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 3940/10-12-81 है ।

आर० आर० शाह

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

दिनांक 1-7-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2019-अत मुभ, आर०
आर० शाह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ब के अधीन वज्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 104, प्लॉट नं० 46 से 49, 50 से
52, 57 से 59 और 60 से 63 है तथा जो भारती बाबा की वाड़ी,
एस० टी० स्टेन्ड के पीछे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 5 दिसम्बर और 5 फरवरी, 1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के धर्मात्मा के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में रुचिका के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए.

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दीलसुख भारथी मोरन भारथी की ओर से
पी० ए० एच० श्री धीरूभाई एन० गोहेल, भारती
वायुकी वाड़ी, एस० टी० ब्रम मटेन्ड के पीछे, जूनागढ़।
(अन्तरक)

(2) श्री बाल मुकुन्द का० ओ० ए० मोसायटी की ओर
से प्रमुख श्री मूलदास फरसनदास अग्रवट, के/ओ०
टीपटोप फर्नीचर मार्ट, कालवा चौक, जूनागढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 908 65 वर्ग मीटर + 1208 65
वर्ग मीटर है जो भारती बाबा की वाड़ी एस० टी०
बस स्टेन्ड के पीछे, जूनागढ़ में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार,
जूनागढ़ रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 409/5-2-82 और
3877/5-12-81 है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1, अहमदाबाद।

दिनांक . 1-7-1982
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री आन्टणि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना।

(2) डाक्टर वी० के० भास्कर

भारत सरकार

(अन्तर्गती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 28 जुलाई 1982

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
आयवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

निर्देश सं० एल० सी० 588/82-83—यन: मुझे, पी० जे०
तोमसकुट्टी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सहायक प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो निडिडीवपेरूर
में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निडिडीवपेरूर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 1 जनवरी, 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच परा अन्तरण के लिए तय रखा गया प्रति-
फल निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व
से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में,
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
20—226 GI/82

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

24.992 Cents of land in Sy. No. 1076/1 of Trichur
Town

पी० जे० तोमसकुट्टी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक 28-7-1982

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुणे

पुणे, दिनांक 29 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० 5/एस० आर० करावैर/फरवरी 82/747/

82-83—यतः मुझे, आर० के० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सि० सं० नं० 232ए/3ए है तथा जो शहर कोल्हापुर तह०—करावैर, जि०—कोल्हापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक करावैर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) श्रीमती अनुसयाबाई दनाजीराव भोमले
'मुख निवास' 232 ई० बाई, ताराबाई पार्क, कोल्हापुर
(अन्तरक)

(2) श्रीमती रानीबाई जुडोमल चंदवाणी ममोरियल
ट्रस्ट, चेयरमैन और ट्रस्टी श्री जेडोमल हेमनदास
चंदवाणी 233, ई० बाई, सुर्वे कालन्दी, ताराबाई पार्क,
कोल्हापुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटीं सि० सं० नं० 232ए/3ए शहर कोल्हापुर, ता० करावैर
जि० कोल्हापुर में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 675 जो फरवरी 1982 में दुय्यम निबंधक, करावैर के दफ्तर में लिखा है)।

आर० के० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना।

दिनांक : 29-7-1982
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 29 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० 5/एस० आर० हवेली 1/जाने 82/749/
82-83—यन मुझे, आर० के० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु से अधिक है

और जिसकी सं० सि० सं० नं० 285, सब प्लॉट नं० 4 है तथा
जो शिला बिहार कालानी गुरुडवणा पुणे 4 में स्थित है (आर
इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नुयम निबंधक हवेली 1
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ए० से दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ए० से अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रति-
फल, निर्माणाखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में दाम्बिक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निर्माणाखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जनार्दन के० नेने 68, मयूर कालोनी पुणे—
411029

(अन्तरक)

(2) श्री सदानंद के० शेटी "अराधना" दूसरी मंजिल
प्लॉट नं० 4, सि० सं० नं० 285, पुणे-411004

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रापटी सि० सं० नं० 285, सब प्लॉट नं० 4, शिला बिहार
कालानी, एरंडवणा, पुणे 4 में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 506 जो फरवरी
1982 में नुयम निबंधक हवेली 1 के दफ्तर में लिखा है)।

आर० के० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 29-7-1982

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सञ्चाल

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० 5/एस० आर० हवेली II/फरवरी 82/746/
82-83—यतः मुझे, आर० के० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के
कारण है कि व्यापार संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सब प्लॉट नं० 15, प्लॉट नं० 479, सि० सं०
नं० 1105 है तथा जो भाबुरडा, शिवाजीनगर, पुणे में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक
हवेली II में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन का शरा मूल्य में कम से प्रति दृश्यमान
का के लिए अर्जित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि इस पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरगत (अर्जित) और अन्तरिती (अन्तरगत) का अन्तर
अन्तरगत के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरगत अधिनियम के अधीन प्रकट नहीं किया गया
है

(क) कि मैं दुई किम भाग को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरक के शायद
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) किसी भी आग या किसी वन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
गया जानि, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्गीकृत :—

(1) मैमर्स नारंग बिल्डर्स और नरिनदास श्यामदास
नारंग 1292, 3/12, छोले पथ, शिवाजी नगर,
पुणे-5 ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रभाकर केशव देशमुख सचिव, दिप्ति सहकारी
गृहचरचना संस्था 479/15, शिवाजी नगर, पुणे-16 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त व्यापार संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, विशेषज्ञताधारी
के पास लिखित में लिपि दत्त संपत्ति ।

स्वहोतरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रापटी सब प्लॉट नं० 15, प्लॉट नं० 479 सि० सं० नं०
1105 जो भाबुरडा, शिवाजी नगर पुणे में स्थित है ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 3806 जो फरवरी
1982 में दुय्यम निबंधक हवेली-II के दफ्तर में लिखा
है) ।

आर० के० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 29-7-1982
मोहर :

प्रसूत आई. टी. एन. एस. --

(1) मैसर्स श्रीराम एजेन्सीज भागीदार श्री दामोदर शंकर रणावकर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 29 जुलाई 1982

निर्देश सं० ए० 5/एस० आर० अहमदनगर/फरवरी 82/

748/82-83—यत मूजे, आर० के० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० न० 25/332/1, प्लॉट न० 66 से 72, 74 से 78 21 से 22 है तथा जो भिन्न भाग सावेडी, अहमदनगर में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुगूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक अहमदनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1982

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदत्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य से कमी लगान या अन्य सूचना में परिवर्तन के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें न्यायिक न्याय के अधीन है, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा उक्त नहीं किया गया था या किया जाता न्यायिक न्याय छिपान में

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

(2) श्री अरविंद किसनराव आगवान, मुख्य प्रवर्तक—अष्टविनायक सहकारी गृह निर्माण मस्था मर्यादित, नगर अर्जन बैंक कर्मचारीया के लिए, अहमदनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में भ्रमात् होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी सं० न० 25/332/2, प्लॉट न० 66 से 72, 74 से 78 21 से 22, भिन्न भाग, सावेडी, अहमदनगर में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 312 जो फरवरी 1982 में दुय्यम निबंधक अहमदनगर के दफ्तर में लिखा है)।

आर० के० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

दिनांक 29-7-1982
मोहर.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री जी० पन्नीरसेलवम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अरुणानि ग्रम्माल विसालाकशी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 जुलाई 1982

निर्देश सं० 9584—यतः सुप्ते, अर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे 1985, 1986, 1988, 1989 है, जो ग्रानदान कोयिल कस्ब (डाकुमेंट सं० 4180/81) में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कस्ब (डाकुमेंट सं० 4180/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नायों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि टी० एस० सं० 1985, 1986, 1988 और 1989
ग्रानदानकोयिल (डाकुमेंट सं० 4180/81)।

अर० पी० पिल्लै,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

दिनांक: 27-7-1982

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री जनमुहम और अलगप्पन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० सी० जैकब जोसम्मा जैकब

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 30 जुलाई 1982

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं० 11770—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे सं० 189/3, है जो वठवल्लि में स्थित
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट
सं० 5714/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, विसम्बर, 1981
का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे 189/3, वठवल्लि (डाकुमेंट सं० 5714/81)

आर० पी० पिल्लै,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 30-7-1982

मोहर :

प्ररूप आइ टी. एन एम. -----

(1) श्री शनमुहम, और अलगपन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अलेगजेंडर जान सारम्मा जान

(अन्तर्गति)

सं. 1 स रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 जुलाई 1982

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

निर्देश सं० 11770—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे 189/3 है तथा जो वठवल्लि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 5713/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण ज्ञातित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोज्यताओं के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

सांझीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के शायित्य में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि सर्वे सं० 189/3, वठवल्लि (डाकुमेंट सं० 5713/81)

आर० पी० पिल्लै,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 30-7-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री शनमुहम और भलगप्पन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) फिलिप अब्राहीम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 जुलाई 1982

निर्देश सं० 11770—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे 189/3, है तथा जो वठवल्लि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 5712/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

21—226GI/82

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे 189/3 वठवल्लि (डाकुमेंट सं० 5712/81)

आर० पी० पिल्लै,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 30-7-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री राम चिन्मय खीठर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) राम रमन आर० वसन्ति

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 जुलाई 1982

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

निर्देश सं० 11787—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे 70/2, (डाकुमेंट सं० 5316/81) है
जो मंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गोम्भीपुरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए य पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापिस में कमी करने या उसमें बचने में मतिभा
क एन० एन० एन०

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

भूमि सर्वे सं० 70/2, मंगलूर कोयम्बतूर (डाकुमेंट सं०
5316/81)

आर० पी० पिल्लै.

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक : 30-7-1982

मोहर :

प्रकृष भाई.टी.एन.एस.-----

(1) राध के० पोन्नुलामी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) लीला अन्नाहिम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 जुलाई 1982

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

निर्देश सं० 11766—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 188 है तथा जो बठवल्लि में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकुमेंट
सं० 5531/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायत्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्थियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए

अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 188, बठवल्लि (डाकुमेंट सं० 5531/81)

आर० पी० पिल्लै,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक : 30-7-1982

मोहर :

प्ररूप धार्ई० टी० ए० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 जुलाई 1982

निर्देश सं० 11766—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके तत्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्राम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे सं० 188 (डाकुमेंट सं० 5625/81) है जो
वठवल्लि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कोयम्बतूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्राम करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में तय नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरा में हुई किसी आय का बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री राम के० पोन्नुस्वामी

(अन्तरक)

(2) टी० ए० अब्राहिम कुन्जम्मा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करना हैं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वरुपकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि सर्वे 188, वठवल्लि, कोयम्बतूर (डाकुमेंट सं०
5625/81)

आर० पी० पिल्लै,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 30-7-1982

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

सम्मिलित चिकित्सा सेवा परीक्षा 1983

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1982

सं० एफ० 14/3/82-प० I (ख)—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नीचे पैरा 2 में दी गई सेवाओं तथा पदों पर भर्ती हेतु 20 फरवरी, 1983 को अगरतला, अहमदाबाद, ऐजल, शहाबाबाद, बंगलोर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, ईटासन जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गावा), पटना पोर्ट ब्लेयर, शिलांग, श्रीनगर और त्रिवेन्द्रम से एक सम्मिलित परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहें तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखा में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिये उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जायेंगे तो भी आयोग परिस्थितिबोध किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों का उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय मारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थला) की जानकारी दे दी जाएगी [नीचे पैरा 19(ii) देखिए]।

उम्मीदवारों का ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन में सबद्ध अनुरोध का सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने इस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु अपने आवेदन से निर्दिष्ट किया था तो इसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा औचित्य बताते हुए एक पत्र रजिस्टर्ड डाक से अवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। उसे अनुरोधों पर गृहवृत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 20 जनवरी, 1983 के बाद प्राप्त अनुरोधों का किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2. जिन सेवाओं/पदों पर भर्ती की जाती है वे तथा भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या नीचे दी गई है—

- (i) रेलवे से सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी—**
- (ii) आयुध तथा आयुध उपस्कर कारखाना स्वास्थ्य सेवा से कनिष्ठ वेतनमान पद लगभग (**) रिक्तियां*।
- (iii) केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा में कनिष्ठ वेतनमान पद—**
- (iv) दिल्ली नगर निगम में चिकित्सा अधिकारी लगभग 50* रिक्तियां।

इन संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

**रिक्तियों की संख्या सरकार द्वारा सूचित नहीं की गई है।

*अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित रिक्तियों के अनुसार हो सकता है।

3. कोई उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित किसी एक या एक से अधिक सेवाओं/पदों के सम्बन्ध में परीक्षा में प्रवेश के लिये आवेदन कर सकता है। उम्मीदवारों को उचित समय पर सेवाओं/पदों के लिये अपना बरीयता क्रम बनाना होगा।

यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवाओं/पदों के लिये परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन पत्र भेजने की आवश्यकता है। नीचे पैरा 5 में उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक ही बार देना होगा उस प्रत्येक सेवा/पद के लिये अलग-अलग नहीं, जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

4. पात्रता की शर्तें :

(क) राष्ट्रियता :

उम्मीदवार को या तो —

- (i) भारत का नागरिक होना चाहिए या
- (ii) नेपाल की प्रजा, या
- (iii) भूटान की प्रजा, या
- (iv) ऐसा निव्वानी शरणार्थी, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी 1962 से पहले भारत आ गया हो या
- (v) कोई भारत मूल का व्यक्ति जो भारत से स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, और कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया, (भूतपूर्व तंगानिका और जंजीबार) के पूर्वी अफ्रीका के देशों से या जाम्बिया, मलावी, जेज और इथोपिया और डियमनाम से आया हो।

परन्तु (ii), (iii), (iv) और (v) शर्तों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एलि-जिबिलिटी) प्रमाण पत्र होना चाहिए।

परीक्षा में ऐसे उम्मीदवार का भी जिसके लिये पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है परन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र दिए जाने पर ही दिया जाएगा।

(ख) आयु-सीमा—पहली जनवरी 1983 को 30 वर्ष से कम किन्तु 1983 में ली जाने वाली परीक्षा के लिये आयु सीमा में 1-1-1983 को 40 वर्ष तक की छूट दी जा सकती है।

- (i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक,
- (ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और वह 1 जनवरी 1964 और 25 मार्च 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रव्रजन कर भारत आया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का हो और वह 1 जनवरी 1964 और 25 मार्च 1971 के बीच की अवधि के दौरान भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से प्रव्रजन कर आया वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (iv) यदि उम्मीदवार अक्टूबर 1964 के भारत श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ या आने वाला मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का हो और साथ ही अक्टूबर 1964 के भारत श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ या आने वाला मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (vi) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा, तंजानिया के संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) से प्रव्रजन किया हो या जाम्बिया, मलावी,

जरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,

(vii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का है और भारत मूल का वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है तथा कोनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व तांगानिका तथा जंजीबार) से प्रजनन कर आया है या जाम्बिया, मलावी, जेरे तथा इथोपिया से भारत मूल का प्रत्यावर्तित व्यक्ति है तो अधिक से अधिक 8 वर्ष,

(viii) यदि उम्मीदवार 1 जून, 1963 को या उसके बाद बर्मा में वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ भारत मूलक व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,

(ix) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जन जाति का हो और साथ ही 1 जून, 1963 या उसके बाद बर्मा वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूलक भारत व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,

(x) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक तीन वर्ष तक जो किसी विदेशी देश के साथ संघर्ष के अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान बिकलांग हुए तथा उनके परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुए

(xi) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष तक जो किसी विदेशी देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान बिकलांग हुए तथा उनके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए हों और जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के हैं,

(xii) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास ब्रिजनताम में भारतीय राज-दूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र है, और जो ब्रिजनताम से जुलाई 1975 से पहले भारत नहीं आया है तो उसके लिये अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(xiii) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तथा वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास ब्रिजनताम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल प्रमाण-पत्र है तथा जो ब्रिजनताम से जुलाई 1975 से पहले भारत नहीं आया है तो उसके लिए अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

(xiv) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपात-कालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1983 को कम से कम वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त या सैनिक सेवा से हट्टे शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण कार्य मुक्त न हो कर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं। (इनसे वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1983 से छः महीनों के अन्दर पूरा होता है) उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक,

(xv) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपात-कालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1983 को कम से कम पांच वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त या सैनिक सेवा से हट्टे शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण कार्यमुक्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त

हुए हैं। (इनसे वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी 1983 से छः महीनों के अन्दर पूरा होता है) तथा जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक।

(xvi) यदि कोई उम्मीदवार तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और भारत में 1 जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान प्रजनन कर आया था तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।

(xvii) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का है और तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और भारत में 1 जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान प्रजनन कर आया था तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मेट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मेट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गये प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुसूचित मेट्रिकुलेटो के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उच्चतर विश्वविद्यालय के सम्बन्धित प्राधिकाारी द्वारा प्रमाणित हो या उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा प्रमाण-पत्र में दर्ज हो, ये प्रमाण-पत्र परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम की घोषणा के बाद प्रस्तुत करने हैं।

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्म कुञ्जली, शपथपत्र, नगर निगम से और सेवा अभिलेख से प्राप्त जन्म सम्बन्धी, उद्घरण, तथा अन्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

अनुदेशों के डम भाग में आयु हुए "मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र" वाक्यांश के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित है।

टिप्पणी 1.—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि आयोग जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जोकि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण पत्र में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 2.— उम्मीदवार यह भी ध्यान रखें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिये जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(ग) शैक्षिक योग्यताएं

उक्त परीक्षा में प्रवेश के लिये उम्मीदवार फाइनल एम.बी.बी.एस. परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भागों में उत्तीर्ण हो।

टिप्पणी 1.— वह उम्मीदवार भी आवेदन कर सकता है जिसने फाइनल एम.बी.बी.एस. परीक्षा दे ली है या जिसको अभी देनी है। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्यथा पात्र हुए तो उन्हें उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाएगा परन्तु उनका प्रवेश अनंतिम रहेगा तथा फाइनल एम.बी.बी.बी.एस. परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भागों का उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत न करने की स्थिति में रद्द कर दिया जाएगा। उक्त प्रमाण बिना आवेदन पत्र के, जो उक्त परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों द्वारा आयोग को प्रस्तुत करने पड़ेंगे, साथ प्रस्तुत किया जाएगा।

टिप्पणी 2—उक्त परीक्षा में प्रवेश के लिये वह उम्मीदवार भी शैक्षिक रूप से पात्र है जिसे अभी अनिवार्य रोटेटिंग इन्टरनेशिप पूरी करनी है, किन्तु चयन हो जाने पर उन्हें अनिवार्य रोटेटिंग इन्टरनेशिप पूरा करने के बाद ही नियुक्त किया जाएगा।

5. शुल्क :

परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को आयोग को ₹० 28.00 (अठ्ठाईस रुपए) [अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जनजातियों के मामले में ₹० 7.00 (सात रुपए)] के शुल्क का भुगतान करना होगा जोकि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग का नई दिल्ली की स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की मुख्य शाखा पर देय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की किसी भी शाखा द्वारा जारी किए गये रेखांकित बैंक ड्राफ्ट या सचिव संघ लोक सेवा आयोग की नई दिल्ली के प्रधान कार्यालय पर देय [रेखांकित भारतीय पोस्टल ऑर्डर के रूप में हो] विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त या विदेश स्थित प्रतिनिधि के माध्यम से, उसी भी निर्दिष्ट हो, जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा आयोग परीक्षा शुल्क" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाय और आवेदन पत्र के साथ उसकी सौंदर्यपूर्ण प्रतिलिपि भेजी जाय और आवेदन पत्र के साथ उसकी सौंदर्यपूर्ण प्रतिलिपि भेजी जाय। जिन आवेदन प्रपत्रों में इन अपेक्षा की पूर्ति नहीं होती उन्हें एक दम अस्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी I—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने समय बैंक ड्राफ्ट की पिछली ओर उधार के सिरे पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल ऑर्डरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल ऑर्डर के पिछली ओर इस प्रयोजन के लिये निर्धारित स्थान पर अपना नाम पता पता लिखे।

टिप्पणी II—यदि कोई ऐसा उम्मीदवार 1983 की परीक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन करने का इच्छुक है जिसने "सम्मिलित चिकित्सा सेवा परीक्षा, 1982" दी है तो उसे परिणाम या नियुक्ति-प्रस्ताव का इंतजार किए बिना आयोग के कार्यालय को अपना आवेदन पत्र निर्धारित तारीख तक अवश्य भेज देना चाहिए। यदि उसे 1982 की परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति हेतु अनुशंसित कर दिया जाता है तो 1983 की परीक्षा के लिये उसकी उम्मीदवारी उसके कहने पर रद्द कर दी जाएगी बशत कि उम्मीदवारी रद्द करने और शुल्क वापसी का उसका अनुरोध आयोग के कार्यालय में 1982 की परीक्षा के फाइनल परिणाम के "रोजगार समाचार" में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्दर तक प्राप्त हो जाता है।

6. आवेदन कैसे करें

प्रारम्भिक परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को "रोजगार समाचार" दिनांक 4 सितम्बर, 1982 में यथा प्रकाशित आयोग के नोटिस परिशिष्ट II में प्रकाशित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, शीलपुर हाऊस, नयी दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। उम्मीदवार समाचारपत्रों या 'रोजगार समाचार' में प्रकाशित आवेदन-प्रपत्र मूल रूप में उपयोग कर सकते हैं और उसके कालम स्वयं अपने हाथों से बाण पेन से भर सकते हैं। वे सफेद कागज (फुल स्कोप साइज) पर केवल एक तरफ सफाई के साथ डबल स्पेस पर टंकित आवेदन प्रपत्र को भी प्रयोग में ला सकते हैं। उम्मीदवार पाइबेट एजेंसियों से उपलब्ध छोटे हुए आवेदन-प्रपत्र तथा उपस्थिति पत्रों को प्रयोग में ला सकते हैं, बशर्ते कि वे इन विज्ञापन के "रोजगार समाचार" दिनांक 4 सितम्बर, 1982 में यथा-प्रकाशित आयोग के नोटिस के परिशिष्ट II में प्रकाशित करने के अनुरूप हों। उम्मीदवार ध्यान रखें कि पिछली परीक्षाओं के लिये प्रयुक्त प्रपत्रों पर भरे गए आवेदन-पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

आवेदन-पत्र के लिफाफे पर साफ-साफ मोटे अक्षरों में "सम्मिलित चिकित्सा सेवा परीक्षा, 1983 के लिए आवेदन" लिखा होना चाहिए।

(क) उम्मीदवार को अपने आवेदन-प्रपत्र के साथ निम्नलिखित प्रपत्र भेजने चाहिए :

(i) निर्धारित शुल्क के लिये रेखांकित बैंक ड्राफ्ट/भारतीय पोस्टल ऑर्डर या भारतीय मिशन की रसीद, (ii) फुल स्कोप साइज पेपर पर विधिवत भरा हुआ उपस्थिति-पत्रक "रोजगार समाचार" दिनांक 4 सितम्बर, 1982 में यथा प्रकाशित आयोग के नोटिस के परिशिष्ट II के अनुसार, (iii) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सेंटीमीटर × 7 सेंटीमीटर) के फोटो की दो एक जसी प्रतियाँ—एक आवेदन-पत्र पर तथा दूसरी उपस्थिति-पत्रक में निर्धारित स्थान पर लगी हो, (iv) एक पोस्ट कार्ड अपने पते के साथ, (v) 11.5 सेंटीमीटर × 27.5 सेंटीमीटर आकार के बिना टिकट लगे हुए दो लिफाफे अपने पते के साथ।

(ख) उम्मीदवार ध्यान रखें कि आवेदन-प्रपत्र भरते समय भारतीय अंकों के केवल अन्तर्राष्ट्रीय रूप को प्रयोग करना है। चाहे माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख हिन्दी अंकों में दर्ज है, तो भी उम्मीदवार यह सुनिश्चित कर लें कि जो आवेदन-प्रपत्र वह प्रयोग में लाता है उसमें जन्म की तारीख भारतीय अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप में लिखी हो। वे इस बारे में विशेष सावधानी बरतें कि आवेदन-प्रपत्र में की गई प्रविष्टियाँ स्पष्ट और सुपाठ्य हों। यदि ये प्रविष्टियाँ पढ़ी नहीं जा सकती ह या भ्रामक हैं तो उनके निबंधन में होने वाली भ्रान्ति या सहिष्णुता के लिये उम्मीदवार ही जिम्मेदार होंगे।

(ग) सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपक्रमों में हों, या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैरसरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, अपने आवेदन-प्रपत्र आयोग को भेजने चाहिए अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-प्रपत्र अपने नियुक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुँचा हो तो आवेदन-प्रपत्र पर विश्वास नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियुक्ता की आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में हो, स्थायी या अस्थायी हैसियत से काम कर रहे हों, या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कार्यकारी हों, जिसमें आकस्मिक या दैनिक ढर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं है या जो लोक-उद्यमों में सेवारत हैं, उनको यह परिचयन (अन्वर्टेनिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप में अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियुक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकने हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

नोट : जिन आवेदन-पत्रों के साथ निर्धारित शुल्क संलग्न नहीं होगा या जो अधूरे या गलत भरे हुए हों, उनको एकदम अस्वीकृत कर दिया जाएगा और किसी भी अवस्था में अस्वीकृत के संबंध में आवेदन या पत्र-व्यवहार को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों को अपने आवेदन प्रपत्रों के साथ छाया और शैक्षिक योग्यता, तथा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आदि का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत नहीं करना होगा। इसलिए वे इस बात को सुनिश्चित कर लें कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए पात्रता की सभी शर्तों को पूरी करते हैं या नहीं।

अतः परीक्षा में उनका प्रवेश भी पूर्णतः अनंतिम होगा। यदि किसी बात की तारीख का स्थापन करते समय यह पता चलता है कि वे

परीक्षा की सभी शर्तें पूरी नहीं करती हैं तो उनकी उम्मीदवारी रद्द हो जाएगी।

उम्मीदवारों से अनुरोध है कि वे उस लिखित परीक्षा का परिणाम जिसके सई 1983 में घोषित किए जाने की सम्भावना है, घोषित होने के बाद आयोग को जल्दी प्रस्तुत करने के लिए निम्नलिखित प्रलेख की अधि-प्रमाणित प्रतियाँ तैयार रखें—

1. आयु का प्रमाण-पत्र।

2. शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र।

3. जहाँ लागू हो, जहाँ परिशिष्ट I में निर्धारित प्रपत्र से अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र।

4. जहाँ लागू हो, जहाँ आयु/शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र।

परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम की घोषणा के तत्काल बाद आयोग सफल उम्मीदवारों से अतिरिक्त सूचना प्राप्त करने के लिए एक प्रपत्र भेजेगा। उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की अधिप्रमाणित प्रतियाँ इस प्रपत्र के साथ आयोग को भेजनी होंगी। मूल प्रमाणपत्र साक्षात्कार के समय प्रस्तुत करने होंगे।

यदि उनके द्वारा किए गए दावे सही नहीं पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ आयोग द्वारा नीचे के पैरा 7 के अनुसार अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

7. जो उम्मीदवार निम्नांकित कवाचार का दोषी है या आयोग द्वारा बोधी घोषित हो चुका है :—

- (i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना या
- (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे व्यक्ति को प्रस्तुत करना या
- (iv) जाली प्रलेखों या फेर बचन किये गए प्रलेख प्रस्तुत करना या
- (v) अशुद्ध या असत्य बचन देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपाकर रखना या
- (vi) उक्त परीक्षा के लिये अपनी उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किसी अनियमित या अनचित्त साधन अपनाना या
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाना या
- (viii) उत्तर पुस्तिका (ओ) पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा या अभद्र आशय की हों या
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुरु्यवहार करना या
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुँचाई हो या
- (xi) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेषित प्रमाण-पत्र के साथ जागी किसी अनुवेष का उत्सव किया हो।
- (xii) उपर के खंडों में उल्लिखित सभी या किसी भी कार्य को करने का प्रयास किया हो या करने के लिए किसी को उकसाया

हो तो उस पर आपराधिक अभियोग चलाया जा सकता है और साथ ही :—

- (क) यह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है उसके लिए आयोग द्वारा अयोग्य ठहराया जा सकता है अथवा वह
- (ख) (i) आयोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या चयन के लिए
- (ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के लिए; स्थायी रूप से या कुछ अवधि के लिए अपवर्जित किया जा सकता है, और
- (ग) अगर वह पहले से सरकारी नौकरी में हो तो उचित नियमावली के अनुसार अनुशासनिक कार्यवाई का पात्र होगा।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्त्र तब तक नहीं दी जाएगी जब तक —

- (i) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह देना चाहे, प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो और
- (ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन, यदि कोई हों, पर विचार न कर लिया गया हो।

9. आवेदन प्रपत्र लेने की अन्तिम तारीख।

भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को 2 नवम्बर 1982 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के और जिनके आवेदन उपर्युक्त में से किसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं, उनके मामले में 15 नवम्बर, 1982, तक या उससे पहले डाक द्वारा अवश्य भिजवा दिया जाए, या स्वयं आयोग के काउण्टर पर आकर जमा करा दिया जाए।

असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम मणिपुर, नागालैण्ड त्रिपुरा सिक्किम, जम्मू और कश्मीर, राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 2 नवम्बर 1982 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रह रहा था।

नोट (i) जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहाँ के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त समय के हकदार हैं, उन्हें आवेदन-पत्र संगत काल में अपने पत्रों में अतिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात्, असम, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लद्दाख प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

नोट (ii) उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र संघ लोक सेवा आयोग के काउण्टर पर स्वयं जमा कराएँ या रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजें। आयोग के किसी कर्मचारी को दिए गए आवेदन-पत्र के लिए आयोग ज़िम्मेदार नहीं होगा। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

9 परीक्षा की योजना इस परीक्षा में निम्नलिखित का संयोजन होगा :—

- (क) लिखित परीक्षा :—उम्मीदवार दो-दो घंटे की अवधि के निम्न-लिखित दो प्रश्नपत्रों में परीक्षा देना जिनमें नीचे दिए विषयों पर

वस्तुपरक प्रश्न होंगे। ये अधिकतम 200 अंको के होंगे।
दोनों प्रश्न पत्रों में ऐसे प्रश्न होंगे जिनमें विभिन्न विषयों के
अंको का प्रतिशत निम्न प्रकार होगा —

आयोग इस परीक्षा में योग्य पाता है। उनमें से उनमें ही की उम्मीद क्रम से नियुक्ति के लिए अनुशंसित किया जाता है। जितनी अनारक्षित रिक्तियों को इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरने का निश्चय किया जाता है।

प्रश्न पत्र I (कोड सं० 1)	अंको का प्रतिपात
<hr/>	
(i) सामान्य आयुविज्ञान जिसमें हृदयरोग विज्ञान तत्त्विकाविज्ञान त्वचा रोग विज्ञान और मनोरोग विज्ञान सम्मिलित है।	60%
(ii) शल्य विज्ञान जिसमें कर्ण-नासिका-कंठ, नेत्र विज्ञान, अधिधात विज्ञान और बिकलांग विज्ञान सम्मिलित है।	40%
प्रश्न पत्र II (कोड सं० 2)	
(i) शिशुरोग विज्ञान	20%
(ii) स्त्रीरोग विज्ञान तथा प्रसूति विज्ञान	40%
(iii) निरोधक सामाजिक तथा सामुदायिक आयु-विज्ञान	40%
(ख) लिखित परीक्षा में अर्हताप्राप्त उम्मीदवारों का व्यक्तिगत परीक्षण	200 अंक

टिपणी I—तमूने के प्रश्न सहित वस्तुपरक परीक्षण से सम्बद्ध ज्यौरे को उल्लेख करने वाली "उम्मीदवार सूचा" का विवरणिका "उम्मीदवारों को प्रवेश प्रमाण पत्र के साथ भेजी जायगी।

टिप्पणी II—उम्मीदवागी को बस्तुपरक प्रश्नपत्रों (परीक्षण पुस्तिकाओं) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटरों के प्रयोग की अनुमति नहीं है। उन्हें कैलकुलेटर परीक्षा भवन में नहीं लाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद होने वाले किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

10. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा अपनी विद्यक्षा में निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं, उन्हें आयोग द्वारा व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग का यह मत हा कि अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए, इन जातियों के पर्याप्त उम्मीदवार सामान्य स्तर के आधार पर व्यक्तिगत परीक्षण के हेतु साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाए जा सकते हैं तो आयोग अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को इनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर में छूट देकर व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुला सकता है।

व्यक्तित्व परीक्षण के लिए हूबल वाला माधात्कार लिखित परीक्षा के अनुरूपक के रूप में होगा जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के अध्ययन के विशिष्ट क्षेत्र में उनकी सामान्य जानकारी और क्षमता की परीक्षा करना होता है और साथ-साथ ऐसा कि किसी व्यक्तित्व परीक्षण में होता है उम्मीदवारों की बौद्धिक जिज्ञासा समीक्षात्मक सूक्ष्म-बुद्ध की शक्ति समुचित विवेचन शीलता मानसिक जागरूकता सामाजिक सामंजस्य की क्षमता चारित्रिक सत्यानिष्ठा स्वतः प्रेरणा और नेतृत्व की योग्यता का भी मूल्यांकन किया जाता है।

11. माध्याह्निक के बाद प्रत्येक उम्मीदवार को लिखित परीक्षा और व्यक्तिगत परीक्षण के अंकों के क्रमशः 66 2/3% और 33 1/3% का महत्व देते हुए कुल मिलाकर प्राप्त अंकों के आधार पर उम्मीदवारों की योग्यता के क्रम से आयोजित द्वारा उनकी एक सूची तैयार की जाएगी और जितने उम्मीदवारों को

22—226GI/82

परन्तु अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण रिक्तियों से सामान्य स्तर के आधार पर जितनी रिक्तियाँ नहीं भरी जा सकती हैं उतनी के लिए स्तर में छूट देकर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को आयोग द्वारा अनुशंसित किया जा सकता है बशर्ते कि परीक्षा में उनको योग्यता के तम से निरपेक्ष रूप से बे हिसाब में नियुक्ति के योग्य हों।

1.2. परीक्षा में बैठे उम्मीदवारों को व्यक्तिगत रूप से उनका परीक्षा परिणाम किस प्रकार और किस रूप में सूचित किया जाये इसका निर्णय आयोग स्वयं अपने विवेक से करेगा और परीक्षा, परिणाम के सम्बन्ध में आयोग उसके साथ कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

1.3 हम नोटिस के उपबन्धों के अधीन मकसदा प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की नियुक्ति पर आयोग द्वारा उनकी योग्यता के क्रम से तैयार की गई सूची और उनके द्वारा अपने आवेदन पत्रों में विभिन्न पदों के लिये बताई गई क्षरीयता के आधार पर बिचार किया जायेगा।

14. परीक्षा में सफल होने मात्र से नियुक्ति का कोई अधिकार तब तक प्राप्त नहीं होता जब तक आवश्यक पृष्ठताथ के बाद सरकार इस बात से सन्तुष्ट न हो कि उम्मीदवार अपने चरित्र और पूर्व कृत के आधार पर उक्त सेवा में नियुक्ति के लिये सदैवथा उपयुक्त है । उम्मीदवार को नियुक्ति के लिये यह भी एक शर्त होगी कि उसके अनिवार्य रोटेटिंग इन्टरशिप सफलतापूर्वक पूरी कर लेने के सम्बन्ध में नियुक्ति प्राधिकारी सन्तुष्ट हो ।

15 उम्मीदवार का मन और शरीर से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें ऐसी कोई भी शारीरिक कमी नहीं होनी चाहिए जो उन्नत सेवा के अधिकारी के रूप में कार्य करने में बाधक सिद्ध हो सके। सरकार या नियुक्ता प्राधिकारी जैसी भी स्थिति हो द्वारा निर्धारित इस प्रकार की शारीरिक परीक्षा में जो उम्मीदवार इन अपेक्षाओं की पूर्ति नहीं कर पाता है, उसकी नियुक्ति नहीं होगी। व्यक्तित्व परीक्षण के लिये योग्य घोषित किये गये सभी उम्मीदवारों को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित ब्रिटिसा बोर्ड के पास शारीरिक परीक्षा के लिये भेजा जायेगा।

16 कोई भी व्यक्ति—

(क) जो किसी ऐसे व्यक्ति के साथ वैवाहिक सम्बन्ध बना लेता है या इस सम्बन्ध में कारगर कर लेता है जिसका कोई पति या पत्नी जीवित है या

(क) पति या पतिन के जीयिन हाने हुए किसी दूसरे व्यक्ति से वैवाहिक सम्बन्ध बना लेता है या हम सम्बन्ध में कोई करार कर लेता है :

हम सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होंगे।

परन्तु यदि केल्ट्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि इस प्रकार का विवाह उस व्यक्ति और विवाह से सम्बन्धित दूसरे व्यक्ति पर लागू वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के-और भी आधार मौजूद हैं तो किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकता है।

17. उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिये अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

18. आयोग अपनी विषया पर परीक्षा के लिये अर्हक (क्वालीफाइंग)
अर्ह निर्धारित कर सकता है।

1. आयोग के साथ पत्र-व्यवहार

निम्नलिखित को छोड़ कर आयोग अन्य किसी भी मामले में उम्मीदवार के साथ पत्र-व्यवहार नहीं करेगा—

- (i) आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन-पत्र जिसमें देश में प्राप्त आवेदन पत्र भी सम्मिलित हैं, की पावती दी जाती है तथा आवेदन पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन पत्राकरण सख्या जारी की जाती है। इस तथ्य का कि उम्मीदवार का आवेदन पत्राकरण सख्या जारी कर दी गई है अपने आप यह मतलब नहीं है कि आवेदनपत्र सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है यदि परीक्षा में सम्बन्धित आवेदन-पत्रों की प्राप्ति की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिये आयोग में तत्काल सम्पर्क करना चाहिए।
- (ii) इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता है कि आवेदन पत्र का परिणाम कब सूचित किया जायेगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने के पहिले तक उम्मीदवार को अपने आवेदनपत्र के परिणाम के बारे में मध्य लोक सेवा आयोग में कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो तब अपने मामले में विचार किये जाने के बारे में बर्तन हो जायेगा।

- (iii) किसी भी उम्मीदवार का उक्त परीक्षा में तब तक प्रवेश नहीं दिया जायेगा जब तक उसके पास प्रवेश प्रमाण पत्र न हो।

केवल इस तथ्य का कि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के लिए प्रवेश प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया है यह अर्थ नहीं होगा कि आयोग द्वारा उसकी उम्मीदवारी अन्तिम रूप में दीय मान ली गई है या कि उम्मीदवार द्वारा अपने प्रारम्भिक परीक्षा के आवेदन पत्र में की गई प्रविष्टियाँ आयोग द्वारा सही और ठीक मान ली गई हैं। उम्मीदवार ध्यान रखें कि आयोग उम्मीदवार के लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिये अर्हता प्राप्त करने के बाद ही उसकी पात्रता की शर्तों का मूल प्रलेखों में सत्यापन का मामला उठाना है। आयोग द्वारा औपचारिक रूप में उम्मीदवारों की पुष्टि कर दिए जाने तक उम्मीदवारी अन्तिम रहेगी।

उम्मीदवार उक्त परीक्षा में प्रवेश का पात्र है या नहीं है इस बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

उम्मीदवार ध्यान रखें कि प्रवेश प्रमाण पत्र में दर्शा-कही नाम तकनीकी कारणों से संक्षिप्त रूप में लिखे जा सकते हैं।

- (iv) उम्मीदवार का इस बात की व्यवस्था बन लेनी चाहिए कि उसके आवेदन पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करे, पते में किसी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है, किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

महत्वपूर्ण—आयोग के साथ सभी पत्र-व्यवहार में नीचे लिखा व्योरा अनिवार्य रूप से होना चाहिए

1. परीक्षा का नाम।

2. आवेदन पत्राकरण सं० अथवा उम्मीदवार के जन्म की तारीख यदि आवेदन पत्राकरण संख्या/अनुक्रमिक सूचित नहीं किया गया है

3. उम्मीदवार का नाम (पूरा नाम सहित अक्षरों में)

4. आवेदन-पत्र में दिया गया डाक का पता

विशेषध्यान (i) जिन पक्षों में यह व्योरा नहीं होगा, मध्य है कि उन पर ध्यान न दिया जाए।

विशेष ध्यान (ii) यदि किसी उम्मीदवार में कोई पत्र/संप्रेषण परीक्षा का चुकने के बाद प्राप्त होता है तथा उसमें उसका पूरा नाम, अनुक्रमिक नहीं है तो इस पर ध्यान न देने हुए कोई कार्रवाई नहीं की जायेगी।

5. आवेदन पत्र प्राप्त करने के बाद उम्मीदवारी की शपथी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।

6. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं पर भर्ती की जा रही है उनके संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट-I में दिये गये हैं।

वित्त आ, संयुक्त सचिव

परिशिष्ट-I

इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है, उनके संक्षिप्त विवरण नीचे दिए गए हैं—

I. रेलवे में गृहयुक्त प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी

(क) पद अस्थायी है और ग्रुप 'क' में है। पद का वेतनमान रु० 700-40-900 द० रोज 40-1100-50-1250-द० रोज 50-1600 (परिभाषित वेतनमान) है। इसके अलावा समय-समय पर प्रयुक्त आदेशों के अनुसार प्रतिबन्धित प्रैक्टिस निषेध भत्ते भी होंगे। फिलहाल ये दत्त चालू हैं—

1-5 स्टेज	रु० 150-प्र० मा०
6-10 स्टेज	रु० 200-प्र० मा०
11-15 स्टेज	रु० 250-प्र० मा०
16वीं स्टेज से आगे	रु० 300-प्र० मा०

निजी प्रैक्टिस को प्रतिबन्धित या निषिद्ध करते हुए समय-समय पर रेलवे भन्तालय या अन्य उच्च प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए आदेशों का पालन करने के लिए उम्मीदवार बाध्य होगा। जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में हैं उनका उपर्युक्त वेतनमान से नियमानुसार प्रारम्भिक वेतन दिया जायेगा। दूसरे लोगों को उपर्युक्त वेतनमान का न्यूनतम वेतन दिया जायेगा।

(ख) उम्मीदवार को दो साल की परीक्षा पर नियुक्त किया जायेगा और आवश्यक समझा जाये तो सरकार उस अवधि को आगे बढ़ा सकती है। परीक्षा की अवधि को संतोषजनक रूप से समाप्त करने पर वह अस्थाई हैसियत में उनको आगे चलाया जायेगा।

(ग) परीक्षा की अवधि में और उसके बाद अस्थायी नियुक्ति के दौरान दाता तरफ से एक महीने के नोटिस के द्वारा नियुक्ति का समाप्त किया जा सकता है। नोटिस के बदले एक महीने का वेतन देने का अधिकार सरकार अपने पास रखेगी।

(घ) उम्मीदवार को रेलवे संचालन द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और सभी विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना पड़ेगा।

(ङ) उम्मीदवार रेलवे पेंशन नियमों से नियंत्रित होगा और राज्य रेलवे संचालन निधि (रेल-अंशदायी) के समय-समय पर लागू नियमों के अधीन उस निधि का सदस्य बनेगा।

(च) उम्मीदवार समय-समय पर प्रवर्तित और अपने स्तर के अधिकारियों पर लागू अवकाश नियमों के अनुसार अवकाश का अधिकारी होगा।

(छ) उम्मीदवार समय-समय पर प्रवर्तित नियमों के अनुसार निष्पक्ष रेलवे पास और विशेष टिकट आदेशों का अधिकारी होगा।

(ज) उम्मीदवार को उसकी नियुक्ति के बाद दो साल के अन्तर हिन्दी परीक्षा में उत्तीर्ण होना पड़ेगा।

(झ) नियमानुसार, उपर्युक्त पद पर नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति को अपेक्षित होने पर किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा से संबंधित किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए काम करना पड़ सकता है जिसमें किसी प्रशिक्षण पर व्यतीत अवधि शामिल है।

परन्तु उस व्यक्ति को

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वावृत्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ख) सामान्यतः 45 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वावृत्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) संगणनीय सेवा—जो व्यक्ति उन नियमों के अधीन उन पदों पर नियुक्त होते हैं जिन पर भारतीय रेलवे स्थापना संहिता के नियम 2423 क [कि० से० नि० 104 (ख)] में निर्धारित शर्तें लागू होती हैं, वे उस नियम में निहित उपबन्धों के लाभ के पात्र होंगे।

(ट) जो कामें ऊपर विनिर्दिष्ट रूप से नहीं गई हैं उनमें और अन्य मामलों में उम्मीदवार भारतीय रेलवे स्थापना संहिता और समय-समय पर परिणोदित/प्रवर्तित नियमों के अधीन कार्य करेगा।

(ठ) प्रारम्भ में उम्मीदवार को पार्ष्वस्थ स्टेशनों के रेलवे स्वास्थ्य केन्द्रीय औषधालयों में नियुक्त किया जायेगा। सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारियों को किसी भी रेलवे में स्थानान्तरित भी किया जा सकता है।

(ड) उच्चतर ग्रेडों में वेतनमानों और भत्तों सहित पदोन्नति के अवसर

(i) ऐसे सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी जिन्होंने उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति के बाद पांच वर्ष की सेवा कर ली है, प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी (वरिष्ठ वेतनमान) के पदों पर पदोन्नति के पात्र है। इन पदों का वेतनमान रु० 1100-1800 है। जिसके साथ 1 सेन 9 तक की अवस्थाओं तक रु० 300/- प्रति मास सीमित प्रैक्टिस निषेध भत्ता तथा 10 अवस्था से आगे रु० 350/- प्र० मा० प्रैक्टिस निषेध भत्ता ग्राह्य है।

(ii) ऐसे प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी/वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी जिन्होंने उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति के बाद पांच वर्ष की सेवा कर ली है, चिकित्सा अधीक्षकों के पदों पर पदोन्नति के पात्र है। इन पदों का वेतनमान रु० 1500-2000 है तथा साथ में रु० 500/- प्र० मा० प्रैक्टिस निषेध भत्ता ग्राह्य है।

(iii) जैसा कि समय-समय पर विहित किया जाता है रु० 1500-2000 के ग्रेड में सेवा वर्षों की संख्या आधारे पर चिकित्सा अधीक्षक/अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पदों पर पदोन्नति के पात्र हो जाते हैं। इस पद का वेतनमान रु० 2250-2500 है तथा साथ में रु० 500/- प्र० मा० प्रैक्टिस निषेध भत्ता ग्राह्य है।

(iv) ऐसे अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी जिन्होंने उक्त ग्रेड नियमित नियुक्ति के बाद दो वर्ष की सेवा कर ली, मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद पर पदोन्नति के पात्र है। इस पद का वेतनमान रु० 2500-2750 है तथा साथ में रु० 500/- प्र० मा० प्रैक्टिस निषेध भत्ता ग्राह्य है।

(ड) कर्तव्य और दायित्व :—

सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी :

(i) वह प्रतिदिन और आवश्यक होने पर भीतरी बाड़ों और बहारी चिकित्सा विभाग का काम देखेगा।

(ii) वह लागू विनियमों के अनुसार उम्मीदवार और सेवागत कर्मचारियों को शारीरिक परीक्षा करेगा।

(iii) वह अपने अधिकार क्षेत्र में परिवार नियोजन, लोक स्वास्थ्य और स्वच्छता का काम देखेगा।

(iv) वह सामान विद्येताओं की जांच करेगा।

(v) वह अस्पताल के कर्मचारियों में अनुशासन और कर्तव्य पालन के लिये उत्तरदायी होगा।

(vi) वह अपनी विशेषज्ञता से सम्बद्ध कार्य, यदि कोई हो करेगा और अपनी विशेषज्ञता से संबंधित विवरणियाँ और माग पत्र तैयार करेगा।

(vii) वह सभी उपस्करों का रख-रखाव और देखभाल अपने प्रभार में रखेगा।

नोट (1) : जब सहा० प्र० चि० अ० किसी प्रभाग के मुख्यालय में प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी के प्रभार के अधीन नियुक्त किया जाता है तो वह प्रभागीय चिकित्सा के सभी कर्तव्यों में उसे गहायता देगा किन्तु विशेष रूप से उसको कुछ कार्य और दायित्व भी सौंपे जा सकते हैं।

नोट (2) : सहा० प्र० चि० अ० को समय-समय पर सौंपे गये अन्य कर्तव्य भी निभाने होंगे।

II. रक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत आयुध तथा आयुध उपस्कर कारखाना स्वास्थ्य सेवा में सहायक चिकित्सा अधिकारियों के पद—

(क) पद ग्रुप 'क' में अस्थायी किन्तु धर्मावधि स्थायी किया जा सकता है। वेतनमान रु० 700-10-900 द० से० 40-1100-50-1300 है तथा साथ में समय-समय पर लागू आदेशों के अनुसार प्रैक्टिस निषेध भत्ता (प्र० नि० भ०)। इस समय पर निम्नलिखित है—

1-5 स्टेज	रु० 150/- प्रतिमास
6-10 स्टेज	रु० 200/- प्रतिमास
11 स्टेज से आगे	रु० 250/- प्रतिमास

(ख) उम्मीदवार नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष तक परिवीक्षा पर रखा जाएगा। यह अवधि सक्षम अधिकारी की विवक्षा पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परिवीक्षा अवधि समाप्त होने के बाद उसे स्थायी स्थिति पर रखा जायेगा।

(ग) उम्मीदवार को भारत में कहीं भी किसी आयुध कारखाना अस्पताल या औषधालय में रिकत किया जा सकता है।

(घ) किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस करना मना है।

(ङ.) परिवीक्षा की अवधि में और उसके बाद अस्थायी नियुक्ति के दौरान दोनों तरह से एक महीने का नॉटिस देकर नियुक्ति को समाप्त किया जा सकता है। सरकार का नॉटिस के बदले एक महीने का वेतन देने का अधिकार होगा।

(च) उच्चतर ग्रेडों के वेतनमान और भत्तों सहित पदोन्नति के अवसर :—

(i) वरिष्ठ वेतनमान—वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवा

कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/सहायक निदेशक स्वास्थ्य सेवा के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/सहायक निदेशक स्वास्थ्य सेवा के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के लिये पात्र होंगे। वेतनमान रु० 1100-50-1600 है तथा साथ में निम्नलिखित वर्गों पर प्रैक्टिस निषेधभत्ता—

1-3 स्टेज	रु० 250/- प्रतिमास
4-5 स्टेज	रु० 300/- प्रतिमास
6-7 स्टेज	रु० 350/- प्रतिमास
8-9 स्टेज	रु० 400/- प्रतिमास
10-11 स्टेज	रु० 450/- प्रतिमास

(ii) सुपर टाहम ग्रेड II—प्रधान चिकित्सा अधिकारी/उप निदेशक स्वास्थ्य सेवा

वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/सहायक निदेशक स्वास्थ्य सेवा के 5 वर्ष की नियमित सेवा और स्नातकोत्तर योग्यता रखने वाले अधिकारी प्रधान चिकित्सा अधिकारी/उप निदेशक स्वास्थ्य सेवा के सुपर-टाहम ग्रेड-II में पदोन्नति के लिए विचार किये जा सकते हैं। वेतनमान रु० 1500-60-1800-100-2000 है तथा रु० 600/- प्र० मा० की दर से प्र० नि० भ०।

(iii) सुपर टाहम ग्रेड I निदेशक स्वास्थ्य सेवा

प्रधान चिकित्सा अधिकारी और उप-निदेशक स्वास्थ्य सेवा 6 वर्ष की सेवा पूरी कर लेने पर रु० 2250-125/- 2500 प्रतिमास तथा साथ में रु० 600/- प्र० मा० की दर से प्रैक्टिस निषेध भत्ते के वेतनमान वाले निदेशक स्वास्थ्य सेवा के सुपर टाहम ग्रेड-I में नियुक्ति के पात्र होंगे।

(ख) कार्यस्वरूप—(1) सहायक चिकित्सा अधिकारी

- (i) वे प्रतिदिन और आवश्यक होने पर अस्पताल के बाड़ों के विभागों के अन्तर्गत रोगियों और औषधालयों/बहिरंग विभागों के रोगियों को देखेंगे।
- (ii) वे नियमों के अनुसार कर्मचारियों और नौकरी के लिए आने वाले उम्मीदवारों की स्वास्थ्य की परीक्षा करेंगे।
- (iii) वे सभी उपस्करों का रख रखाव और देखभाल अपने प्रभाग में रखेंगे।
- (iv) वे अपने अधिकार क्षेत्र में परिवार कल्याण, माक स्वास्थ्य और कर्मचारियों के औद्योगिक स्वास्थ्य का कार्य देखेंगे।
- (v) वे अस्पताल और औषधालय के कर्मचारियों के प्रशिक्षण अनुशासन और कर्तव्य पालन के लिए उत्तरदायी होंगे।
- (v) वे नियमानुसार प्रभारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य भी करेंगे।

(2) जी० डी० ओ० ग्रेड I—स्वास्थ्य सेवा सहायक निदेशक और वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी

- (क) मुख्यालय में पदस्थ स्वा० से० म० नि०/स्वा० से० उ० के निदेशन पर चिकित्सा सबधी सभी विषयों में कर्तव्य निभाने में उनकी सहायता करेगा।
- (ख) अनुभाग अधिकारी के रूप में चिकित्सा अनुभाग का दैनिकी कार्य करने में वह स्वा० से० नि०/स्वा० से० उ० नि० की सहायता करेगा।
- (ग) समय-समय पर स्वा० से० नि०/स्वा० से० उ० नि० द्वारा सौंपे गए दूसरे कार्य भी उसका करने होंगे।

(घ) चिकित्सा भंडार और उपस्कर में संबंधित सभी प्रश्नों का समाधान करने में वह स्वा० से० नि० की सहायता करेगा।

(ङ) व० चि० अ०—व० चि० अ० 75 पलंग वाले किसी कारखाना अस्पताल और वहाँ की चिकित्सा स्थापना के प्रभारी होंगे।

(च) प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के रूप में चिकित्सा सबधी सभी मामलों में कारखाना महाप्रबन्धक के सलाहकार रहेंगे और आवश्यक अनुशंसा करते रहेंगे।

(छ) नियमानुसार वे कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए चिकित्सा का प्रबन्ध करेंगे।

(ज) वे किसी सविधि या सरकारी आदेश द्वारा निर्धारित या स्वा० से० नि० द्वारा सौंपे गये अन्य कार्य भी करेंगे।

(3) सुपर टाहम ग्रेड II—स्वास्थ्य सेवा उप निदेशक और प्रधान चिकित्सा अधिकारी

(क) मुख्यालय में पदस्थ स्वा० से० उ० नि०/स्वा० से० नि० के द्वारा निर्दिष्ट उनके सभी कार्यों में उनकी सहायता करेगा।

(ख) स्वा० से० नि० की गैर हाजिरी छुट्टी या दौरे की अवधि में वह कारखाना महानिदेशक के आदेशानुसार स्वा० से० नि० के रूप में कार्य करेगा।

(ग) प्र० चि० अ०—प्र० चि० अ०—75 पलंग वाले किसी कारखाना अस्पताल और वहाँ की चिकित्सा स्थापना का प्रभारी चिकित्सा अधिकारी रहेगा।

(घ) प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के रूप में वे चिकित्सा सबधी सभी मामलों में कारखाना महाप्रबन्धक के सलाहकार रहेंगे और आवश्यक अनुशंसा देते रहेंगे।

(ङ) नियमानुसार वे कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिये वे चिकित्सा का प्रबन्ध करेंगे।

(च) किसी सविधि या सरकारी आदेश में निहित या स्वास्थ्य सेवा निदेशक द्वारा सौंपे गये अन्य कार्य भी वे करेंगे।

(4) सुपर टाहम ग्रेड-1—स्वास्थ्य सेवा निदेशक

(क) चिकित्सा और स्वास्थ्य सबधी सभी मामलों में कारखाना महानिदेशक का चिकित्सा सलाहकार—व्यावसायिक और प्रबंधिक समस्त मामलों में कारखाना महानिदेशक संगठन की चिकित्सा स्थापना का नियन्त्रक प्राधिकारी कारखाना महानिदेशक द्वारा प्रदत्त सभी प्रशासनिक अधिकारों का यह उपयोग करेगा।

(ख) सरकार द्वारा स्वीकृत प्रतिवेदन/अनुशंसाओं का कार्यान्वयन करने के लिए यह योजनाएँ तैयार करेंगे।

(ग) नियन्त्रक प्राधिकारी के रूप में वह आवश्यकतानुसार कारखानों में कर्मचारियों का वितरण करेंगे।

(घ) सघ माक सेवा आयाग से सामान्यतः कारखाना महानिदेशक का प्रतिनिधित्व करेंगे।

(ङ) सामान्यतः वर्ष में एक बार वह सभी कारखानों का निरीक्षण करेंगे या करा लेंगे और चिकित्सा स्थापना से संबंधित सभी मामलों में चिकित्सा प्रतिष्ठानों की कार्यविधि के संबंध में कारखाना महानिदेशक को प्रतिवेदन भेजेंगे।

(च) बट्ट स्वा० से० उ० नि० की वार्षिक ग्रापनीय रिपोर्ट लिखेंगे और समस्त प्र० वि० अ० व० चि० अ० और म० वि० अ० की रिपोर्टों की समीक्षा करेंगे।

7 से 9 स्टेज तक	र० 400 प्र० मा०
10 से 12 स्टेज तक	र० 150 प्र० मा०
13 से 14 स्टेज तक	र० 500 प्र० मा०

3 कन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के अधीन कनिष्ठ वेतनमान के पदों के सञ्चित विवरण

(क) पद अस्थायी है किन्तु अनिश्चित बाल तक चल सकते हैं। उम्मीदवारों को कनिष्ठ ग्रुप 'क' वेतनमान से नियुक्त किया जाएगा और नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष की अवधि तक वे परीक्षा के अधीन रहेंगे। यह अवधि सक्षम प्राधिकारी के निर्णय पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परीक्षा की अवधि की समापनक समाप्ति के बाद उनका यथासमय कनिष्ठ वेतनमान (र० 700-1300) में स्थायी पदों के उपलब्ध होने पर स्थायी बनाया जाएगा।

(ख) उम्मीदवारों का केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा में सम्मिलित किसी भी संगठन के अधीन किसी भी औषधालय या अस्पताल से भारत में कहीं भी नियुक्त किया जा सकता है अर्थात् दिल्ली, बंगलौर, बम्बई, मेरठ आदि में जालू के० म० स्वा० से० कोयला खान/माइका खान श्रम कल्याण संगठन, असम राइफल, अरुणाचल प्रदेश, लक्षद्वीप, अडमान एवं निकोबार द्वीप समूह डाक तार विभाग आदि। प्रयोगशाला और परामर्श सेवा सहित किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस निषिद्ध है।

(ग) निम्नलिखित वेतनमान प्राप्य हैं —

कनिष्ठ ग्रुप 'क' वेतनमान

परिशोधित वेतनमान र० 700-40-900-४० री०-40-1100-50-1300।

	प्रे० नि० भा०
1 — 5 स्टेज	र० 150 प्र० मा०
6 — 10 स्टेज	र० 200 प्र० मा०
11वीं स्टेज से आगे	र० 250 प्र० मा०

जा अधिकारी कनिष्ठ वेतनमान में कम से कम पांच वर्ष की सेवा पूरी करने हों, वे कनिष्ठ वेतन में पदोन्नति के पात्र होंगे।

वरिष्ठ वेतनमान ग्रुप 'क'

परिशोधित वेतनमान	र० 1100-50-1600
	प्रे० नि० भा०
1 से 3 स्टेज तक	र० 250 प्र० मा०
4 से 5 स्टेज तक	र० 300 प्र० मा०
6 से 7 स्टेज तक	र० 350 प्र० मा०
8 से 9 स्टेज तक	र० 450 प्र० मा०
10 से 11 स्टेज तक	र० 450 प्र० मा०

वरिष्ठ वेतनमान से 10 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले अधिकारी र० 1500-2000 के वेतनमान में सुपर टाइम ग्रेड-1 से नियुक्ति के पात्र हों जाएंगे बशर्ते कि उम्मीदवारों के पास स्नातकोत्तर योग्यताओं के साथ आवश्यक योग्यताएँ हों।

विशेषज्ञ का ग्रेड-II

परिशोधित वेतनमान 1100-50-1500-४० री०-60-1800

	प्रे० नि० भा०
1 से 3 स्टेज तक	र० 300 प्र० मा०
4 से 6 स्टेज तक	र० 350 प्र० मा०

विशेषज्ञों के ग्रेड-II—आठ वर्ष की सेवा पूरी करने वाले और आवश्यक योग्यताओं से युक्त अधिकारी पदोन्नति पर भरी जाने वाली 50 प्रतिशत रिक्तियों में विशेषज्ञ के ग्रेड-1 में पदोन्नति के लिए विचार क्षेत्र में आते हैं।

विशेषज्ञों का ग्रेड-1

परिशोधित वेतनमान र० 1500-100-2000/1-5/2-50

प्रे० नि० भा०

सुपर टाइम ग्रेड-II

र० 600 प्र० मा०

परिशोधित वेतनमान र० 1500-60-1800-100-2000

प्रे० नि० भा०

र० 600 प्र० मा०

विशेषज्ञों के ग्रेड-1 या सुपर टाइम ग्रेड-II के पदधारी अधिकारी नियमित रूप से इन में से किसी भी ग्रेड में छह वर्ष की सेवा पूरी करने पर सुपर टाइम ग्रेड-1 स्तर-2 पर पदोन्नति के विचार क्षेत्र में आते हैं।

सुपर टाइम ग्रेड-1 स्तर-II

परिशोधित वेतनमान र० 2500-125/2-2750

प्रे० नि० भा०

र० 600 प्र० मा०

सुपर टाइम ग्रेड-1 स्तर-1

परिशोधित वेतनमान

र० 2500-125/2-275

प्रे० नि० भा०

र० 600 प्र० मा०

सुपर टाइम ग्रेड-1 स्तर-1 में भी रिक्तियों को उन्हें अधिकारियों से भरा जाएगा जो सुपर टाइम ग्रेड-1 स्तर-2 में दो वर्ष की सेवा पूरी कर चुके हों। अगर यह संभव नहीं हुआ तो सुपर टाइम ग्रेड-1 स्तर-2 और विशेषज्ञों के ग्रेड-1 सुपर टाइम ग्रेड-2 में कुल मिलाकर 8 वर्ष की सेवा से युक्त या वह भी संभव नहीं हुआ तो विशेषज्ञों के ग्रेड-1 और सुपर टाइम ग्रेड-II में से किसी भी ग्रेड में आठ वर्ष की सेवा से युक्त अधिकारियों से भरा जाएगा।

4 ज़किल्ता अधिकारी, दिल्ली नगर निगम

(1) वर्ग 'क' का उक्त पद अस्थायी है किन्तु यथाशीघ्र स्थायी हो सकता है। वेतनमान र० 700-40-900-४० री०-40-1100-50-1300 तथा माघ से समय समय पर लागू आदेशों के अनुसार प्रतिबद्धित प्रैक्टिस निषेध भत्ता (एन० पी० ए०) हम समय दर इस प्रकार है —

1-5 स्टेज	—	र० 150/- प्र० मा०
6-10 स्टेज	—	र० 200/- प्र० मा०
11 स्टेज तथा इससे आगे		र० 250/- प्र० मा०

(11) उम्मीदवार नियुक्ति की तारीख से 2 वर्ष की अवधि तक परीक्षाधीन रहेगा। यह अवधि सक्षम प्राधिकारी की निगरानी पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परीक्षाधीन अवधि के समापनक समाप्ति पर वह तब तक अस्थायी पद पर रहेगा जब तक स्थायी रिक्ति पर स्थायी किया जाता है।

(111) उम्मीदवार की नियुक्ति दिल्ली नगर निगम के अधिकार-क्षेत्र के अन्तर्गत कहीं भी किसी अस्पताल/डिस्पेंसरी/मातृ और शिशु कल्याण

तथा परिवार कल्याण केन्द्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र आदि में की जा सकती है।

(iv) किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस करना मना है।

(v) परीक्षा तथा उसके बाद अस्थायी हैसियत में नियोजन की अवधि के दौरान किसी भी तरफ से एक महीने का नोटिस देकर नियुक्ति

समाप्त की जा सकती है। दिल्ली नगर निगम को नोटिस के बदले में एक महीने का वेतन देने का अधिकार है।

उष्णतर श्रेष्ठों में परामर्श की सभाबनाए, जिनमें वेतनमान तथा भत्ते सम्मिलित है, भर्ती विनियमों के उपबन्धों के अनुसार होंगी।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 16 Puly 1982

No. P/1782-Admn.II.—In continuation of this office Notification No. P/1782-Admn.II, dated 3rd may, 1982, Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri D. R. Sarin, an Accounts Officer in the office of the Accountant General, Haryana, Chandigarh, as Finance & Budget Officer in the office of the Union Public Service Commission for a further period from 1-7-1982 to 31-5-1983 or until further orders whichever is earlier. Shri Sarin will not be entitled to draw any deputation (duty) allowance during the period covered by this notification.

2. This issues with the approval of Department of Personnel & Administrative Reforms *vide* their letter No. 39017/2/81-Estt.(B) dated 2-6-1982 and also with the concurrence of Accountant General, Haryana *vide* their letter No. Admn.I/GO/PF/IRS/2626 dated 13-7-1982.

The 6th August 1982

No. A. 12019/3/80-Admn.II.—In continuation of this office Notification of even number dated 22-4-1982, the Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints the following permanent Research Assistants (Languages) of the office of Union Public Service Commission to the *ex-cadre* post of Junior Research Officer (Languages) in the Commission's Office on an *ad hoc* basis for a further period of three months *w.e.f.* 5-8-1982 to 4-11-1982 or until further orders whichever is earlier :—

1. Kumari K. Bandyopadhyay
2. Shri M. L. Varadpande
3. Shri B. Ghosh
4. Shri S. B. Kodad
5. Shri A. N. Sarma

The above mentioned persons should note that their appointment to the post of Junior Research Officer (Languages) is purely on *ad hoc* basis and will not confer upon them any title for absorption or seniority in the grade of Junior Research Officer (Languages).

KULDEEP KUMAR
Section Officer
for Secretary
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.)

LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

Mussoorie, the 19th July 1982

No. 2/6/81-FST.—In continuation of Ministry of Home Affairs, Deptt. of Personnel and AR's Notn, No. 13019/9/81-Trg. II dated 17-3-1982, the *ad-hoc* appointment of Smt. Manilika Singh to the post of Asstt. Professor of Hindi in the IBS National Academy of Administration, Mussoorie, is hereby extended for a further period of six months with effect from 4th August, 1982 or till the post is filled up on a regular basis, whichever is earlier.

S. S. RIZVI
Dy. Director (Senior)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 10th August 1982

No. 1-24/82-CFSL(Ad V.)—The President is pleased to appoint Shri Hardan Singh, Senior Scientific Asstt. (Documents), Central Forensic Science Laboratory, New Delhi as Senior Scientific Officer (Documents) in the Central Forensic Science Laboratory, Central Bureau of Investigation at

Scientific Aid Unit C.B.I. Madras Branch in a temporary capacity *w.e.f.* forenoon of 21st July, 1982 until further orders.

R. S. NAGPAL
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi, the August 1982

No. O.II-1234/75-Estt.—The President is pleased to allow Shri Man Singh, Dy. S. P., of CRPF to retire voluntarily from service under Rule 43(d) of CRPF Rules.

2. Shri Man Singh relinquished charge of the post of Dy. S. P. 55 Bn on 30-6-82 (AN).

A. K. SURI
Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 17th August 1982

No. 11/91/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Omesh Saigal, an officer belonging to the Union Territories Cadre of the Indian Administrative Service and at present holding the post of Administrator, Union Territory of Lakshadweep, as Director of Census Operations Lakshadweep, Ernakulam, Cochin in *ex officio* capacity with effect from the afternoon of the 21st July, 1982, until further orders.

The headquarters of Shri Omesh Sehgal will be at Cochin.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 30th July 1982

No. 8 FC 2(6)-A/82.—Consequent on his transfer from the Department of Expenditure (Civil), New Delhi, Shri B. M. Vedi, a Grade 'C' Stenographer of the C.S.S.S. and officiating as Grade 'B' Stenographer of C.S.S.S., has been appointed as Senior Personal Assistant in the scale of Rs. 650-1040 in the Eighth Finance Commission on deputation basis with effect from the forenoon of 1st July, 1982 and until further orders.

The 31st July 1982

No. 8 FC 2(7)-A/82.—Consequent on his transfer from the Department of Expenditure, New Delhi, Shri G. P. Sahni, Research Officer, has been appointed as Research Officer in the scale of Rs. 700-1300 in the Eighth Finance Commission with effect from the forenoon of 1st July, 1982.

No. 8 FC 2(7)-A/82.—Consequent on this transfer from the Department of Expenditure (Defence Division), New Delhi, Shri M. N. Sharma, Sr. P. A. has been appointed as Private Secretary in the scale of Rs. 1100-1600 in the Eighth Finance Commission with effect from the forenoon of 29th July, 1982 and until further orders.

No. 8 FC 2(9)-A/82.—Consequent on his transfer from the Department of Revenue, New Delhi, Shri P. L. Gambhir, Research Officer has been appointed as Research Officer in the scale of Rs. 700-1300 in the Eighth Finance Commission with effect from the afternoon of 21st July, 1982 and until further orders.

N. V. KRISHNAN
Secretary

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR
GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 10th August 1982

No. C.A.I/75-73.—On attaining the age of superannuation Shri S. N. Srivastava, Audit Officer (Comm.) serving in the

Office of the Accountant General, Rajasthan, Jaipur has retired from service with effect from 31-5-1982.

M. A. SOMESWARA RAO
Joint Director (Commercial)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT,
CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 16th August 1982

No. Admn.I/O.O.223.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri B. D. Saihgai permanent Audit officer of this office will retire from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 31-8-1982. His date of birth is 1st September, 1924.

A. S. MOHINDRA
Joint Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum, the 10th August 1982

No. Estt/A/VII/9.86/Vol.II/90.—The Accountant General, Kerala is pleased to appoint Shri T. C. George Permanent Section Officer (Audit & Accounts) to officiate as Accounts Officer with effect from 3-8-82 F. N. until further orders.

S. GOPALAKRISHNAN
Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I,
MADHYA PRADESH

Gwalior, the 2nd August 1982

No. OE I/GOs—Promotion/173.—The Accountant General-Madhy Pradesh has been pleased to promote the under-mentioned officiating Section Officer as Accounts officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date noted against his name :—

Sl. No.	Name	Permanent No.	Date of joining	Allocated to
1.	Shri Pati Ram S/o Bhop Raj	02/1596	2-8-1982 F.N.	

(Authority : A.G.I & AG. II's order dated 2-8-1982).

B. K. ROY
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I,
RAJASTHAN

Jaipur, the 10th August 1982

No. Admn.II/Gaz. Notfn./400.—The Accountant General is pleased to promote Shri Chet Ram Sharma, Selection Grade Section Officer of this office and appoint him as officiating Accounts Officer with effect from 19-7-82 (FN) until further orders.

M. S. SHEKHAWAT
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT,
DEFENCE SERVICES

New Delhi-110001, the 10th August 1982

No. 2342/A. Admn/130/82.—The Director of Audit, Defence Service is pleased to appoint the undermentioned Substantive Section Officer (Audit) to officiate as Audit Officer, until further orders, from the dates noted against each:—

Sl. No.	Name	Office in which appointed	Date of appointment
1	2	3	4
1.	Shri V. N. Chugh	Jt. Director of Audit, Defence Services (AF), Dehra Dun.	14-7-1982

1	2	3	4
2.	S. P. Mathur	Jt. Director of Audit, Defence Services, Central Command, Meerut Cantt.	22-7-1982

R. S. GUPTA
Joint Director of Audit, D. S.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 13th August 1982

No. AN/I/1681/5/Vol.I.—Shri C. V. Reddi, IDAS, who will be attaining the age of 58 years on 16-10-1982 (his date of birth being 17-10-1924) will be transferred to the Pension Establishment effect from 31-10-82 (AN) and shall accordingly be struck off the strength of Defence Accounts Department w.e.f. 31-10-1982 (AN) in terms of FR 56 (a).

R. K. MATHUR
Addl. Controller General of Defence Accounts (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 12th August 1982

No. 39/82/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri K. G. Nair, Offg. Deputy Manager (Subst. & Permt. Foreman) retired from service with effect from 31st July, 1982 (AN).

V. K. MEHTA
Director

Calcutta, the 4th August 1982

No. 10/82/A/E-1.—On attaining the age of superannuation Shri Goverdhan Lal, Subst. & Permt. Assistant Offg. Assistant Staff Officer retired from service with effect from 31-7-82 (A.N.).

D. R. IYER
D. D. G. O. F./Personnel

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 27th July 1982

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
ESTABLISHMENT

No. 6/318/55-Admn(G)/4313.—Shri M. F. R. Bijli officiating Joint Chief Controller of Imports and Exports in this office is permitted to retire voluntarily from Government service with effect from the forenoon of the 16th July, 1982 in terms of Rule 48 of CSS (Pension) Rules, 1972.

V. SESHAN
Joint Chief Controller of Imports and Exports
For Chief Controller of Imports and Exports.

New Delhi, the 31st July 1982

No. 1/2/82-ADMN(G)/4379.—The President is pleased to appoint Shri J. P. Singhal, an officer of Section Officers grade and officiating in Grade I of the CSS to continue to officiate until further orders as Deputy Chief Controller of Imports and Exports (of CSS) in the Office of the Chief

Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from 1st September, 1981.

A. S. KAUI
Dy. Chief Controller of Imports and Exports

New Delhi, the 19th June 1982

No. 6 1103/75-ADMN(G)/3741.—On attaining the age of superannuation Shri K. C. Burman, officiating Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta, has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 30th April, 1982.

The 11th August 1982

No. 6 492 58-ADMN(G)/4567.—Shri R. C. S. Menon officiating Joint Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st July, 1982.

J. K. MATHUR
Dy. Chief Controller of Imports and Exports
For Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 31st July 1982

No. A-31013/1/82-Admn(G)—The President is pleased to appoint the following officers to the post of Assistant Director (Gr. I) (Chemical) in the Small Industries Development Organisation in a substantive capacity with effect from the dates indicated against each:—

Sl. No.	Name of the officer	Date from which appointed in a substantive capacity
1.	Shri D.N. Kaul	23-1-66
2.	Shri S.N. Dhir	1-4-67
3.	Shri N. K. Guha	17-5-68
4.	Shri Basant Kumar	9-5-69
5.	B. N. Bahl	1-4-72
6.	J. Sengupta	1-4-72
7.	Dr. R.B. Parmarthi	1-4-72
8.	Shri P. M. Rao	27-4-74
9.	Shri Sheoraj Singh	1-2-75
10.	Shri S.L.N. Rao	1-2-75
11.	Shri Mathura Prasad	4-1-76
12.	Shri R. Pichumani	25-7-76
13.	Shri R.R. Deshpande	18-8-77
14.	Shri R.N. Sarma	4-3-78

C. C. ROY
Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 9th August 1982

No. A-1/1 (1985).—The President is pleased to appoint Shri Ravi Gupta, Assistant Director of Supplies (Grade III of Indian Supply Service, Group 'A') to officiate as Deputy Director of Supplies (Grade II of Indian Supply Service, Group 'A') on ad-hoc basis for a period of two months 23—226GI/82

with effect from the forenoon of 12-7-1982 in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi.

2. The ad-hoc appointment of Shri Ravi Gupta as Deputy Director will not bestow on him any claim for regular appointment and that ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

S. L. KAPOOR
Dy. Director (Administration)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 5th August 1982

No. 5603B/2181(SMA)/19B.—Shri S. M. Azhar, Asstt. Chemist, Geological Survey of India retired voluntarily with effect from 30-4-1982 (AN).

J. SWAMI NATH
Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 9th August 1982

No. A. 19011(226)/78-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission the President is pleased to appoint Shri A. T. Sutaone, Assistant Ore Dressing Officer to the post of Deputy Ore Dressing Officer in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity w.e.f. the forenoon of 24th July, 1982.

The 10th August 1982

No. A. 19012(151)/82-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri C. M. Magotra, Superintendent is promoted to officiate as Assistant Administrative Officer in Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 21st July, 1982.

The 11th July 1982

No. A. 19011(234)/82-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri M. N. Makode, Assistant Ore Dressing Officer to the post of Deputy Ore Dressing Officer in Indian Bureau of Mines in the officiating capacity with effect from the afternoon of 6th May, 1982.

No. A.19011(307)/82-Estt.A.—On the recommendation of Union Public Service Commission the President is pleased to appoint Shri S. B. Gaidhani, Asstt. Ore Dressing Officer, to the post of Deputy Ore Dressing Officer in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity w.e.f. the afternoon of 24th July, 1982.

The 13th August 1982

No. A. 19011(296)/81-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri R. N. Meshram, Junior Hydrogeologist, Central Ground Water Board to the post of Assistant Mineral Economist (Int.) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 12th July, 1982

the 16th August 1982

No. A. 19012(139)/80-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission the President is pleased to appoint Shri B. S. Moroney, Asstt. Chemist to the post of Chemist in Indian Bureau of Mines in the officiating capacity with effect from the forenoon of 20th May, 1982.

No. A. 19011(305)/82-Estt.A.—On the recommendation of Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri M. Syed Riyaz Ulla, Assistant Research Officer (Ore Dressing) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in Indian Bureau of Mines in the officiating capacity with effect from the forenoon of 14th June, 1982.

B. C. MISHRA
Head of Office
Indian Bureau of Mines.

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun-248001, the 16th August 1982

No. C-5851/594.—Shri Bhagwan Singh, Technical Assistant (Sel. Gd.) who was appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction (Group 'B' post), Survey of India on ad hoc basis vide this office Notification No. C-5779/594 dated 20th December, 1981, is appointed to officiate as such on regular basis with immediate effect

G. C. AGARWAL
Major General
Surveyor General of India.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 7th July 1982

No. A. 39012/1/82-Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to accept the resignation of Dr. (Smt.) Avinash Talwar, Dental Surgeon, Central Government Health Scheme with effect from the afternoon of 27th March, 1982 (AN).

The 10th July 1982

No. A. 31013/1/81-Admn. I.—The President is pleased to appoint the following Officers in the post of Staff Surgeons (Dental) under the Central Govt. Health Scheme, in a substantive capacity with effect from the date mentioned against each :—

1. Dr. Balraj Sur—with effect from 1st January, 1978.
2. Dr. G. L. Subhwal—with effect from 5th October, 1981.

T. C. JAIN
Dy Director Administration (O&M)

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 7th August 1982

No. A-19023/24/78/A.III.—The Services of Shri J. K. Bhattacharya M.D.O. of this Directorate at Faridabad, have been placed at the disposal of the Govt. of Libya as Refrigeration Engineer for a period of one year w.e.f. 30-11-1981 (A.N.) to 30-11-1982 (A.N.) on transfer out of India on foreign service terms.

G. S. SHUKI A
Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India
Bombay-400 094.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 6th August 1982

No. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Govind Vishnu Mandke, officiating Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer on ad-hoc basis in this Research Centre for the period from 24-5-82 (FN) to 25-6-82.

The 7th August 1982

No. Ref : PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Abdul Karim Mohiuddin Naik, Assistant Accountant, to officiate as Assistant Accounts Officer (Rs. 650-960) in this Research Centre on ad-hoc basis for the period from 1-7-82 (FN) to officiate on an ad-hoc basis for the period from 1-7-82 (FN) to 31-7-82 (AN)

No. Ref : PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Gopalan Krishnamurthy, Stenographer (SG) to officiate as Assistant Personnel Officer on ad-hoc basis in this Research Centre for the period from 11-6-82 (FN) to 20-12-82 (AN) or until further orders whichever is earlier.

B. C. PAI
Dy. Establishment Officer

Registered A.D.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF ESTATE MANAGEMENT

Bombay-400094, the 5th July 1982

ORDER

No. 10 340/73-Adm.—WHEREAS SHRI J. S. LODHI, Helper 'A' (Safalwala) in the Workcharged Establishment of D.E.M. has remained absent from duty unauthorisedly w.e.f. 17-8-1981.

AND WHEREAS the following memoranda sent by registered A/D to Shri Lodhi to the last known addresses at Bombay and Haryana have been returned undelivered by the Postal authorities with remarks "unclaimed":

- (1) Memorandum dated 17th October, 1981 directing Shri Lodhi to report for duty forthwith.
- (2) Memorandum dated November 20 1981 proposing to take action against Shri Lodhi and giving him an opportunity to make representation, if any within 10 days of the receipt of the said memorandum ..

AND WHEREAS the said Shri Lodhi has continued to remain absent from duty and failed to inform the Directorate of Estate Management of his whereabouts

AND WHEREAS the said Shri Lodhi has been guilty of remaining absent and voluntarily abandoning the service.

AND WHEREAS because of his abandoning the service without keeping the Directorate of Estate Management informed of his present whereabouts the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an enquiry

AND NOW THEREFORE the undersigned hereby dismisses the said Shri Lodhi from service with immediate effect.

H. N. SAXENA
Administrative Officer

Copy to : 1. Shri J. S. Lodhi, Chawl No. 16, Room No. 236, Bharat Nagar, Bandra (East), Bombay-400 051.
2. Shri J. S. Lodhi, Village & Post Sanghl., Dist. Rohtak, Haryana State.

Registered A.D.

Bombay-400 094, the 6th August 1982

ORDER

No. 2/603/77-Adm.—WHEREAS Shri D. V. Rajapkar, Helper 'A' DEM has been absents himself from duty without permission from 12-4-1982.

AND WHEREAS the memorandum No. 2/603/77-Adm. dated July 7, 1982 sent by registered A/D to Shri Rajapkar to the last known addresses at Bombay and Ratnagiri has been returned undelivered by the Postal authorities with the remarks "not known".

AND WHEREAS the said Shri Rajapkar has continued to remain absent from duty and failed to inform the Directorate of Estate Management of his whereabouts.

AND WHEREAS the said Shri Rajapkar has been guilty of remaining absent and voluntarily abandoning the service.

AND WHEREAS because of his abandoning the service without keeping the Directorate of Estate Management informed about his whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not practicable to take action provided for in the CCS (CCA) Rules, 1965.

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred vide DAE Notification No. 22(1)/68-Adm. II dated 7th July 1979 and Rule 19(ii) of the CCS (CCA) Rules, 1965 hereby dismisses the said Shri Rajapkar from service with immediate effect

H. N. SAXENA
Administrative Officer

Copy to : 1. Shri D. V. Rajapkar, Bhagya Shiva Jadhav Chawl No. 208/34, Undirai Road, Rajpada Malad (West), Bombay-64.

2. Shri D. V. Rajapkar, At & Post : Girav Redeband, (Via) Vijaydrug, Taluka Deogad, Dist Ratnagiri.

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 9th August 1982

No. DPS/23, 4, 82-Est./17300.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Pandharinath Hari Swant temporary Purchase Assistant of this Directorate to officiate as Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-40-1200 on an ad-hoc basis in the same Directorate with effect from May 10, 1982 (FN) to June, 1982 (AN) vice Shri C. S. Shivaramu, Assistant Purchase Officer granted leave.

K. P. JOSEPH
Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 10th August 1982

No. PAR/0704/3023.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex appoints Shri P. Venkata Rao, UDC to officiate as Assistant Personnel Officer on ad-hoc basis against a leave vacancy in Nuclear Fuel Complex from 10-8-1982 to 11-9-1982 or until further orders, whichever is earlier.

G. G. KULKARNI
Manager, Personnel & Admn.

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016 the 13th August 1982

No. AMD-1/4/82-Recd.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Parthasarathi Chattopadhyay as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of August 4, 1982 until further orders.

The 16th August 1982

No. AMD-1/1/81-Recd.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri S. Thangavel as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from afternoon of July 19, 1982 until further orders.

T. D. GHADGE
Sr. Administrative & Accounts Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 31st July 1982

No. A-38013/1/82-EA.—Shri S. S. Bevil, Deputy Director Office of the Regional Director, Delhi retired from Government services on the 30-6-1982 on attaining the age of superannuation.

The 5th August 1982

No. A. 35014/1/81-E.I.—In supersession of this Office notification No. A. 35014/1/81-E.I. dated the 5-3-1982, the Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri B. N. Sharma, Audit Officer of the Director of Audit, Central Revenues, New Delhi, as Accounts Officer in the Headquarters Office, New Delhi, on deputation from 26-2-1982 (forenoon) to 29-2-1984, instead of for a period of three years from 26-2-1982 (FN).

The 10th August, 1982

No. A-32013/1/81-EA.—The President is pleased to sanction the continuance of *ad-hoc* appointment of the following Officers to the grade of Senior Aerodrome Officers for the period mentioned against each:—

S. No.	Name	Station	Period
1.	Shri M. M. Saini	DGCA Hqrs	14-2-82
2.	Shri H. S. Chawla	Delhi Hqrs	14-2-82
3.	Shri R. L. Verma	DGCA Hqrs	14-2-82
4.	Shri A. K. Basu	DGCA Hqrs	31-5-82

S. GUPTA
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 2nd August 1982

No. A. 31013/1/82-FW.—The President is pleased to appoint Shri D. Shanmugham as Fire Officer in the Civil Aviation Department in a substantive capacity with effect from 21st July, 1979.

E. I. TRESSLOR
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 7th August, 1982

No. A. 38013/6/82-EC.—The undermentioned eight officers of the Aeronautical Communication Organisation relinquished charge of their office with effect from the date indicated against each on retirement on attaining the age of superannuation:

S. No.	Name & Designation	Station	Date of retirement
	S/Shri		
1.	S. N. Sen, Asstt. Comm. Officer.	ACS, Calcutta	30-4-82 (AN)
2.	K. G. Nair, Asstt. Comm. Officer	ACS, Madras	31-5-82 (AN)
3.	A. N. Kutty Asstt. Comm. Officer.	ACS, Trivandrum	31-5-82 (AN)
4.	A. K. Chowdhury, Asstt. Comm. Officer.	ACS, Calcutta	31-5-82 (AN)
5.	P. M. George, Asstt. Comm. Officer.	ACS, Trivandrum	30-6-82 (AN)
6.	V. K. E. Sharma, Asstt. Comm. Officer.	ACS, Bombay	30-6-82 (AN)
7.	V. S. Gupta, Asstt. Comm. Officer.	ACS, Bombay	30-6-82 (AN)
8.	P. M. Pillai, Asstt. Comm. Officer.	ACS, Madras	30-4-82 (AN)

PREM CHAND
Assistant Director of Admn.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 10th August 1982

No. 1/342/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. R. Srinivasan, Supervisor, Madras Branch as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the periods from 15-3-82 to 3-4-82 and from 5-4-82 to 15-5-82, against short-term vacancies on *ad hoc* basis, and as local arrangement.

No. 1/520/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri D. A. Saldhana, Supervisor, Bombay Branch as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch for the periods from 19-2-82 to 12-3-82 and from 15-3-82 to 31-3-82 against short-term vacancies, on *ad hoc* basis and as local arrangement.

P. K. G. NAYAR
Director (Admn.),
for Director General

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT
DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400 001, the 13th August 1982

No. 3(1)-CRB/82.—On the recommendation of the U.P.S.C. the President is pleased to appoint Shri B.R.C. Prasad as Principal Seamen's Welfare Officer, Calcutta in a temporary capacity with effect from 22-7-1982 (Forenoon) until further orders.

B. K. PAWAR
Dy. Director General of Shipping

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 11th August 1982

No. A-19012/987/82-Est. V.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee (Group B), Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. K.

Mehta, Graduate Supervisor, on deputation with Divighat Hydel Project, Kathmandu (Nepal) under the Management of National Hydro-electric Projects Corporation Ltd., New Delhi, who satisfy all the conditions of the 'Next Below Rule' while on deputation/foreign service to ex-cadre Post to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—J.B.—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in absentia in an officiating capacity with effect from the forenoon of 29th July, 1981.

2. Shri Mehta would be on probation in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer for a period of two years w.e.f. 29th July, 1981.

No. A-19012/994/82-Estt. V. —Chairman, Central Water Commission appoints Shri Swades Ranjan Das, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Asstt. Engineer (Engineering) on a purely temporary and *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, with effect from the forenoon of 19th July, 1982.

A. BHATTACHARYA
Under Secy.
Central Water Commission

MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 10th September 1982

No. 82/RE/161/6.—It is hereby notified for the general information of all users of Railway lines and premises situated on the complete section M.S.F.B. SIDING from EKAL HARA (Chainage 8221) to ODHA (km 198/307) of the Central Railway that the 25000 Volts, 50 Cycles A.C. overhead traction wires on these lines will be energised on or after 1st August, 1982. On and from the same date the overhead traction lines shall be treated as live at all times and no unauthorised person shall approach or work on the proximity of the said overhead line.

HIMMAT SINGH
Secretary, Railway Board

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Karnataka Calcium Private Ltd.,*

Bangalore, the 9th August 1982

No. 3025/560/82-83.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Karnataka Calcium Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd. ILLEGIBLE
Registrar of Companies,
Karnataka, Bangalore

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Gandhi Dawar Asian Valves Ltd., Bhopal (M.P.)*
Gwalior-474009, the 11th August 1982

No. 1294/C.P./1367.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that the name of M/s Gandhi Dawar Asian Valves Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Sanchaya Finance (M.P.) Private Limited*

Gwalior-474009, the 11th August 1982

No. 1307/BSY/81/1369.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sanchaya Finance (M.P.) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Shri Narmada Chemicals and Fertilizers Private
Limited, Indore*

Gwalior-474009, the 11th August 1982

No. 1328/C.P./1387.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Shri Narmada Chemicals and Fertilizers Private Ltd., Indore has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Brij Sons Employment and Commercial Services Private
Limited, Satna*

Gwalior-474009, the 11th August 1982

No. 1344/CP/1368.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Brij Sons Employment and Commercial Services Private Limited, Satna has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Central India Development and Constructions Private
Limited, Satna*

Gwalior-474009, the 11th August 1982

No. 352/C.P./1388.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Central India Development and Constructions Private Limited, Satna, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Trust Association of India Church Council of the
Disciples of Christ: Jabalpur (M.P.)*

Gwalior-474009, the 11th August 1982

No. 1025/C.P./1391.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Trust Association of India Church Council of the Disciples of Christ has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Rani Durgawati Chit Fund Finance Pvt. Ltd.*

Gwalior, the 12th August 1982

No. 1272/C.P./1392.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Rani Durgawati Chit Fund Finance Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

that the name of M/s. Raipur Industries (Private) Limited, Raipur has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Raipur Industries (Private) Limited, Raipur*

Gwalior-474009, the 11th August 1982

No. 845/CP/1414.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956

S. K. SAXENA
Registrar of Companies,
Madhya Pradesh
Gwalior

FORM NO. I.T.N.S.-----

(1) 1. Shri Satish Lal 2. Shri Jagdish Lal 3. Sh. Ravish Lal 4. Sh. Manohar Lal 5. Sh. Jatinder Lal R/o 5-C/88, New Rohtak Road, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M/s Mohan Builders through partner Shri Mohan Singh R/o, 52/42, Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 28th July 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/12-81/1499.—Whereas I, S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-129, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S-129, mg 300 sq. yds. in Greater Kailash-II, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range I New Delhi

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-7-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August, 1982

Re. No. IAC/Acq. I/SR-III/12-81/1500.—Whereas I, S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F-501, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on December 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Anil Kumar Sehgal S/o Shri M. R. Sehgal and Smt. Krishna Nirula W/o Shri J. C. Nirula through her attorney Shri M. R. Sehgal S/o H. R. Sehgal both R/o D-289, Defence Colony, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Gulshan Kumar and Shri Gopal S/o Shri Chander Bhan R/o 18/1, Pant Nagar, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two Storeyed House No. E-501, measuring 248 sq. yds. at Greater Kailash-II, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I New Delhi

Date : 4-8-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 31st July 1982

Rel. No. IAC/Acq I/SR-III/12-81/1504.—Whereas I, S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. I and situated at Village Khanpur, New Delhi Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on December 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Miss Ranju Jain d/o Shri Mahender Kumar Jain R/o D-1/A Green Park, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Master Mark Choudhary (Minor) S/o Sunil Kumar Choudhary through his mother Smt. Tatiana Choudhary; Mrs. Tatiana Choudhary W/o S. K. Choudhary; Mr. Anuj Choudhary S/o Shiv Krishan Choudhary R/o A-1/12, Panchsheel Enclave, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land measuring 2 bighas and 8 biswas, khasta No. 261 min. village Khanpur, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 31-7-1982
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Miss Ranju Jain d/o Mahender Kumar Jain R/o D 1/A, Green Park, New Delhi
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Master Mark Choudhary (minor) S/o Sunil Kumar Choudhary through his mother Smt Tatiana Choudhary, Mrs Tatiana Choudhary W/o S K Choudhary, Mr. Anuj Choudhary S/o S K Choudhary R/o A 1/12, Panchsheel Enclave, New Delhi
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 31st July 1982

Ref No IAC/Acq f SR III 12-81 1505 —Whereas I S R GUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Agr land situated at Village Khanpur New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

24—226GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agri land measuring 2 bighas and 8 biswas Khasra No 264 min Village Khanpur, Teh Meh, New Delhi

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range I, New Delhi

Date 31-7-1982
Seal .

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd August 1982

Ref No IAC/Acq I/SR-III/12-81/1508 —Whereas I, S R GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 2/19 situated at Shanti Niketan, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on December 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of,—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) Shri Jasbir Singh S/o late Shri Pitam Singh R/o A 107, Sarojini Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Dr. Vashno Parkash Sachar S/o late Daulat Ram Sachar, R/o, 2/19, Shanti Niketan, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Plot No 19 Second Street, Shanti Niketan, New Delhi

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 3-8-1982
Seal,

FORM ITNS. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 1, NEW DELHI

New Delhi, the 28th July 1982

Ref. No. IAC/ Acq. 1/SR-III/12-81, 1510.—Whereas 1, S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-231(D), Ground Floor, situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Satya Narain Gupta, Satish Kumar Gupta and Gyan Chand Gupta S/o Shri Banarsi Dass Gupta R/o M-40, Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Chander Mohan Mehra S/o Shri Pran Nath R/o E-140, Greater Kailash-II, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-231(D), Ground Floor, Greater Kailash-I, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 28-7-1982
Seal :

FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd August 1982

Ref. No. IAC/Acq 1/SR-III/12-81/1511.—Whereas I, S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe 536/5 paiki, situated at Dhoraji, Dist. Rajkot that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. No. Prop. No. 1348-52 Block-D, situated at Naiwala Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on December 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kanwar Balbir Singh (Retd. P.C.S.) S/o late Shri R. S. Ch. Baldeo Singh R/o No. 4216, Mohalla Ahiran Pahari Dhiraj, Sadar Bazar, Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Amar Kaur Chawla W/o late Shri Tarlok Chand Chawla R/o No. 20/22, Punjabi Bagh, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1348-52 built on plot/Khasra No. 814, area 222 sq. yds. Block-D, in gali No. 20-19 built single storey (old construction) in Chhappar Wala Quan, Naiwala Karol Bagh, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, New Delhi

Date : 3-8-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Sudarshan Kumari W/o Shri Tilak Raj &
Shri Sat Parkash S/o Shri Jagdish Lal R/o
XVI/10159, Naiwala Karol Bagh, New Delhi-5.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2() M s Puran & Sons, 174-D, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 28th July 1982

Ref. No IAC/Acq I/SR-III 12-81/1514—Whereas I,
S R GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/
and bearing
No XVI/10159, Block No T, situated at Naiwala Karol
Bagh, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Municipal No XVI/10159, Block No T,
Khasia No 1471/1158 & 1472/1158, Naiwala Karol Bagh,
New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date : 28-7-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd August 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/12-81/1576.—Whereas I, S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H/343, situated at New Rajinder Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on December 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Narayan Devi W/o Shri Din Dayal R/o H/343, New Rajinder Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Viney Lamba & Shri Arun Lamba Ss/o Shri Dev Raj R/o 27/53, Rajinder Nagar, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt. built Qr. No. H/343, New Rajinder Nagar, New Delhi with the lease hold rights of the land measuring 200 sq. yds. under the said Qr.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I New Delhi

Date : 3-8-1982
Seal :

FORM I.T.N.S. ———

(1) Shri S. S. Aurora S/o Shri J. S. Aurora R/o K-46,
Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri N. K. Sharma S/o Shri Mansa Ram R/o
K-46, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd August 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/12-81/1517.—Whereas I, S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-31, situated at Defence Colony, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on December 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed house bearing No. D-31, Defence Colony, New Delhi, measuring 333 sq. vds. (one half being transferred) i.e. 166 sq. yds.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date : 3-8-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Amrit Kaur C o Shri Prem Singh S-291,
Greater Kailash II, New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Raman Anand R o D-289, Defence Colony
New Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd August 1982

Ref No IAC/Acq I/SR III/12 81/1518—Whereas I, S R. GUPTA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No S 139 situated at Greater Kailash II New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on December 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the India Income tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

Plot No S-139, in Block S, Greater Kailash-II, New Delhi

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons namely,—

S R GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date 3 8-1982
Seal

FORM ITNS—

(1) Smt. Harvind Kaur W/o Sh. Raghbir Singh R/o
B-382, New Friends Colony, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Competent Builders, 6-Jantar Mantar, Road,
New Delhi-110001.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 31st July 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/12-81/1521.—Whereas I, S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Dera Mandi, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on December 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
25—226GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area (4 bigha 16 biswas) Mustatil No. 37, Kila No. 13 (0-11) & Mustatil No. 30 Kila No. 11 (4-05), in Dera Mandi, Teh. Meh. New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date 31-7-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 28th July 1982

Ref No. IAC/Acq I/SR-III/12-81/1523.—Whereas I, S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Jonapur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jhuthar S/o Rikhia, Saroop, Ram Chand, Karkali, Richpal Ss/o Ganga Sahai, Khazan S/o Budhu, Ram Bheji W/o Dhudha R/o Vill. Jonapur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Dawn Singh W/o Shri Brijendra Singh R/o 28, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 16 biswas M. No. 29, Killa No. 25 (4-16), situated in village Jonapur, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 28-7-82
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 31st July 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/12-81/1524.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Village Jonapur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in December 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jhuthar S/o Rikhia, Saroop, Ram Chand, Karkali, Richpal S/o Ganga Sahai, Khazan S/o Budhu, Ram Bheji, W/o Dhudha R/o Vill. Jonapur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Dawn Singh W/o Brijendra Singh R/o 28, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 16 biswas M. No. 28 Killa 264½ sq. yds. area of property No. A-2/132, Rajouri Garden,

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 31-7-82
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 31st July 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/12-81/1525.—Whereas I, S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Jonapur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in December 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jhuthar S/o Rikhia, Saroop, Ram Chand, Karkali, Richpal S/o Ganga Sahai, Khazan S/o Budhu, Ram Bheji, W/o Dhudha R/o Vill. Jonapur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Devi W/o Harmahendra Singh R/o 28, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 3 bighas and 16 biswas, Mustatil No. 33, Killa No. 1, Villa Jonapur, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 31-7-82
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 28th July 1982

Ref. No. IAC/Acq U/SR-III/12-81/1526.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. Agr. land situated at Vill. Jonapur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jhuthar S/o Rikhia, Saroop, Ram Chand, Karkali, Richpal, Ss/o Ganga Sahai, Khazan S/o Budhu, Ram Bheji, W/o Dhudha R/o Vill. Jonapur, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Dawn Singh W/o Shri Brijendra Singh R/o 28, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 16 biswas M. No. 28, Killa No. 21, situated in village Jonapur, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 28-7-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 31st July 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/12-81/1527.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No.

Agr. land situated at Vill. Jonapur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jhuthar S/o Rikhia, Saroop, Ram Chand, Karkali, Richpal, Ss/o Ganga Sahai, Khazan S/o Budhu, Ram Bheji, W/o Dhudha R/o Vill. Jonapur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Devi W/o Shri Harmahendra Singh R/o 28, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 10 biswas Mustatil No. 33, Killa No. 2, situated in village Jonapur, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 31-7-82

Seal :

FORM I.T.N.S.———

(1) Shri D. P. Mehta S/o Shri J. P. Mehta R/o E-66,
Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s Mohan Exports India (P) Ltd., 7, Zamrudpur
Community Centre, Kailash Colony, New Delhi
through its M. Director Shri A. K. Puri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd August 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/12-81/1542.—Whereas I,
S. R. GUPTA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. B-55, situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908) (16 of 1968) in the office of the Registering Officer
in December 1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed with basement house bearing No. B-55, Grea-
ter Kailash-I, New Delhi, measuring 1000 sq. yds.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 3-8-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Hemkunt Chemicals (P) Ltd., 810, Meghdoot,
Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Amrit Plastic (P) Ltd., 70-Najabgarh Road, New
Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/12-81/1547.—Whereas, I, S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-83, situated at Greater Kailash-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on December 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B/83, Greater Kailash-I, New Delhi-110048.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 4-8-82
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/12-81/1552.—Whereas I,
S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Flat No. (GF), F-3, situated at NDSE, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
26—226GI/82

(1) M/s. Rajiv Properties (P) Ltd, 37-Pusa Road, New
Delhi through its Director Krishan Kumar Chopra
(Transferee)

(2) Mrs. Deepa Ayal W/o Shri Ashok Kumar Ayal
R/o D-7/4, Vasant Vihar, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later:

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, portion of property No. F-3, Ground Floor
Front portion, measuring 1005 sq. ft. situated at NDSE-II,
New Delhi.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

S. R. GUPTA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date : 4-8-82

Seal :

FORM I T N S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi the 3rd August 1982

Ref No IAC/Acq I SR-III/12-81/1553 --Whereas I, S R Gupta being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Flat No I (GF) F-3, situated at NDSE-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed up between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s Pany Properties (P) Ltd, 37-Pusa Road, N Delhi through its Director Krishan Kumar Chopra (Transferor)

(2) Smt Chander Kala Ahuja w/o Shri Dharam Pal Ahuja r/o 1407, Dr Mukherjee Nagar, Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 1, portion of property No F-3, Ground floor Front portion facing East, At NDSE-II, New Delhi measuring 1005 sq ft

S. R. GUPTA

Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, New Delhi

Date 3-8-1982
Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 31st July 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/12-81/1567.—Whereas, I, S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Agri land situated at Village Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at New Delhi on Dec., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Vijay Mohan Sharma s/o Kishan Chand
Sharma 436 B, Mehrauli,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Basanti Devi w/o Hukam Chand
r/o 706-F/6, Mehrauli, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Agr. land mg. 17 bighas and 5 biswas bearing Mustatil No. 36, Killa No. 8/2 (0-18), 12/2(1-16), 13 (4-16), 14/1(3-4), 17/2(1-15), 18(4-16), Vill. Mehrauli, Tch. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi/Delhi.

Date: 31-7-82
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 31st July 1982

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/12-81/1568.—Whereas, I,
S. R. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and
bearing No. Agr. land situated at
Village Mehrauli, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on Dec., 81
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Sh. Vijay Mohan Sharma s/o Sh. Kishan
Chand Sharma r/o 436 B,
Mehrauli, New Delhi,

(Transferor)

- (2) Smt. Basanti Devi w/o Sh. Hukam Chand
Gupta r/o 705-F/6, Mehrauli,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share Agr. land mg. 17 bighas and 5 biswas bearing
Mustatil No. 56, Killa No. 8/2(0-18), 12/2(1-16), 13 (4-
16), 14/1(3-4), 17/2(1-15), 18(4-16), situated in village
Mehrauli, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi/Delhi.

Date : 31-7-82
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 28th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/12-81/1583.—Whereas, I, S R GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property No. 4, Block, No. K, situated at Green Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Dec. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sh. Ajat Shatru Sehgal s/o Late Raj Vaid Dharam Chand r/o 3113, Sector 24-D, Chandigarh, 2. Mr. Rajat Sehgal s/o Late Dr. Ashok Kumar, 3. Dr. Shobha Sehgal w/o Late Dr. Ashok Kumar Sehgal, 4. Master Manu Sehgal (Minor) s/o L. Dr. Ashok Kumar Sehgal, r/o 64, Sector 24-A, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Sh. Bagirath Lal Kalra s/o Late Sh. Raja Ram r/o U-31, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing property No. 4, Block No. K, measuring 311 sq. yds. situated at Green Park, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi/Delhi.

Date : 28-7-82
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Rajinder Kumar, 1, Puchkuin Road,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Geeta Suri, r/o 102, Meenakshi Garden,
New Delhi. 2. Smt. Leela Anand,
17/5, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/12-81/1593.—Whereas, I,
S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. Mpl. No. 1855, situated at Wazir Singh Street, Pharganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Dec. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any other person interested in the said immovable 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 1855, Kh. No. 461, Wazir Singh Street,
Pharganj, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi/Delhi.

Date : 4-8-82
Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. Dharam Pal Loomba s/o Shri Nanak Chand
Loomba r/o E-309, East of Kailash, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Saraswati Devi Khemka w/o late Shri
Sewak Ram Khemka r/o E-609, Greater
Kailash-II, New Delhi-48.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd August 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1281/1606.—Whereas, I,
S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Front Portion ground floor, M-85, situated at Greater
Kailash-II, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
at Delhi on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Front portion on the ground floor of bldg., No. M-85,
Greater Kailash-II, New Delhi-48.

S. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 3-8-1982
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd August 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/12-81/1607.—Whereas, I,
S. R. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 296B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Basement & Back portion of GF, M-85, situated at
Greater Kailash-II, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on December, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect to any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Dr. Dharam Pal Loomba s/o Shri Nanak Chand
Loomba r/o Nicolson Road, Ambala Cantt.
present at E-309, East of Kailash, New Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Uma Aggarwal w/o Sh. Ram Parkash
Aggarwal r/o E-609, Greater Kailash-II, New
Delhi-48.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement and the back portion of the ground floor of
bldg., No. M-85, Greater Kailash-II, New Delhi-48.

S. R. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Dated : 3-8-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd August 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/12-81/1610—Whereas, I,
S. R. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Ground Floor of S-296, situated at Greater Kailash-II,
New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Delhi on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

27—226GI/82

- (1) Sh. Harbans Lal Kainth s/o late Amarnath
Kainth r/o E-128, Mohammadpur near R. K.
Puram, Sect. I, New Delhi.
(Transferor)

- (2) M/s Raj Khosla Films (Private) Limited, 100,
Jain Chambers S. V. Road, Bandra Bombay.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Ground Floor of property No. S-296, Greater Kailash-
II, New Delhi, measuring 308 sq. yds.

S. R. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Dated . 3-8-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jawala Singh s/o Sh. Wattan Singh,
r/o 20-UB, Jawahar Nagar, Subzi Mandi, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Krishan Lal Mehta s/o Sh. Harbans Lal
Mehta r/o D-5/1, Rana Partap Bagh,
Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 27th July 1982

Rel. No. IAC/Acq.2/SR.1/12-81/8722 —Whereas, I,
NARENDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property having
a fair market value exceeding Rs. 25000/- and
bearing
No. 20-UB situated at Northern City Exten. Scheme No.
I, Subzi Mandi Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at New Delhi on December 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between, the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

1/2 share of property No. 20-UB, mg. 274.4 Sq. yds.
situated in Northern City Exten. Scheme No. I, Subzi
Mandi Delhi.

NARENDER SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 27-7-82.
Seal

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 27th July 1982

Ref. No. IAC/Acq 2/SR.I/12-81/8634.—Whereas, I,
NARENDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19/29A situated at Moti Nager New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Chander Parkash Bhatia s/o Sh. Kharaiti Lal Bhatia r/o A-2/20, Moti Nager, New Delhi as Gen. Att. of Sh. Chaman Lal s/o Sh. Dewan Chand r/o 19/29A, Moti Nager Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi w/o Sh. Kishan Lal Bhatia alias Kharaiti Lal Bhatia r/o 19/29A, Moti Nager, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt. Built Qr. No. 19/29A, Moti Nager, New Delhi.

NARENDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Dated : 27-7-82.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II
G-13, GROUND FLOOR CR. BUILDING, 1P ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 27th July 1982

Ref. No. IAC/Acq 2/SR I/12 81/8691—Whereas, I, NARENDER SINGH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H No. 5, Road No. 8 situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on December, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

(1) Sh. Bhabgan Dass s/o Sh. Ganpat Rai,
1/o H No. 5, Road No. 8, Punjabi Bagh, New Delhi

(Transferor)

(2) 1. Sh. Banwari Lal Goel (HUF)
2. Ram Kumar Goel (HUF)
3. Raj Kumar Goel (HUF) & Mahender Kumar Goel c/o Sh. Ganwari Lal Goel, all r/o 95-A, Chitranjan Avenue Calcutta-12

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H No. 5, Road No. 8, mg. 270.8 sq. yds Punjabi Bagh
New Delhi

NARENDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Dated 27.7.82
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/12-81/6432.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Mundka, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at New Delhi in Dec., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Prem Kumar s/o Ram Narain
r/o WZ-1159, Ram Bagh, Shakurbasti, Delhi-34.
(Transferor)

(2) Sh. Nand Lal s/o Devi Ditta Ram &
Raj Kumar s/o Ram Narain,
r/o WZ-1159 Ram Bagh Shakurbasti,
Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 3 Bighas 4 Biswas Vill. Mundka, Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, New Delhi/Delhi.

Date : 4-8-82
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.2/SR.II/12-81/8688.— Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1629-30 old, 1586 to 107, New Mohalla situated at Rogarn Bazar Lal Kuan Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Dec. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shivan Ditti r/o 2853, Gali Bhiabhan, Kucha Chelan Dairy Ganj, Delhi.
(Transferor)
- (2) Sh. Mohd Ahmad s/o Haji Mohd Ibrahim 5504, Gali Makte Wali Sadar Bazar Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

7/32 undivided share of the property Mpl. Nos. 1629-30 (old) 1586 to 107 new Ward No. 7 Mohalla Roadgaran, Bazar Lal Delhi-98.7/8 sq. yds.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, New Delhi/Delhi.

Date : 4-8-82
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No IAC/Acq 2/SR 2/12-81/8674 —Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No D-45 situated at Satyawati Nager Sadora Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Dec., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh Hari Singh Chauhan s/o Bansi Lal Chauhan, r/o Rajpura vill Gui Mandi, Delhi (Transferor)
- (2) Sh Ganga Dhar Sharma s/o Reghunath Peishad r/o A-3, Ashok Vihar, Phase I, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 45 Block 'D' situated at Satyawati Nager Sadora Kalan, Delhi Kh No 86 88, 89, 92 to 107.150 sq Yds.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, New Delhi/Delhi

Date 4-8-82
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.2/SR.I/12-81/8686.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,being the Competent Authority under Section 269B of
the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 1629-30 Old, New No. 1586 to 1601,
situated at Ward No. 7 Mohalla Rogan Bazar Lala Kuan
Delhi(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on Dec., 1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely:—

- (1) Sh. Sant Ram Dandona s/o Late Saling
Ram 2833 Gali Bhistiyan Kucha Chelam,
Darya Ganj, Delhi.
(Transferor)
- (2) Sh. Mohd Ahmad s/o Haji Mohd, Ibrahim
r/o 5504 Gali Makte Wali Sadar Bazar, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

K, 15/32, undivided share of the property Mpl. No. 1629-
1630 (old)/1586 to 1601 (new) Ward No. VII Mohalla
Rogaran, Bazar Lal Kuan, Delhi 211.7/8 sq. yds.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, New Delhi/Delhi.

Date: 4-8-82
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. 1AC/Acq. II/SR-II/12-81/6514.—Whereas I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Pehlادpur Banger, Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on December 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
28—226GI/82

(1) Smt. Nanhari wd/o Harke, S/Sh. Tara Chand and Rajinder s/o Harke, S/Smt. Shanti, Omwati, and Chanderwati ds/o Harke, Sh. Gihra s/o Sh. Mauji and Smt. Dharam Vir s/o Rajoop r/o Vill. Pehlادpur Banger, Delhi.

(Transferee)

(2) Km. K. D. Tiipathi d/o Ram Lakhanmani ro L-30, G-1 South Extn. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land, Mg. 1 Bigha i.e. 1000 sq. yds. out of Kh. Nos 38/23/1 and 23/3, Vill. Pehlادpur Banger, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date : 4-8-1982
Seal :

FORM IT.N 3.-----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. II/12-81/6497.—Whereas J. NARENDER SINGH, being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Najafgarh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on December 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Roshan Lal s/o Sh. Bishan Singh
r/o Vill. Najafgarh, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Kuldeep Kumar Julka s/o Sh. Roshan Lal
r/o B-53, Krishan Park Delhi and
Sh. Mohan Singh s/o Sh. Kmalu
r/o Vill. Najafgarh, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 4 Bigha 16 Biswas at Vill. Najafgarh, Delhi.

NARENDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date : 4-8-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/12-81/6511.—Whereas, I,
NARINDAR SINGHbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.Agri. land situated at Vill. Pchladpur Banger, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi in December, 1981,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—(1) Smt. Nanhari wd/o Harke
S/Sh. Tara Chand and Rajinder sons of Harke,
S/Sh. Shanti, Omwati, Chander Wati daughters of
Harke, Ghisa s/o Mauji and Dharam Vir
s/o Rajloop i/o Pchladpur Banger, Delhi-42.
(Transferor)(2) Sh. J. P. Tripathi s/o B. P. Tripathi
r/o L-30, South Extn. New Delhi.
(Transferee)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person, interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 38/23/1(4-12) and 23/2(1-0) Vill. Pchlad-
pur Banger, Delhi.NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New DelhiDate : 4-8-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/12-81/6505.—Whereas I,
NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7, Rd. 48 situated at Punjabi Bagh, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in December 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Amar Singh Bindra s/o Jodh Singh Bindra
r/o 7, Road No. 48, Punjabi Bagh, Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Inder Pal Kaur w/o Surinder Singh Kohli
r/o 37/5 East Patel Nagar,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided share of House No. 7, Road No. 48 Class 'D' Punjabi Bagh, Delhi Mg. 279.55 sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date : 4-8-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No IAC/Acq. II/SR-II/12-81/6506 —Whereas, I NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H No. 7, Road No. 48 situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on December 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Harbhajan Kaur w/o Amar Singh Bindra
r/o 7823 Roshan Ara Road, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Indel Pal Kaur w/o Surinder Singh Kohli
r/o 37/5, East Patel. Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided share of house No. 7 Road No. 48, Class 'D' Punjabi Bagh Delhi Mg. 279.55 Sq yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date : 4-8-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/12-81/6463.—Whereas I,
NARINDAR SINGHbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-
and bearing No.H/Plot No. D-51 situated at Ajay Enclave, Najafgarh Road,
New Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on December 1981,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe, that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Sh. Banarsi Dass s/o Busant Ram
r/o D-51, Ajay Enclave, Najafgarh Road,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Ajay Kumar s/o Sh. Banarsi Dass
R/o D-51, Ajay Enclave, Najafgarh Road,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. D-51, Mg. 200 sq. yds. Kh. No. 286 Ajay En-
clave, Najafgarh Road, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date : 4-8-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Sunder Singh s/o Sh. Risal Singh
1/o Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Narinder Pal Singh Narula s/o S. Sunder Singh
Narula r/o 3486, Nicolson, Road, Mori Gate,
Delhi as co-preneur of S. Surinder Singh
& Sons, HUF.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE.
NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq. 2/SR-II/12-81/6457.—Whereas I,
NARENDER SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
Agri. land situated at Vill. Shaibabad Daulat Pur, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on December 1981,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
**45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that chapter.

THE SCHEDULE

Agri-land mg. 4 Bigha 16 Biswas bearing Kh. No. 38/8 at
Vill. Hahibabad Daulat Pur, Delhi.

NARENDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date : 4-8-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR
CR BUILDING, IP ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No IAC/Acq2/SR 2/12-81/6462 —Whereas I,
NARENDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No C-217 situated at Hari Nagar, Clock Tower, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on December, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Krishna Kumari W/o Ashwanj Kumar Sharma 1/o C 152, Hari Nagar, Clock, Tower, N Delhi through Spl Att Sh Sukhbir Singh Jain S/o Sh Raja Lal Jain 1/o C 152 Hari Nagar, New Delhi

(Transferor)

- (2) M/s Padam Traders, Through partners Jasbir Singh Arun Singh, Sarabjit Kaur, Parvinder Kaur and Devinder Kaur of C-217, Hari Nagar, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-217, mg 220 sq yds Khasra No 2056 situated at Hari Nagar, Clock Tower, New Delhi

NARENDER SINGH
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 4-8 82
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR
CR BUILDING, IP, ESTATI, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.2/SR-2/12 81, 0494.—Whereas, I,
NARENDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5, Block A situated at Shanker Garden Vill, possagipur, Najafgarh Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on December, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—226G1/82

- (1) Shri Om Parkash s/o Sh. Khushal Singh
r/o No. 2613/4 Beadonpura, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh Jagdish Lal Sharma s/o Sh. Lala Dunger Mal
r/o No. 1349, Naiwaal Gali No. 19, K/Bagh
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 5, Block-A, Shanker Garden, Vill, Possagipur, Najafgarh Road New Delhi, area 444.44 sq. yds.

ARENDER SINGH
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 4-8-82
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR
CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq 2/SRI/12-81/8714.—Whereas, I, NARENDER SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 37 Block-B situated at G.T. Karnal Road, Industrial Area Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at New Delhi on December, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Kaka Singh s/o Late Sh. Kalyan Singh r/o T-1092, Shakti Nagar, Delhi-2, Smt. Kartar Kaur w/o Late Sh. Kalyan Singh r/o T-1092, Shakti Nagar, Delhi

(Transferor)

(2) Sh. Gurdarshan Singh & Sh. Kuljeet Singh s/o Sh. Kalyan Singh r/o C-42, Adarsh Nagar, Delhi & T-1092, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 37, Block-B situated at G.T. Karnal Road, Industrial Area, Delhi, Mg. 427.50 sq. yds.

NARENDER SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 4-8-82
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Wazir Singh s/o Sh. Sakha Singh r/o C-6,
Bhagwan Dass Nagar Old Rohtak Rd, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Padam Singh s/o Sh. Sukha Singh r/o C-6,
Bhagwan Dass Nagar Old Rohtak Road, Delhi
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR
CR BUILDING, 1P, ESTAIL NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq 2/SR-2/12-81/6473.—Whereas I,
NARENDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. C-6 situated at Bhagwan Dass Nagar, Old Rohtak Road,
Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on Dec 81

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 undivided share if built property No. C-6 approved
colony known as Bhagwan Dass Nagar, Old Rohtak Road,
Delhi under the share of land 220 sq. yds.

NARENDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, New Delhi

Date : 4-8-82
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR
CR BUILDING, IP. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/12-81/6503.—Whereas I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. Land situated at Vill. Siraspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Risal Singh s/o Neki Ram
R/o Vill. Sinapur, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Sandeep Ghai son of Sain Dass Ghai r/o A-31, Wazirpur Group, Indl. Area, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Bighas 16 Biswas, Kh. No. Vill. Sinapur, Delhi.

NARENDER SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range II, New Delhi

Date : 4-8-82

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref No IAC/Acq-II/SR-II, 12 81/6501 —Whereas, I,
NARINDAR SINGH,**being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing****and bearing No Agri. land situated at Vill, Alipur, Delhi****(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Dec. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—**

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Latila Pershad S/o Tirath Ramanand
Sh. Manohar Lal S/o Anant Ram
R/o 25/94 Shakti Nagar, Delhi (Transferor)
- (2) Smt. Ram Patti W/o Latila Pershad
R/o 103-A Shastri Nagar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri land Mg 2 Bighas 14 1/2 Biswas Vill Alipur Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 4-8-82
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sh. Yad Ram S/o Budha R/o
Vill Hastal, Delhi (Transferor)
- (2) Sh. Krishan Kumar Faneja S/o
Ganesh Dass R/o C 3, New Krishna Park,
Najafgarh, Delhi (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/12-81/6435 — Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri land situated at Vill Hastal, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Dec., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri land Mg 1 Bigha 14 Biswas Vill Hastal Delhi

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 4-8-82
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq-2/SR-II/12-81/6458.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Dec. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Sunder Singh S/o Sh. Risal Singh
R/o Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi.
(Transferor)
- (2) Sh. Sunder Singh Narula S/o S. Sewa Singh
R/o 3486 Niccolson Road, Mori Gate, Delhi
Karta of S. Surinder Singh & Sons, HUF.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 7 Bigha 4 Biswas bearing KH. No. 38/18 23, at Vill. Sahibabad Daulatpur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 4-8-82
Seal

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq 2/SR-II/12-81/6439.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill Sahibabad Daulatpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Hoshiar Singh S/o Sh. Shiv Lal,
R/o Vill Sahibabad Daulat Pur, Delhi
(Transferor)

(2) Sh. Ajay Kansal and Sanjay Kansal
S/o Sh. Kishan Chand Gupta R/o 40/1, Shakti
Nagar, Delhi Sh. Hosier Singh S/o Sh. Shiv Lal
R/o Vill Sahibabad Daulatpur, Delhi
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri land 36 Biswas bearing Kh. No. 18 Biswas 454, 456
18 biswas, Vill, Sahibabad Daulatpur Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 4-8 82
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.2/SR-II/12-81/6456.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land situated at Vill. Sahibabad Daulatpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Dec. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
30—226GI/82

- (1) Sh. Sunder Singh S/o Sh. Risal
Singh R/o Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi.
(Transferor)
- (2) S. Arvinder Pal Singh Narula
S/o S.-Surinder Singh
R/o 3486, Nicolson Road, Mori Gate, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 4 Bigha 5 Biswas K. H. No. 38/3/1, Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 4-8-82
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 21st July 1982

Ref. No. IAC/Acq.2/SR-II/12-81/6455 —Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Dec. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely :—

- (1) Sh. Sunder Singh S/o Sh. Risal
Singh R/o Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Tejinder Kaur Narula W/o
Sh. Sunder Singh Narula R/o 3486, Nicholson Road,
Mori Gate, Delhi as co-partner of S. Surinder
Singh & Sons. HUF.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Bigha 16 Biswas Kh. No. 38/13 Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 4-8-82
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/12-81/6491.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Dec. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Shyam Lal S/o Mathura Pershad,
R/o B-1751, Shastri Nagar, Delhi-52 and
Gordharan Dass S/o Baru Ram R/o Shastri Nagar,
Delhi.
(Transferor)

(2) Sh. Satish Kumar S/o Harbans Lal
Mehta R/o A-16, R.P. Bagh, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 15 Biswas Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 4-8-82
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/12-81/6478.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. WZ-1 (VB/211) situated at Varinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on Dec. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Joginder Kaur W/o Late S. Arjun Singh, Sh. Kuldip Singh S/o L. S. Arjun Singh R/o WZ-1, Varinder Nagar, New Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Raj Rani W/o Rajinder Nath R/o 3488, Arya Pura S/Mandi, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. WZ-1 (VB/211) Mg. 200 sq. yds. Kh. No. 810 et Varinder Nagar, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 4-8-82
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Laxmi Narain Sharma S/o Ramji
Lal R/o A-229, Shashtri Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Prem Parkash S/o Mohan Lal and
Yash Pal Sapra and Bharati Bhushan
both sons of Sh. Multan Chand
R/o C-3/17, Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/12-81/6442.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the competent authority under Section 269D of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/-
bearing No. Agri. land situated at
Vill. Siraspur, Delhi
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering
Officer at New Delhi on Dec. 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 19 Biswas (950 sq. yds.) Kh. No. 39, Vill.
Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 4-8-82
Seal :

FORM I.T.N.S.———

(1) Shri Chhotu Bhai Naik s/o Hari Bhai Naik
r/o D-16, Ajay Enclave, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vishwa Nath Arora s/o D. N. Arora
R/o B-13/8, MIG Flat Mayapuri, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/DR-II/12-81/6500.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section
269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-
after referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
D/16 situated at Ajay Enclave Colony, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at on Dec. 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. D-16, Ajay Enclave Colony, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi.

Dated: 4-8-82
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/12-81/6513.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Pehlampur Banger, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

on Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nanhari wd/o Harke,
S/Sh. Tara Chand, Rajinder ss/o Sh. Harke,
S/Smt. Shanti, Om Wati and Chander Wati
d/o Harke. Sh. Gisa
s/o Mauji and Dharmvir s/o Raj Saroop
r/o Vill. Pehlampur Banger, Delhi

(Transferor)

- (2) Dr. Vibha d/o J. P. Iripathi
r/o L-30, Ground Floor, South Extn., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1 Bigha i.e. 1000 sq. yds. Kh. Nos. 38/23/1(4-12) and 23/2(1-0) Vill. Pehlampur Banger, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Dated: 4-8-82
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/12-81/6502.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 21,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Alipur, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Latifa Parshad s/o Sh. Tirath, Ramand Manohar Lal s/o Anant Ram r/o 25/94 Shakti Nager Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Ramesh Chander s/o Manohar Lal r/o 8471 Jaina Building Roshanpur Road Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri-land 2 Bigha 14½ Biawas Vill. Ali pur Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Dated: 4-8-82
Seal :

FORM ITNS(1) Shri Suraj Pershad s/o Raghbir Singh
r/o Najafgarh, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sh. Kuldip Kumar S/o Roshan Lal
r/o B-53, Krishna Park, Delhi, Moher Singh
s/o Kamalu r/o Najafgarh, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 29th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/12-81/6499.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Najafgarh, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
31—226GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Bighas 16 Biswas Vill. Najafgarh, Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Dated : 29-7-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 29th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-II/12-81/6498.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Najafgarh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Dec. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Suraj Pershad s/o Raghbir Singh
r/o Vill. Najafgarh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kuldip Kumar Julkha s/o Roshan Lal
Julkha r/o B-53, Krishna Park, Delhi Mohar Singh
s/o Kamalu Vill. Najafgarh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Bighas 16 Biswas Vill. Najafgarh, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Dated : 29-7-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) Sh. Parbhu Ram S/o Chhotu Ram
Ss/o Abhoy Ram
r/o Vill. Madan Pur, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Smt. Lalite Rani Bhageria
w/o Ram Kishan Bhageria
r/o 167-B, Kamla Nagar Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.2/SR-2/12-81/6453.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Madan Pur, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri Land Mg. 16 Bigha 1 Biswas of Vill. Madan Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 4-8-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Del Ram s/o Nand Lal
r/o VPO Siraspur, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. S. Aggarwal s/o Gopi Nath Aggarwal
r/o 6164 Pakki Gali, Bara Hindu Rao, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 29th July 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/12-81/6454.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 2 Bighas 4 Biswas Kh. No. 574, Vill. Siras-
pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Dated : 29-7-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/12-81/6437.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. WZ-63-A/1 situated at Shyama Parshad Mukherjee Park, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jadunandan Singh S/o Sheo Balak Singh
R/o H. No. G-99(2389), Netaji Nagar, New Delhi
through Gen. Att. Sh. Jogender Kumar
s/o Hari Ram
r/o 126 Shyama Parshad Mukherjee Park West,
Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Bimal Parbha w/o Jogender Kumar
r/o Shyama Parshad Mukherjee Park West, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. WZ-63-A/1, Mg. 233 1/3 sq. yds. Khasia No. 16/2
Shyama Parshad Mukherjee Park, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Dated: 4-8-82
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/12-81/6476.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-6 situated at Bhagwan Dass Nagar, Old Rohtak Road, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Wazir Singh S/o Sukha Singh,
r/o C-6 Bhagwan Dass Nagar, Old Rohtak Road,
Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Padam Singh s/o Sukha Singh,
r/o C-6, Bhagwan Dass Nagar, Old Rohtak Road,
Delhi.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of built property No. C-6, approved colony known as Bhagwan Dass Nagar, Old Rohtak Road, Delhi. Mg. 220 sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Dated : 4-8-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR I/12-81/8699.—Whereas I,
NARINDAR SINGH,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingNo. XII/9707, New Two & half story built situated at Gali
Memali, Nawab Ganj, Delhi,(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in office of the Registering Officer at
New Delhi in December 1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration, therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Manohar Lal of XII/9707-8,
2. Smt. Sushila Kumari
3. Smt. Lila Devi,
4. Satish Kumar Chawla
5. Surender Kumar Chawla, Satinder Kumar
Chawla, Subhash Kumar Chawla etc. r/o H. No.
300, Gautam Nagar New Delhi. (Transferor)
(2) Sh. Sher Singh & R. K. Gupta of 4240, Gali Bahuji,
Phar Ganj, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publications of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

XII/9707, New two & half story Built on land mg. 182.5
Sq. yds., Gali Mewali, Newab Ganj Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Dated: 4-8-82
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, 1st ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref No IAC/Acq II/SR-II/12-81/6495 —Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No EF 7 situated at Inder Puri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Dec 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shila Wati wd/o Satya Pall, Bhalla
r/o No EF-7, Inder Puri, New Delhi (Transferor)
- (2) Sh. Deep Chand s/o Sadhu Ram Mittal
r/o RA-42, Inder Puri, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H No EF-7, Kh. No. 1610, Vill. Naraina in the abadi of Inderpuri, an approved colony, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Dated 4-8-82
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/12-81/6512.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Pehlادpur Banger, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

32—226GI/82

- (1) Smt. Nanbati wd/o Harke, Sh. Tara Chand Rajinder s/o Harke and S/smt. Shanti, Om Wati, Cl onder wati ds/o Harke, Sh. Ghisa s/o M. uji and Sh. Dharamvir s/o Sh. Rajroop All r/o Pehlادpur Banger, Delhi. (Transferor)
- (2) Dr. Indira w/o J. P. Tripathi r/o L-30, South Extn. (GF), New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, publication of this notice in the Official Gazette.
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 2 Bighas, Kh. No. 38/23/1 (4-12) and 23/2(1-0), Vill. Pehlادpur Banger, Delhi-42.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Dated: 4-8-82
Seal :

FORM I.T.N.S.—

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI**

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.2/SR.I/12-81/8704.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. z/45-46 situated at West Patel Nager, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Waryam Singh S/o Sh. Attar Singh and Sh. Amarjit Singh S/o Attar Singh
r/o 45/3, East Patel Nagar, New Delhi through
M. S. Anand s/o Sh. Beant Singh
r/o 3044, Gali No. 1. Pahar Ganj, New Delhi Gen
Att.

(Transferor)

- (2) 1. Sh. Ajit Singh Anand S/o Sh. Beant Singh
r/o z/45-46, West Patel Nagar, New Delhi and
2. Smt. Harjinder Kaur w/o Sh. Ajit Singh
r/o as above.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. z/45-46, West Patel Nager, New Delhi mg
123.66 sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Dated: 4-8-82
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kewal Krishan S/o Sh. Mohan Lal No. 8 Red Cross Flats, Kaka Nager, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s Egg Traders 11186-87, Mandir Marg Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.2/SR.I/12-81/8672.—Whereas I, NARENDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8571, 8572, 8573, 8575 & 8576 situated at Basti Arakashan Pahar ganj, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

8571, 8572, 8573, 8575 & 8576 situated Basti Arakashan Paharganj New Delhi.

NARENDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, New Delhi

Date : 4-8-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE II,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.2/SR.I/12-81/8718.—Whereas I, NARENDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 14/31 situated at Shakti Nagar Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Parbati Devi Nagpal W/o Late Shri Prem Chand Nagpal R/o 14/31 shakti Nagar Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi Daga W/o Rattan Lal Daga, Shanti somani W/o Shyam Sunder Somani, Radha Kishan Somani R/o 26/2 shakti Nagar Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 14/31 Shakti Nagar Delhi 195.98 sq. yds.

NARENDER SINGH
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, New Delhi

Date : 4-8-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Jaswant Rai Gauri S/o Shri Ram Lal R/o CP-49, Pitampura, New Delhi of M/s Hind Planning & Co. New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Tulsi Ram S/o Shri Somi R/o B-91 & 92 Shardapur, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX**

ACQUISITION RANGE II,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.2/SR.I/12-81/8636.—Whereas 1, NARENDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. WZ-174, and 175 (old) B-91 & 92 (new) situated at Shardapur, Vill. Bassi darapur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One piece of land mg. 450 sq. yds. bearing plot. No. WZ-174 and 175 (old) B-91 & 92 (new) at Shardapur area of Vill. Bassidarapura, Delhi.

NARENDER SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, New Delhi

Date : 4-8-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.2/SR.I/12-81/8687.—Whereas I,
NARENDER SINGH

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1629-1630 (old) 1586 to 1601 (new) situated at ward No. VII, Mohalla Rodgaram, Bazer Lal Kuan, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kailash Chander Dandona S/o Shri Sant Ram Dandona thro' Gen. Power of Att. Sant Ram Dandona R/o 2853, Gali Bhishtian, Kucha Chelon, Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mohd. Ahmad S/o Shri Haji Mohd. Ibrahim 5504, Gali Matke wali sadar Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10/32 undivided share of the property bearing Mpl. Nos. 1629-1630 (old)/1586 to 1601 (New) ward. No. VII Mohalla Rodgarn Bazer Lal Kuan, Delhi 141.1/4 sq. yds.

NARENDER SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, New Delhi

Date : 4-8-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.2/SRI/12-81/8717.—Whereas I, NARENDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Block No. C-22 on 16 situated at Alipur Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi in December 1981

Registering officer at SR Karvir on November 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kavita Dhawan W/o Shri Ranjit Dhawan and Smt. Neeta Vohra W/o Shri Sanjit Vohra both R/o C-19, Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Dr. Sitab Chand Parakh S/o Late Shri Rattan Lal Parakh and Smt. Saroj Parakh W/o Shri Sitab Chand Parakh both R/o 1042, Maliwara, Gali Hira Nand, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Incomplete unfinished double storeyed structure in dilapidated conditions having 1082 sq. yds. area on each floor with 392 sq. yds (327 sq. Mts) land under it. Block No. C-22 on 16, Alipur road, New Delhi.

NARENDER SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, New Delhi

Date : 4-8-1982

Seal :

FORM I.T.N.S. _____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-1/12-81/8647.—Whereas I, NARENDER SINGH, the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-2/132 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Surinder Nath Dogra S/o Pt. Kali Dass Dogra R/o C-151, Srinivas Puri New Delhi. (Transferor)
(2) Shankar Kumar Verma (na) through father and natural guardian Shri Jagdish Kumar Verma R/o H No. A-2/132, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of his notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th undivided share in the property constructed on 262½ sq. yds. area of property No. A-2/132, Rajouri Garden, New Delhi.

NARENDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, New Delhi

Date : 6-8-1982
Seal :

FORM IINS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE II,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/12-81/8649 —Whereas I,
NARINDER SINGHbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingNo. A-2/132 situated at Rajouri Garden, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in December 1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

32-226GI/82

(1) Smt. Nirmal Dogra R/o 143 Thomson Road, Delhi.
(Transferor)(2) Shri. K. K. Verma M. through father and
natural guardian Shri Jagdish Kumar Verma R/o
H. No. A-2/132, Rajouri Garden, New Delhi
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

1 6th undivided share in the property constructed on
2671 sq. yds. area of property No. A-2/132, Fajouri Garden,
New Delhi.

NARINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, New Delhi

Date : 6-8-1982

Sent :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/12-81/8650.—Whereas I, NARINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-2/132 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mahinder Nath Dogra S/o Pt. Kali Dass Dogra
R/o 143, Thomson Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Shankar Kumar Verma (M) S/o Shri Jagdish Kumar Verma R/o H. No. A-2/132, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th undivided share in the property constructed on 262½ sq. yds. area A-2/132, Rajouri Garden, New Delhi.

NARINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range II, New Delhi

Date : 6-8-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/12-81/8645.—Whereas I, NARINDER SINGH being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-2/132 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Anil Kumar Dogra, Arun Kumar Dogra, Ashish Kumar Dogra, all sons of Shri B. N. Dogra and Smt. Primila Sharma d/o Shri B. N. Sharma through her general attorney Shri Anil Kumar Dogra R/o II-B/17, Pusa Institute, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shankar Kumar Verma (M) through father and natural guardian Shri Jagdish Kumar Verma R/o H. No. A-2/132, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th undivided share in the property constructed on 262½ sq. yds. area of property No. A-2/132, Rajouri Garden, New Delhi.

NARINDER SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, New Delhi

Date : 6-8-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1982

Rel. No. IAC/ Acq II/SR-I/12-81/8648 —Whereas I, NARINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A-2/132 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Devki Nandan Dogra J-5/137, Rajouri Garden, Delhi

(Transferee)

- (2) Shankar Kumar Verma (M) through father and natural guardian Shri Jagdish Kumar Verma R/o H. No. A-2/132, Rajouri Garden, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1/6th undivided share in the property constructed on 262½ sq. yds. area of property No. A-2/132, Rajouri Garden New Delhi

NARINDAR SINGH

Competent Authority

Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, New Delhi

Date 6-8-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Vishwa Nath Dogra S/o Pt. Kali Dass Dogra
r/o A/F/125, Janakpuri, Delhi

(Transferor)

(2) Shankar Kumar Verma (M) through father and
natural guardian s/o Shri Jagdish Kumar Verma r/o
H No. A-2/132, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1982

Ref No IAC/Acq II SR-I/12-81/8646.—Whereas I,
NARINDAR SINGHbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No A-2 132 situated at Rajouri Garden, New Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on December 1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act,
1952 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/6th undivided share in the property constructed on
262½ sq. yds. area of property No. A-2/132, Rajouri Garden,
New Delhi.NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, New DelhiNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
person, namely :—Date 6-8-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/12-81/8747,—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

K-4 situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on December 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Joginder Singh Malhotra S/o Gurdit Singh R/o D-135, Vivek Vihar, Shahdara, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Balbir Malhotra S/o Gurditt Singh R/o K-4, Model Town, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of property No. K-4, Mg. 92.1/3 sq. yds. (Total mg. 277 sq. yds.) situated at Model Town, area of Vill. Malikpur Chhaoni, Delhi State, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, New Delhi

Date : 4-8-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref No. IAC/Acq II/SR-I/12-81/8739.—Whereas I,
NARINDAR SINGHbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. Plot No. 51, Block F situated at Bali Nagar, Vill.
Bassai Darapur, Delhi.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at Delhi
in December 1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transferor
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Shri Hans Raj Chawla S/o Sham Dass Chawla R/o
279, Kacha Tihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Aijan Singh Arora S o Shri Khem Singh R/o
G/51, Bah Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 51, Block F, Mg. 200 Sq. yds. situated at Bali
Nagar, are of vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

NARENDER SINGH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, New Delhi

Date : 4-8-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/12-81/8701.—Whereas I, NARENDER SINGH,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-2/16 situated at Darya Ganj, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Vishwanama Hotels Ltd. E-2/16, Darya Ganj, New Delhi, through its Directors Shri D. K. Aggarwal, 61, Babar Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Apogee Investment (P), Ltd., 4/5 Kalkaji New Delhi through its Director Smt. Kamelesh Kumari Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. E-2/16 Darya Ganj New Delhi, with the land mg. 1000 sq. fts. on G.F. (rear portion).

NARENDER SINGH

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, New Delhi

Date : 4-8-1982
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th August 1982

Ref. No. IAC/Acq 2/SR.1/12-81/8627.—Whereas I, NARENDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. E-2/16 situated at Darya Ganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—
34—226G1/82

(1) M/s Vishvarama Hotels Ltd. E-2/16, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Apogee Investments (P) Ltd., 4/5, Kalaji Extn., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property bearing No. E-2/16, Daraya Ganj New Delhi, G.F. Area 1000 sq. feet.

NARENDER SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, New Delhi

Date : 4-8-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd August 1982

C.R. No. 62/33772/81-82/ACQ-B—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6, situated at Anna Swamy Mudaliar Road, known as Ajantha Talkies, Bangalore-42, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar Document No. 3321 on 16-12-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri A. J. Padmanabhan, s/o Late A. G. Janakiram Mudaliar, No 40, St John's Road, Bangalore.
(Transferor)
- (2) (i) M/s. Goldie Trust, No 21/14, M. G. Road, Bangalore-1 by its Managing Trustee Smt Rupa S. Patel.
(b) Shamsundar R. Bhathija, No 26, Fairfield Lay-out, R. C. Road Bangalore-1
(c) Smt. Jyothi Narayandas, 1st Cross, Sreekanthiah Lay-out, Crescent Road Bangalore-1.
(Transferee)
- (3) M/s Ajantha Theatres, No 6, Annaswamy Mudaliar Road, Bangalore-560 043
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3321 Dated 16-12-1981)
Land with building at No. 6 Annaswamy Mudaliar Road, Bangalore-560 042 known as Ajantha Talkies

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 2-8-1982.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri P. B. Tol No. 42, 11th Main Road, Between 16 & 17th Cross, Malleswaram, Bangalore.
GEE Pee Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri G. P. Hamelwasia, No. 51, K. H. Road Bangalore-560 027.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th July 1982

C.R. No. 62/32995/81-82/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU
MADHAVAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 31A and 32 situated at Byrasandra, Bannerghatta Main Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar Document No. 4119 on December, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4119 Dated Dec. 1981)
Conversion House Nos. 31-A & 32 of Byrasandra, Bannerghatta Main Road, Bangalore.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 28-7-1982.
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 24th July 1982

C R No 62/33373/ACQ B—Whereas I, MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

22 situated at 1st Cross Malleswaram, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gandhinagar Bangalore under Document No 3734/81 82 on 27-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) (1) Shri N Chandramouli @ C L Narasipur, (2) Shri N L Panapathi @ P L Narasipur, (3) Shri N L Suresh, (4) Smt N L Bhagirathi, (5) Smt. N L Subbalakshmi, (6) Smt. N. L. Annapurna. No 7 7th Cross Malleswaram, Bangalore-3 (Transferor)

- (2) Smt C Babu @ Annapoorni, w/o Shri A Kannappan, residing at No 197, Sample Road, Malleswaram, Bangalore 3 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No 3734/81 82 Dated 27-1-1982)
All that property bearing No 22 1st Cross, Malleswaram, Bangalore-3

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date 24-7 1982
Seal

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 27th July 1982

C.R. No. 62/438/81-82/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

116A/134 & Chalta No. 1, situated at Baina, Ward No. 10, Taluka of Mormugao,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mormugao, under document No. 182/81-82 on 7-12-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Joaquin Xavier Leslie Lobo & Smt. Numiliana Jasmina Isa Gonsalves F Lobo R/o Camorlim, Bardez—Goa.

(Transferor)

(2) M/s. Sea View Co-operative Housing Society, repled. by Chairman Sri Joaquin Sebastiao Edwin D'Souza, & Secretary, Joao Gregorio Rodrigues, of Kosambe Building Block 0—5, Vasco-da-Gama, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 182/81-82 Dated 7-12-1981)

The whole plot of land known as "SEM DENOMINACAO ESPECIAL", bearing S. No. 116-A/134 & Chalta No. 1, situated at Baina, Ward No. 10, Taluka of Mormugao

MANJU MADHAVAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 27-7-1982.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Joachim Santhan Alvares, S/o Paul Alvares,
Bajai Mangalore-575004.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Richard D'Casta S/o Joseph D'Casta By G. P.
A. Holder, Joseph D'Casta S/o Sauthan D'Casta,
Koppalkad of Padavu Village, Mangalore-575 008.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th July 1982

C.R. No. 62/33871/81-82/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU
MADHAVAN,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingNo. 2688-I, situated at Kadri Village, Mangalore Taluk,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Mangalore under Document No. 1304/81-82 on 16-12-1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
-
- able property, within 45 days from the date of the
-
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1304/81-82 Dated 16-12-1981)

All that property bearing No. R.S. 268-I, situated at Kadri
Village of Mangalore Taluk.MANJU MADHAVAN,
Competent Authority.Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.Date : 28-7-1982.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri U. Suresh Mallya, S/o Ullal Narayana Mallya,
D. No. 6-7-140, Gandhinagar, Mangalore-3.
(Transferor)

(2) Sri U. Purushothama Mallya S/o Ullal Narayana
Mallya D. No. 6-7-140, Gandhinagar, Mangalore-
575 003.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th July 1982

C.R. No. 62/33874/81-82/Acq/B.—Whereas, I, MANJU
MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No.

94/29, T.S. No. 663/29, situated at Boloor Village, Manna-
gudde Ward, Mangalore Town.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

Mangalore under Document No. 1334/81-82 on 23-12-1981,
for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely : —

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1334/81-82 Dated 24-12-1981)

All that property bearing No. R.S. No. 94/29, T.S. No.
663/29, with residential buildings, old D. No. 6-96 & 97,
New No. 6-7-140 & 140B, situated at Boloor village, Banga-
lore.

MANJU MADHAVAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Bangalore.

Date : 28-7-1982.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th July 1982

CR. No. 62/33670/81-82/ACQ/B—Whereas, I, MANJU MADHAVAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 17/1A, situated at Mudanidambur Village, Udupi, Dakshinakannada District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Udupi, under Document

No. 980/81-82 on 25-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri K. Prakash Nayak,
Officer, Syndicate Bank,
Kadekar Branch, Udupi Town,
Post Udupi.

(Transferor)

(2) Sri Abdus Samad,
S/o Moideen Saheb,
Kallakamba Bailur Village,
Karkala Taluk,
Post Bailur.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 980/81-82 dated 25-1-1982).
All that house-site bearing S. No. 17/1A, including building situated at Mudanidambur Village, Udupi Taluk, Dakshinakannada District.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-7-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. (Mrs.) Anasuya B. Salian & others.
(Transferor)(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) a. Sri Dhananjaya Palke,
s.o. P.B. Achar Jeweller,
Marnamikatta, Mangalore-575001.
b. Sri Ratnakar Adyanathaya Durgamba Estate,
Srivasa,
Chickmagalur.

(Transferee)(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 21st July 1982

C.R. No. 62/33684/81-82/ACQ-B.—Whereas, 1. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. 753, T.S. No. 216, situated at Attawar Village, Attawar Ward, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore City Under Document No. 1311/81-82 on 18-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely :—
35—226GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1311/81-82 dated 18-12-1981)
All that property bearing No. R.S. No. 753 T.S. No. 217, situated at Attawar Village, Attawar Ward, Mangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 21-7-1982
Seal :

FORM IT.N.S. ————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,
BANGALORE 560001

Bangalore-560001, the 14th July 1982

No. CR No. 62/33681/81-82 —Whereas, I, MANJU MADHAVAN Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing

No. RS 77-1A situated at Middle Western Portion, Mangalore Town Kadri Ward Kadri Village, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Mangalore City under Document No. 1240/81-82 on 1-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

(1) Sri D. Ramachandra,
s/o Krishnappa Maistry,
Kadri Temple Road
Mangalore-2

(Transferor)

(2) Sri K. Gopalakrishna s/o Shankaranarayana Rao,
Karangalpady,
Mangalore-3

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1240/81-82 dated 1-12-81).
Land and building bearing No. RS 77-1a middle western portion situated at Mangalore Town, Kadri Ward, Kadri Village, Mangalore

MANJU MADHAVAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, BangaloreDate 14.7.1982
Seal

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 9th July 1982

C R. No. 62|33861|81-82|Acq|B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 38|2250 & No. 2699 & New No. 2684 situated at Railway Station extension Gandhinagar, Tumkur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tumkur under document No. 2718|81-82 on 10-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Sri B. L. Srinivasa Shetty,
S/o. Late B. S. Lakshmikanta Shetty,
K. R. Extension, Tumkur.

(Transferor)

(2) Sri N. S. Narayana Setty &
Sri N. R. Narasimha,
CSI Layout, Tumkur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2718|81-82 dated 10-12-81)

Site situated at Railway Station Extension, Gandhinagar, Tumkur Town bearing No. 38|2250 and No. 2699 and New No. 2684.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-7-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 8th July 1982

No. C. R. No. 62/7-7/ACQ/B.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3439/1 & 3439/2 situated at College Road, Belgaum, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum Under document No. 2620 on 24th December, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gangaram Laxmanarao Jadhav,
Bijagam, Belgaum. (Transferor)
- (2) Shri Shantaram Shivajirao Vesane,
'Viju Nivas' Ncharunagar,
Belgaum. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2620 Dated 24th December 1981)
Property situated at College Road Belgaum bearing Nos. 3439/1 & 3439/2.

MRS. MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-7-1982
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 22th July 1982

No. C.R. No. 62/33802/81-82/ACQ-B.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

21, Old No. 1-A, situated at M. No. 6, Street Dharmaraja Koil Street, and 'L' No. 4, Street, O.P.H. Road Cross, Bangalore-1.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Shivajinagar Document No. 3695 on 31-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Shamimunnisa,
No. 80, Ranoji Rao Road,
Basavanagudi,
Bangalore-560004.

(Transferor) (s)

(2) (1) Shri G. N. Zameer Ahmed,
(2) Smt. Heera Begum,
No. 9, Noah Street,
Stephens Square,
Bangalore-560051.

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3695 dated 31-12-1981)

Premises No. 21, old No. 1-A, at M. No. 6 Street Dharmaraja Koil Street and 'L' 4 Street, O.P.H. Road Cross, Bangalore-1.

MRS. MANJU MADHAVAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-7-1982
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 22nd July 1982

No. C. R. No. 62/32813/82-83/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 139—159 and New 153 situated at IIIrd Main Road, Chamarajapet, Bangalore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pasavanagudi Document No. 2692 on 15-12-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri M. T. Gowda alias Thammanna Gowda
s/o Make Gowda,
2. N. Sarojamma, w/o Thammanna Gowda,
3. M. T. Mahadeva,
4. M. T. Ravikumar,
5. M. T. Manjunatha,
Rept. by Guardian N. Sarojamma.

Transferor(s)

- (2) Shri B. Nagesh Rao,
s/o B. Vasudeva Rao,
Hosanagar, Shimoga District.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2692 Dated 15-12-1981)
Old No. 139—159, New No. 153, IIIrd Main Road, Chamarajapet, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-7-1982
Seal:

FORM ITNS—

(1) Shrimati Gayathri,
No. 100/2, Domlur Lay-out,
Bangalore-560071.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. N. Vasudeva Pillai,
No. 578, Domlur Lay-out,
Bangalore-560071.

Transferee(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 9th July 1982

No. C. R. No. 62/33256/ACQ-B/81-82.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

18 & 19 situated at S. No. 74/1-B of Domlur, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar Document No. 2819 on Dec., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(1) Shri Raghuvir Sen, GPA Smt. Susheela Rudra, W/o 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 5 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(Registered Document No. 2819 dated 31-12-1981)
Site No. 18 & 19, formed out of converted survey No. 74/1-B of Domlur, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-7-1982
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BANGALORE 560001

Bangalore-560001, the 17 July 1982

No. C R No 62/33208/81-82/ACQ/B—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

710, situated at I Stage, Binnamangala, (Indiranagar), Bangalore-560038.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Doc No 2958 on 28-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shumati Vasantha Srinivasan
No 6 Sprue Drive,
Nanuet, New York
U S A

Transferor (s)

(2) Shri Vikas Goenka,
722, I Stage, Indiranagar,
Bangalore-560038

Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No 2958 Dated 28 12 1981)
Site No. 710 I Stage Binnamangala, Indiranagar, Bangalore-560038

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date 17-7-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 5th July 1982

No. C. R. No. 62/33708/81-82/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 184, situated at 34th Cross, 5th Block, Jayanagar, Bangalore-41, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Jayanagar Document No. 4898 on 10-2-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
36—226GI/82

- (1) Shri T. Umapathy,
s/o Thiruvengada Swamy,
G. P. A. Holder U. Dakshayani,
U. Naresh, U. Mohan and U. Hemalatha,
No. 26, Venkatarathnam Nagar,
Madras-20.

Transferor (s)

- (2) Shri K. R. Seshadri,
184, 38th Cross,
Jayanagar,
5th Block,
Bangalore-41.

Transferee (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4898 dated 10-2-1982).
No. 184, 38th Cross, 5th Block, Jayanagar, Bangalore-41.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-7-1982
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 9th July 1982

No. C. R. No. 62/33254/81-82/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 436 situated at H. A. L. Hind Stage, Bangalore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar Document No. 2812 on 14-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1911 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri T. S. Nagabhushanam,
S/o Shri T. Subbiah,
No. 17, Veeranna's Garden,
Bangalore-560005.

(Transferor) (s)

(2) Shri M. N. Mohan Kumar,
s/o M. K. Navanithakumar,
No. 265, Naryana Pillai Street,
Bangalore-560001.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2812 dated 14-12-1981).
Premises No. 436, H. A. L. Hind Stage, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-7-1982.
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 9th July 1982

No. C. R. No. 62/33255/81-82/Acq-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8 in No. 74/1-B, situated at Domlur, Bangalore-71. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar Doc. No. 2818 on December, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Janakamma,
100/3, Domlur Layout,
Bangalore-560071.

(Transferees)

(2) Shrimati P. Susheela Hari Das,
No. 637, Upstairs,
Domlur Layout,
Bangalore-560071.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2818 Dated December 1981)
Site No. 8, in No. 74/1-B, of Domlur, Bangalore-560071.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-7-1982
Seal:

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 14th June 1982

No. 432/82-83.—Whereas, I,
MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

New No. 268 (Out of S. No. 7) situated at Mudigere.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mudigere Under Document No. 532/81-82 on 4-12-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri B. R. Dattagowda,
S/o Ramegowda Mudigere,
TQ: Chikmagalur.

(Transferor) (s)

(2) Shri G. S. Basegowda,
S/o Subbegowda
Hand Post Mudigere,
TQ: Chikmagalur.

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (e) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 532/81-82 Dated 4-12-1981)
Land bearing New No. 268 (Out of S. No. 7 measuring 2 Acres with Saw Mill building, Office building and Godown standing thereon.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 14-6-1982
Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 21st June 1982

Notice No. 434/82-83—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S No. 2 sub-division 6, 7, 8 & 9 property known as "Casa de Morada Com a sua horta e quintal" situated at Bicholim, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Bicholim, Goa under document No. 480/81-82 on 15-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) (1) Shri Luis Vicente Santana Pereira and his wife Maria Alzira Tereza de Jesus Mascarenhas e Pereira.
- (2) Shri Ivo Pereira and his wife Antoniette Cecilia Coelho Pereira.
- (3) Shri Luis Antonio Alfredo Desa and his wife Maria Celina Pereira, also known as Celina Pereira.

All are residing at Panaji, Goa

(Transferor)

- (2) (1) Paulo Manuel Jesus D'Souza

Residing at Bicholim, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 480/81-82 Dated 15-12-1981)
Plot of land S No. 2 sub-division 6, 7, 8 & 9 property known as 'Casas de Morada Com a sua horta e quintal' situated at Bicholim, Goa.

MANJU MADHAVAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 21-6-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 18th May 1982

Notice No. 428/82-83.—Whereas, I,
MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 66/8 situated at Commussurate Road, Cantonment Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

under document No. 2428 dated 4-12-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :—

(1) Smt. Sudhabai W/o Bheema Rao Harihar
Parimal Building
Koumudi Society,
Erandevana Pune-4.

(Transferor)

(2) (1) Shri Ismail Beig Mohamad Beig
Vazir, Kotwal Galli, Belgaum. .
(2) Smt. Subera W/o Sikandarkhan
Soudagar, Camp Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2428 dated 4-12-1981)
Residence bearing B. C. No. 113/M. S. No. 66/8 situated at Commussurate Road, Cantonment (Near Union Bymkhana) Belgaum.

MANJU MADHAVAN

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 18-5-1982
Seal :

FORM NO. ITNS— — —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th April 1982

Notice No. 422/82-83.—Whereas, I,
DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. House No. 55(1) & 55(2) situated at Cacoda Bansai—
Curchorem Goa
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Quepem under document number 392 on 14-12-1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Shri Shaikh Mohamad Rashid, S/o Shaikh Ayub
2. Shri Shaikh Ayub, S/o Shri Xec Abdul Azeez
3. Smt. Alfida Begum, W/o Shri Shaikh Ayub
Mine Owners, Sanguem Goa. (Transferor)
- (2) Smt. Abida Bano Sharieff, W/o Kolar Nayeemulla
Sharieff, Resident of Bansai, Curchorem Goa. (Transferee)
- (3) NIL (Person(s) in occupation of the property)
- (4) NIL (Person(s) whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 392 dated 14-12-1981)
Land measuring 710.50 sq. m. and building thereon bear-
ing House No. 55 (1) & 55 (2) situated at Cacoda Bansai
Curchorem-Goa.

Dr V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-4-1982.
Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 20th April 1982

Notice No 418/82-83 —Whereas, I, Dr V. N. LALITHKUMAR RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Sy. No 188/B situated at Kaladagi Road, Bagalkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bagalkot under document number 894 on 14-12-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kesarmal Kanayalal Surana,
Merchant, Bagalkot
(Transferor)
- (2) Shri Kanayalal Bacharaj Surana,
Merchant Bagalkot
(Transferee)
- (3) NIL
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) NIL
(Person(s) whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No 894 dated 14-12-1981)
Land and building bearing Sy No 188/B situated at Kaladagi Road, Bagalkot

Dr V N LALITHKUMAR RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date 20-4-1982
Seal ..

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 28th July 1982

G.I.R. No. C-35/Acq—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 88/1 and 88/2 situated at Mohalla-Tulshipur, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar at Varanasi on December, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
37—226GI/82

(1) Gopal Prasad Chaurasia

(Transferor)

(2) Smt. Chanda Rani Jaiswal

(Transferee)

(3) Above vendee.

(Person in occupation of the property)

(4) NIL

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Atazi No. 88/1 and 88/2, situate at Mohalla-Tulshipur, Pargana- Dehat Amanat, Distt. Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 11755, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Varanasi, in December, 1981.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow,

Date : 28-7-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 28th July 1982

G.I.R. No. R-173/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. B3C/2A-1 situate at Madan Mohan Malviya Road, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer /Registrar/Sub-Registrar at Varanasi on December, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Devendra Nath Pandey, (Transferor)
(2) Shri Ram Mohan Choubey, (Transferee)
(3) Above seller. (Person in occupation of the property)
(4) NIL (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-30/2-A, situated at Madan Mohan Malviya Road, Varanasi and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 11409/81, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Varanasi, in December, 1981.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 28-7-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 28th July 1982

G.I.R. No. M/138.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. House situated at Sheshpur, Gorakhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gorakhpur on 1-12-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jhamman Lal. (Transferor)
(2) Shri Makkhan Lal Goel. (Transferee)
(3) Above seller. (Person in occupation of the property)
(4) NIL. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A three-storey house, measuring 1800 sq. ft. situate at Sheshpur, Distt. Gorakhpur, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 9464, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Gorakhpur, on 1-12-1981 (as per 37G Form).

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 28-7-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd August 1982

C.I.R. No. S-235/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A portion of a building situated at Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 27-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri G. S. Pandey.
(Transferor)
- (2) Shri Satish Kumar Agarwal.
(Transferee)
- (3) M/s. Kedar Engineering Works, Station Road, Moradabad. (Tenant).
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in the Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of a building measuring 287-70 sq. mtrs. situated at Station Road, Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2895, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Moradabad on 27-1-1982.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 2-8-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Pragatisheel Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd.,
Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dhanush Dhari Singh.

(Transferee)

(3) Above vendor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 5th August 1982

G.I.R. No. 93/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and
bearing No.

Plot No. 1-A, situated at I. T. College Crossing, Lucknow
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Lucknow on 31-12-1981

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1-A, area—1140 sq. ft. (lease hold) situated at
I. T. College Crossing, Lucknow, and all that description of
the property which is mentioned in the sale deed and form
37G No. 372/82, which have duly been registered at the
office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 31-12-1981.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 5-8-1982.
Seal -

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 28th May 1982

G.I.R. No. R-167/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4th part of House No. 71/1, situated at A. P. Sen Road, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 4-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Raj Kishore Misra.

(Transferor)

(2) Smt. Rose Light Kamal Kumari
Through her Attorney, Kumari, G. K. K. Harvey.

(Transferee)

(3) Above transferee.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th part of House No. 71/1, A. P. Sen Road, Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37-G No. 7216, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 4-12-1981.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 28-5-1982.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 29th May 1982

G.I.R. No. R-168/Acq.—Whereas, J. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Sanders Road, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 15-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Mariam Begum
Through her Attorney, Ali Naqi Khan.
(Transferor)
- (2) Shri Radhey Krishna Tandon.
(Transferee)
- (3) Shri Radhey Krishna Tandon.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land admeasuring 3170 sq. ft. situated at Sanders Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in Form 37G No. 7489 and sale deed, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 15-12-1981.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 29-5-1982
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 1st July 1982

G.I.R. No. S-232/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 116, situated at Civil Lines, Bareilly, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 26-12-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Prem Shankar Khatri
2. Smt. Shakuntala Khatri

(Transferor)

- (2) 1. Shri Sunil Anand
2. Smt. Shama Anand
3. Shri Sarbjeet Singh
4. Shri Satyajeet Singh
5. Shri Girish Oberoi
6. Smt. Asha Sardana

(Transferee)

- (3) Above vendors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land measuring 1001 sq. yds. out of plot No. 116, situated at Civil Lines, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6864, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 26-12-1981.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 1-7-1982

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Shanti Devi.
(Transferor)
- (2) Shri Shiv Prasad.
(Transferee)
- (3) Above transferee.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th July 1982

G.I.R. No. S-233/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A two-storeyed building situated at Mian Bazar, Gorakhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Gorakhpur on 29-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

38--226GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A two-storeyed building measuring 1925 sq. ft. situated at Mohalla—Mian Bazar, Gorakhpur, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 10052/6/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Gorakhpur, on 29-12-1981.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 9-7-1982.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 22nd July 1982

Ref. No. ASR/82-83/53.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property in Katra Karam Singh situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on December, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shakuntla wd/o Shri Ganesha Dass Bawa
R/o Nimak Mandi, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Mohan Lal s/o Jodha Ram
R/o Katra Karam Singh,
Nai Sarak, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any,
Harbans Singh for Rs. 140/- since 10-9-1977.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building No. 3249/9 and New No. 689-9-42, situated in Katra Karam Singh, Nai Sarak, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16651 dated 11-12-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 22-7-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 22nd July 1982

Ref. No. ASR/82-83/154.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One property in Bazar Kathian, situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Amaul Singh s/o S. Ajit Singh and Smt. Tejender Sachdeva w/o Late Shri Ajit Singh R/o 13-Rai Bahadur Rattan Chand Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Hari Singh s/o S. Gurdit Singh R/o Katra Karam Singh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in shop No. 678/4-18 situated in Bazar Kathian Amritsar as mentioned in the sale deed No. 173/72/dated 28-12-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 22-7-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 22nd July 1982

Ref. No. ASR/82-83/155.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believethat the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
One property in Rani Ka Bagh Amritsar situated at Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
SR. Amritsar on December, 1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the Transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

(1) Sh. Ropinder Sharma,
157, Greater Kailash Part-I,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ranbir Singh S/o Surjeet Singh
R/o Br. Papram, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objection if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One third portion in Kothi situated in Rani Ka Bagh
Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16566 dated
9-12-81 of the Registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 22-7-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 22nd July 1982

Ref. No. ASR/82-83/156.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingOne property in Shastri Nagar situated at Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
SR. Amritsar on December, 1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Avtar Singh s/o Diwan Singh
R/o Amritsar.
Plot No. 3, Gokal Nagar, Amritsar.
Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Jasbir Kaur w/o Kashmir Singh
R/o 276, Krishna Nagar, Lawrance Road,
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

One house (area 190 sq. yards) situated in Shastri Nagar,
Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16963/dated
18-12-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, AmritsarDate : 22-7-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 22nd July 1982

Ref. No. ASR/82-83/157.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot situated at Batala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Batala on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer of agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: —

- (1) Shri Iqbal Chand s/o Shri Kunbhal Chand, Bali Inderjit, R/o Batala. (Transferor)
- (2) M/s. Jindal Industrial Corporation Through Shri Sunil Kumar Aggarwal, Batala. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 2K 13M in village Batala West as mentioned in the sale deed No. 5916 dated December, 1981 of the registering authority, Batala.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 22-7-1982
Scal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/158.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One house in Bazar Tokarian situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ram Parkash s/o Balkishan and Premwati w/o Balkishan, Yash Pal S/o Balkishan R/o Kti. Dulo, Amritsar, (Transferor)
- (2) Shri Baldev Kishan s/o Punna Lal R/o Lachhman Sar, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 2029/8 situated in Bazar and Gali Tokarian, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16117 dated 2-12-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 22-7-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 22nd July 1982

Ref. No. ASR/82-83/159.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.being the Competent Authority under Section
269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. One property in Br. Subunia situated at Amritsar(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

SR. Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration thereby by more than fifteen per cent
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Smt. Champa Wati w/o Daulat Ram
R/o 5 Kanigam Crescent, Bangalore,
Through Shri Ram Parshad Chadha s/o Rup Lal
R/o Kucha and Gali Bhai Sant Singh,
Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Satya Wati w/o Parshotam Lal.
R/o Bazar Guru Bazar Kucha Upplan,
Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
Harnam Dass for Rs. 70/- p.m.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 104/2 and 207/2-2 and 110/11-12 MCA
situated in Kucha Lundan Bazar Sabunia, Amritsar as men-
tioned in the sale deed No. 16672 dated 11-12-81 of the
registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 22-7-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 26th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/160.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property inside Mahan Singh Gate situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

39—226GI/82

(1) Smt. Ragbir Kaur wd/o Kartar Singh and
Smt. Paramjit Kaur and Raj Kaur
Ds/o Kartar Singh and
Mohinder Pal s/o Kartar Singh
R/o Inside Mahan Singh Gate,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Upinder Kaur d/o Shri Jaut Singh
R/o Chatiwad Gate behind Raj Talkies,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated inside Mahan Singh Gate opposite State Bank of India, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 17000 dated 18-12-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 26-7-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 27th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/161.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No

One property in Dhab Khatikan situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at SR, Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Neena Mehra w/o Din Dyal Mehra and Din Dayal Mehra s/o Shri Charan Dass Mehra R/o 33-Shiv Sagar, Varli Hill Road, Bombay-18 and Deepak Mehra s/o Shri Din Dyal Through Shri Din Dyal Mehra Mukhtar.
(Transferor)

(2) Smt. Kusum Lata w/o Shri Mohan Lal Arora R/o Bazar Kanak Mandi, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3th share in property No. 1284/10 situated in Dhab Khatikan Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16911 dated 7-12-1981 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, AmritsarDate : 27-7-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 27th July 1982

Ref No ASR/82-83/162.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No One property in Dhab Khatikan, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on December, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt Nena Mehra w/o Shri Din Dayal Mehra & Shri Din Dayal Mehra s/o Shri Charan Dass R/o 33 Shiv Sagat, Vaili Hill Road, Bombay-18 and Shri Deepak Mehra s/o Shri Din Dayal Through Shri Din Dayal Mehra, Amritsar
(Transferor)
- (2) Smt Sushma Arora w/o Shri Manohar Lal Arora R/o Inside Lohgarh Gate, Katra Dulo, Amritsar
(Transferee)
- (3) As at Sl No 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th share in property No 1284/10 situated in Dhab Khatikan Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16909 dated 17-12-1981 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date 27-7-1982
Seal ;

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 27th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/163.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property in Dhab Khatikan situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Neena Mehra w/o Shri Din Dayal Mehra & Shri Din Dayal Mehra s/o Shri Charan Dass Mehra R/o 33-Shiv Sagar Worli Road, Bombay-18 and Deepak Mehra s/o Shri Din Dayal Mehra, Through Shri Din Dayal Mehra Mukhtar.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lal Arora S/o Shri Ram Lal R/o Bazar Kanak Mandi, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in one property No. 1284/10 situated in Dhab Khatikan, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16855 dated 16-12-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-7-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/164.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property in Dhab Khatikan situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) **facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or**

- (b) **facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Neena Mehra w/o Shri Din Dayal Mehra & Shri Din Dayal Mehra s/o Shri Charan Dass Mehra R/o 33-Shivsagar Worli Hill Road Bombay-18 and Shri Deepak Mehra s/o Shri Din Dayal Mehra Through Shri Din Dayal Mehra Mukhtar,
R/o above.

(Transferor)

- (2) Shri Manohar Lal Arora s/o Shri Karam Chand R/o Inside Lohgarh Gate Katra Dulo,
Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons **whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property within **45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.**

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in one property No. 1284/10-5 situated in Dhab Khatikan, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16850 dated 16-12-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-7-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Sheela Rai d/o Jaswant Rai
R/o 30 Race Course Road,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Narinder Singh and Rajinder Singh
Ss/o Sohan Singh
R/o Kairon Market, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 27th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/165.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property on Race Course Road situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share in Kothi No. 30 situated on Race Course Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 17430/dated 28-12-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-7-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 27th July 1982

Ref. No ASR/82-83/166—Whereas I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property on Race Course Road situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Pritaba Kalo d/o Shri Inder Sen
R/o 30 Race Course Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Narinder Singh and Rajinder Singh
Sa/o Sohan Singh
R/o Kairon Market, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th share in property situated on Race Course Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 17429 dated 28-12-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-7-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 27th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/167.—Whereas I,
ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property on Race Course Road situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kusum Suri d/o Shri Inder Sen,
R/o 30 Race Course Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Narinder Singh and Rajinder Singh
Ss/o Sohan Singh
R/o Kairon Market, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1st share in property situated on Race Course Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 17428 dated 28-12-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-7-1982
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 27th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/168.—Whereas I,
ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property on Race Course Road situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
40—226GI/82

(1) Smt. Madhu Chawla d/o Shri Inder Sen
R/o 30-Race Course Road, Amritsar.
(Transferor)

(2) Shri Narinder Singh and Rajinder Singh
Ss/o Sohan Singh
R/o Kairon Market, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in property situated on Race Course Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 17427/dated 28-12-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-7-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 27th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/169.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One Plot in New Garden Colony situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ved Parkash s/o Puran Chand
R/o Ajit Nagar self and mukhtar aam,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Ramesh Kumari w/o Shri Vijay Kumar
R/o Katra Mohar Singh, Kucha Bhabrian,
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated in New Garden Colony Circular Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16274 dated 3-12-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, AmritsarDate : 27-7-1982
Sd :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURJ, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 27th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/170.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One Plot in New Garden Colony situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ved Parkash s/o Puran Chand
R/o Ajit Nagar self and mukhtar aam,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Ramesh Kumar w/o Shri Vijay Kumar
R/o Katra Mohar Singh, Kucha Bhabrian,
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 26 situated on circular Road, New Garden Colony, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16289/dated 4-12-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 22-7-82
Sewl :

FORM FIVE**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR**

Amritsar, the 22nd July 1982

Ref. No. ASR/82-83/171.—Whereas, I, **ANAND SINGH IRS**, being the competent authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land in Distt. Gurdaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on December, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Narinder Singh s/o Man Singh
R/o Jhawar Teh. Gurdaspur.
(Transferor)
- (2) Shri Harjinder Singh s/o Chanan Singh
R/o Viram Wadala Teh. & Distt. Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 10K 10M situated in village Kotli Mangal, Civil Lines, Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 6283/dated 2-12-81 of the registering authority

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 22-7-82
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 22nd July 1982

Ref. No. ASR/82-83/172.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land in New Garden Colony situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Ved Parkash s/o Puran Chand
R/o Ajit Nagar self and mukhtar aammin janab
Owner Firm M/s. Ramesh & Co. Katra Abluwalia,
Amritsar.

(Transferor)

- (2) Dr. Jasjit Falia (Shashi)
W/o Dr. Sukhwinder Singh Walia,
R/o 75 Golden Avenue Headwaterworks Road,
Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Serial No. 2 above and tenant(s) if any,
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 49 situated on Circular Road, Abadi New Garden Colony. Khasra No. 1331-1332 in Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16808/dated 15-12-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-7-82
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 22nd July 1982

Ref. No. ASR/82-83/173.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One Plot in New Garden Colony situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the respect of any income arising from the transfer; 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1951);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Ramesh & Co.
Katra Ahluwalia, Amritsar through
Shri Ved Parkash s/o Shri Puran Chand,
Ajit Nagar, Amritsar.

Transferor)

- (2) Jasjit Walia
W/o Dr. Sukhminder Singh Walia,
R/o 75-Golden Avenue Headwaterworks Road,
Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 49 situated on Circular Road, abadi New Garden Colony Khasra No. 1331-1332, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16345/dated 4-12-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 22-7-82
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Khestra Nath Chowdhury,
4, Kali Bazar Road,
P.O. & Dist. Burdwan.

(Transferor)

(2) Smt. Sukriti Chowdhury
Sri Sumit Chowdhury
C/o Dr. Susanta Chowdhury,
5A, Chakraberia Lane,
P.O. Ballygunge, Calcutta-20.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 5th July 1982

Ref. AC-14/Acq/R-IV/Cal/82-83.—Whereas, I,
K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and
bearing No. 4 situated at
Kali Bazar Road, Burdwan
and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Officer at Burdwan on 14-12-1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating of concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 7 Cottahs with Building Address : 4, Kali Bazar Road,
P.S. & Dist. Burdwan, Deed No. 9587 of 1981.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date : 5-7-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 8th July 1982

Ref. No. P.R. No. 2021 Acq 23-I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Factory Building situated at Village Chauta, Taluka : Kutiana, Dist. Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Manavadar on Dec. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Ram Khandsary Sugar Mills;
Village Chauta Tal. Kutiana, Dist. Junagadh.
(Transferor)
- (2) Sh. Field Marshall Khandsary Udhyog;
through : Partner Sh. Mohanlal Mohidas;
Village Ranavav, Tal. Porbander; Dist. Junagadh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory viz. Shri Ram Khandsari, standing on land 12140-18-76 sq. mts. situated at village Chauta, Tal. Manavadar, Dist. Junagadh, duly registered by S.R. Manavadar, vide sale deed No. 334/December, 1981.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 8-7-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Patel Chhagan Ramji & others,
of Joshipura, Junagadh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sh. Nathji Nagai Coop. H. Socy. Ltd.
(Palaswa) President Shri Bhagwanji
Govindbhai, Herba, Joshipura, Junagadh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009 the 1st July 1982

Ref. No. PR No. 2020 Acq 23-I/82 83. Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000— and bearing No. 6 situated at Village Joshipura, Dist. Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on 10-12-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 3A—29 Gie 16819 sq. yds. situated at village Joshipura, Junagadh, duly registered by S.R. Junagadh, vide sale-deed No. 3940/10-12-81.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
41—226GJ/82

Date: 1-7-1982
Seal;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 1st July 1982

Ref. No. P.R. No. 2019 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 104, Plot Nos. 46 to 49, 50 to 52, 57 to 59 & 60 to 63 situated at Bharathi Bapa's Wadi, Behind S. T. Stand, Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on 5-12-81 & 5-2-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Dilsukh Bharathi Mohan Bharathi; through : P.A. Holder; Shri Dhirubhai N. Gohel, Bharathi Bapu's Wadi, Behind S. T. Stand, Junagadh

(Transferor)

- (2) Sh. Balmukund Coop. H. Society; through : President Sh. Muldas Karsandas Agrawat; C/o Tip Top Furniture Mart, Kalwa Chowk, Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and adm. 908.65 sq. mts. ± 1208.65 sq. mts. situated at Bharathi Bapu's Wadi, Behind S.T. Bus Stand, Junagadh, duly registered by S.R. Junagadh vide sale-deed No. 409/5-2-82 and 3877/512-81.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 1-7-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, COCHIN-662016

Ernakulam, the 28th July 1982

Ref. L.C. No. 588/82-83.—Whereas, I,
P. J. THOMASKUTTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing Sy. No. as per schedule situated at Trichur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 1-1-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Antony,
S/o Alappat Chemmanda Poulse,
Veliyannur,
Trichur.

(Transferor)

- (2) Dr. V. K. Bhaskaran,
S/o Vazhoor Kumaran,
Veliyannor Road, Trichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

24.992 cents of land in Sy. No. 1076/1 of Trichur town.

P. J. THOMASKUTTY,
Competent Authority
Inspecting Asstl. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Date 28-7-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE-I.

Pune-I, the 29th July 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR Karvir/Feb 82/747, 82-83 —

Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

City Kolhapur, Tal. Karvir, Dis. Kolhapur

C.S. No. 232A/3A situated at

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Karvir, on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Anusayabai Dattajirao Bhosale,
'Sukh Niwas', 232, E-Ward,
Tarabai Park,
KOLHAPUR.

(Transferor)

- (2) Smt. Ranilal Judomal Chandwani Memorial
Trust,
Chairman and Trustee, Shri Judomal Hemandas
Chandwani,
233, E-Ward, Surve Colony,
Tarabai Park,
KOLHAPUR

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing C.S. No. 232A/3A situated at City Kolhapur, Tal. Karvir Dist. Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 675 in the office of the Sub-Registrar, Karvir in the month of Feb. 1982)

R. K. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune.

Date 29-7-82
Seal

FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Janardan K. Nene,
68, Mayur Colony,
Pune-411 029.

(Transferor)

(2) Sh. Sadanand K. Shetty,
'Aradhana' 2nd Floor,
Plot No. 4, C.T.S. No. 285,
Poona-411 004.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 29th July 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Haveli-I/Jan.82/749/82-83.—

Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

C.T.S. No. 285, Sub Plot No. 4 situated at Sheela Vihar Colony Erandavana, Pune-4

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Haveli-I on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing C.T.S. No. 285, Sub Plot No. 4, situated at Sheela Vihar Colony, Erandavana, Pune-411 004.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 506 in the office of the Sub Registrar, Haveli-I, in the month of Jan. 1982).

R. K. AGGARWAL,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 29-7-82

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 29th July 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Haveli-II/Feb 82/746/82-83.—
Whereas, I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sub Plot No. 15, Plot No. 479, C.S. No. 1105 situated at Bhamburda, Shivajinagar, Pune, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Haveli-II on Feb. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons, namely:—

- (1) M/s Narang Builders and Naranaldas Shamdas Narang, 1292, 3/12, Ghole Road, Shivaji Nagar, Pune-5. (Transferor)
- (2) Sh. Prabhakar Keshav Deshmukh, Secretary, Dipti Co-op. Housing Society, 479/15, Shivajinagar, Pune 16. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Sub-Plot No. 15, Plot No. 479, C.S. No. 1105, situated at Bhamburda, Shivajinagar, Pune.
(Property as described in the sale deed registered under document No. 3806 in the office of the Sub Registrar, Haveli-II, in the month of Feb. 1982).

R. K. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poone

Date: 29-7-82
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 29th July 1982

Ref No IAC/CA5/SR Ahmednagar/Feb 82/748/82-83 —
Whereas, I, R K AGGARWAL,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act) have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs 25,000/- and
bearing S No 25/332/2, P No 66 to 72, 74 to 78,
21 to 22 situated at
Bhist Bag, Savedi, Ahmednagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering
Officer at SR Ahmednagar on Feb 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely, —

- (1) M/s Shriram Agencies,
Parturi Shri Damodar Shankar Ranavkar
(Transferor)
(2) Shri Arvind Kisanrao Aagwan
Chief Promoter Ashtavinayak Sahakari Grihnirman
Sanstha Ltd
of Nagar Urban Bank Servants,
Ahmednagar
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned. —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later,
(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S No 25/332/2 P No 66 to 72, 74
to 78, 21 to 22, situated at Bhist Bag, Savedi, Ahmednagar

(Property as described in the sale deed registered under
document No 312 in the office of the Sub Registrar, Ahmed-
nagar, in the month of Feb 1982)

R K AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Poone

Date 29-7-82
Seal.

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 27th July 1982

Ref. No. F. 9584.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1985, 1986, 1988, 1989, situated at Andan Koil Karur (Doc. 4180/81), (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karur in December 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri G. Panneerselvam S/o C. Govindarajulu Nadu Krishnaswamy Nagar, Coimbatore.

(Transferee)

(2) Shrimati Arukkani Ammal W/o P. Chinnappa Gr. Visalakshi W/o Marudamuthu R. K. Puram, Katur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 1985, 1986, 1988, 1989, Andankoil, (Doc. 4180/81).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 27-7-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 30th July 1982

Ref. No. F. 11770.—Whereas I, R. P. PHILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 189/3, situated at Vadavalli (Doc. 5714/81), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore in December 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

42—226G1/82

(1) S. N. Shanmugham, Alagappan, Abirami Tradeis 6, RS Puram, Venkatachalam Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) P. G. Jacob S o Thomas Veighese Iosamma Jacob, Anjalibara Kannamangalam Mavelikara Tk Alleppy Dt. Kerala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 189/3, Vadavalli.
(Doc. 5714/81).

R. P. PHILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 30-7-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 30th July 1982

Ref. No. F. 11770.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 189/3, situated at Vadavalli (Doc. 511/81), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore in December 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S. N. Shanmugham, Alagappan Abirami Traders, 6, Venkatachalam Road, RS Puram, Coimbatore.

(Transferor)

- (2) Alexander John Saramma John, Alagesan Road, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 189/3, Vadavalli.
(Doc. 5713/81).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 30-7-1982
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 30th July 1982

Ref. No. F. 11770.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 189/3, situated at Vadavalli (Doc. 5712/81), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore in December 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S. N. Shanmugham, Alagappan, Abirami Traders, 6 RS Puram, Venkatachalam Road, Coimbatore.
(Transferor),
(2) Philips Abraham S/o K. P. Abraham, Gadatra, Kottayam Kerala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at S. No. 189/3, Vadavalli.
(Doc. 5712/81).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 30-7-1982.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri M Chinnappa Gr S/o V Marudappa Gt 5,
Swamy Gt St, Sangannur, Coimbatore

(Transferor)

(2) M Raman S/o N Madha Gowder R Vasanthi D/o
M Raman Jackanarai Aravenu, Kotagiri The
Nilgiris

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6**

Madras 6, the 30th July 1982

Ref No I 11787 —Whereas I, R. P. PILLAI,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs 25 000/
S No 70/2 situated at Sangannur (Doc 5316/81)
(and more fully described in the Schedule annexd hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Gandhipuram in December 1981 ()
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property, and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C
I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publications of this notice,
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S No 70/2, Sangannur, Coimbatore
(Doc 5316/81),

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Madras-6

Date 30-7-1982
Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 30th July 1982

Ref. No. F. 11766.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 188 situated at Vadavalli (Doc. 5531/81), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore in December 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri M. K. Ponnuswamy 12/24, Rangey Gounder St., Coimbatore.

(Transferor)

(2) Leela Abraham W/o A. Abraham Vadakkeykaru Village, Angadikkal murukulathindeythekkil House, Chengannur Tk. Alleppy Dt. Kerala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 188, Vadavalli.
(Doc. 5531/81).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 30-7-1982
Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

COMBINED MEDICAL SERVICES EXAMINATION 1983

New Delhi, the 4th September, 1982

No. F.14/3/82-EI(B) —A combined examination for recruitment to the Services & posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission on 20th February, 1983 at Agartala, Ahmedabad, Arizwal, Allahabad, Bangalore, Bhopal Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Shillong, Sinagar and Tiivandrum

THE CENTRES AND THE DATE OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION [See para 19(ii) below]

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 20th January 1983 will not be entertained under any circumstances.

2. The posts/services to which recruitment is to be made and the approximate number of vacancies to be filled are given below :—

- (i) Assistant Divisional Medical Officer in the Railways—**
- (ii) Junior Scale posts in Ordnance and Ordnance Equipment Factories Health Service—*
- (iii) Junior Scale Posts in Central Health Service—**
- (iv) Medical Officers, in the Municipal Corporation of Delhi—approx. 50 vacancies.*

The number of vacancies is liable to alteration.

**Vacancies not yet intimated by Government.

*Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/Posts mentioned in para 2 above. Candidates will be required to indicate preferences for Services/posts at the appropriate time.

If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Para 5 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the services/posts for which he applies.

4 ELIGIBILITY CONDITIONS :—

(a) Nationality

A candidate must be either :—

- (i) a citizen of India or
- (ii) a subject of Nepal, or
- (iii) a subject of Bhutan or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or

(v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India

Provided that a candidate belonging to categories (ii), (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India

(b) Age Limit—Age below 30 years as on 1st January, 1983.

The age limit is, however, relaxable upto 40 years as on 1-1-1983 for the examination to be held in 1983.

The upper age limit is further relaxable as follows :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person, from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;
- (ix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;
- (x) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

FORM ITNS—

(1) Shri M. K. Ponnuswamy 12/24, Rangey Gounder St., Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Leela Abraham W/o A. Abraham Vadakkeykaru Village, Angadikkal murukulathindeytheekil House, Chenganur Tk. Alleppy Dt. Kerala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 30th July 1982

Ref. No. F. 11766—Whereas J. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 188 situated at Vadavalli (Doc. 5531/81), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore in December 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 188, Vadavalli.
(Doc. 5531/81).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 30-7-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 30th July 1982

Ref. No. F. 11766.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 188 situated at Vadavalli (Doc. 5625/81), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M. K. Ponnuswamy 12/24, Rangay Gounder St., Coimbatore.

(Transferor)

(2) T. A. Abraham, Kunjamma, Emumuthur Village, Thekkamuriyil House Thiruvalla Tk. Kerala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 188, Vadavalli, Coimbatore.
(Doc. 5625/81).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 30-7-1982
Seal :

FORM LT.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 31st July 1982

Ref. No. IAC/Acq SR-IV/12-81/490.—Whereas I. S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Agr. land situated at Vill. Karawal Nagar, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Prithva Raj Bhutani S/o Sh. Gobind Ram, R/o 8574/3, Basti Arakashan, Paharganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Buddan Ram S/o Sh. Khilaree, Vill. Sadatpur, Shahdara.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land area 13 bighas 10 biswas Khasra No. 387/2, 389/1, 390, 391/1, Vill. Karawal Nagar, Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range I New Delhi

Date : 31-7-1982
Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

COMBINED MEDICAL SERVICES EXAMINATION, 1983

New Delhi, the 4th September, 1982

No. 1.14/3/82-EI(B).—A combined examination for recruitment to the Services & posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission on 20th February, 1983 at Agartala, Ahmedabad, Aizwal, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Shillong, Srinagar and Trivandrum.

THE CENTRES AND THE DATE OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION [See para 19(ii) below].

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 20th January, 1983 will not be entertained under any circumstances.

2. The posts/services to which recruitment is to be made and the approximate number of vacancies to be filled are given below :—

- (i) Assistant Divisional Medical Officer in the Railways—**
- (ii) Junior Scale posts in Ordnance and Ordnance Equipment Factories Health Service—**
- (iii) Junior Scale Posts in Central Health Service—**
- (iv) Medical Officers, in the Municipal Corporation of Delhi—approx. 50 vacancies.*

The number of vacancies is liable to alteration.

**Vacancies not yet intimated by Government.

*Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/Posts mentioned in para 2 above. Candidates will be required to indicate preferences for Services/posts at the appropriate time.

If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Para 5 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the services/posts for which he applies.

4. ELIGIBILITY CONDITIONS :—

(a) Nationality

A candidate must be either—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Nepal, or
- (iii) a subject of Bhutan, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or

(v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (ii), (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

(b) Age Limit—Age below 30 years as on 1st January, 1983.

The age limit is, however, relaxable upto 40 years as on 1-1-1983 for the examination to be held in 1983.

The upper age limit is further relaxable as follows :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person, from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania, (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;
- (ix) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;
- (x) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;

- (xi) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (xii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975;
- (xiii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975;
- (xiv) upto a maximum of five years in case of exservicemen and commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1983 and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1983) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or on account of Physical disability attributable to Military Service or on invalidment.
- (xv) upto a maximum of ten years in case of exservicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1983 and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1983) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or on account of Physical disability attributable to Military Service or on invalidment; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xvi) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973;
- (xvii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMIT PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University or in the Higher Secondary or an equivalent examination certificate. These certificates are required to be submitted only after the declaration of the result of the written part of the examination.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Secondary Examination Certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

NOTE 1 :—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE AS ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS

CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 2 .—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT ANY OTHER EXAMINATION OF THE COMMISSION.

(c) Educational Qualification

For admission to the examination, a candidate should have passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Examination.

NOTE 1.—A candidate who has appeared/or has yet to appear at the final M.B.B.S. Examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Examination along with the detailed application which will be required to be submitted to the Commission by the candidates who qualify on the result of the written part of the examination (cf. Note below para 6).

NOTE 2.—A candidate who has yet to complete the compulsory rotating internship is educationally eligible for admission to the examination but on selection he will be appointed only after he has completed the compulsory rotating internship.

5 FEE :

A candidate seeking admission to the Examination must pay to the Commission a fee of Rs. 28.00 (Rupees twenty eight) [Rs. 7.00 (Rupees Seven) in the case of SC and ST candidates]. Payment must be made through crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi or through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office. Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the Office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED.

NOTE 5 (i)—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the postal Orders at the space provided for the purpose.

NOTE (ii)—If any candidate, who took the "Combined Medical Services Examination, 1982" wishes to apply for admission to 1983 examination he must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1982 examination, his candidature for the 1983 examination will be cancelled on request, provided his request for cancellation of his candidature and refund of fee is received in the Commission's Office within 30 days from the date of publication of the final result of the 1982 Examination in the Employment News.

6. HOW TO APPLY :

A candidate seeking admission to the Examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission Dholpur House, New Delhi-110011, through the application form published in Appendix II to the Commission's Notice, as published in the Employment News dated 4th September, 1982. The candidates may utilise in original the form published in the newspapers or in "Employment News", filling up the columns in their own handwriting with ball-point pen,

They may also use the application form neatly type-written on white paper (foolscap size) in double space and typed on only one side of the paper. There is no objection to candidates using printed Application Form and Attendance sheet, if available, from private agencies, as long as the format is exactly the same as published in Appendix II to the Commission's Notice, as published in the Employment News dated 4th September, 1982. Candidates should note that applications filled in on the format used for the previous examinations will not be considered. The envelope containing the application should be superscribed in bold letters as

"APPLICATION FOR COMBINED MEDICAL SERVICES EXAMINATION 1983".

- (a) A candidate must send the following documents with his application :—
 - (i) Crossed Bank Draft/Indian Postal Orders or Indian Mission Receipt for the prescribed fee.
 - (ii) Attendance Sheet (Appendix II to the Commission's Notice, as published in the Employment News dated 4th September, 1982) duly filled in on foolscap size paper.
 - (iii) Two identical copies of recent passport size (5cm×7cm approx.) photograph of the candidate—one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein.
 - (iv) One self-addressed post-card.
 - (v) Two self-addressed unstamped envelopes of 11.5 cms.×27.5 cms. size.
- (b) Candidates should note that only International form of Indian numerals is to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidates should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.
- (c) All candidates, whether already in Government Service, in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees or those serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

NOTE : APPLICATIONS NOT ACCOMPANIED BY THE PRESCRIBED FEE OR INCOMPLETE OR DEFECTIVE APPLICATIONS SHALL BE SUMMARILY REJECTED. NO REPRESENTATION OR CORRESPONDENCE REGARDING SUCH REJECTION SHALL BE ENTERAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

CANDIDATES ARE NOT REQUIRED TO SUBMIT ALONGWITH THEIR APPLICATIONS ANY CERTIFICATES IN SUPPORT OF THEIR CLAIMS REGARDING AGE, EDUCATIONAL QUALIFICATIONS SCHEDULED CASTES

AND SCHEDULED TRIBES ETC. THEY SHOULD THEREFORE ENSURE THAT THEY FULFIL ALL THE ELIGIBILITY CONDITIONS FOR ADMISSION TO THE EXAMINATION. WILL ALSO THEREFORE BE PURELY PROVISIONAL IF ON VERIFICATION AT ANY LATER DATE IT IS FOUND THAT THEY DO NOT FULFIL ALL THE ELIGIBILITY CONDITIONS. THEIR CANDIDATURE WILL BE CANCELLED. CANDIDATES ARE REQUESTED TO KEEP READY THE ATTESTED COPIES OF THE FOLLOWING DOCUMENTS FOR SUBMISSION TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WHICH IS LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF MAY, 1983

1. CERTIFICATE OF AGE.
2. CERTIFICATE OF EDUCATIONAL QUALIFICATION.
3. CERTIFICATE IN SUPPORT OF CLAIM TO BELONG TO SCHEDULED CASTE/SCHEDULED TRIBE, WHERE APPLICABLE.
4. CERTIFICATE IN SUPPORT OF CLAIM FOR AGE CONCESSION, WHERE APPLICABLE. IMMEDIATELY AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION SUCCESSFUL CANDIDATES WILL BE SENT A FORM BY THE COMMISSION REQUIRING ADDITIONAL INFORMATION TO BE FURNISHED. THE ATTESTED COPIES OF THE ABOVE MENTIONED CERTIFICATES WILL HAVE TO BE SENT TO THE COMMISSION AT THAT TIME. ORIGINALS WILL HAVE TO BE PRODUCED AT THE TIME OF INTERVIEW. IF ANY OF THEIR CLAIMS IS FOUND TO BE INCORRECT, THEY MAY RENDER THEMSELVES LIABLE TO DISCIPLINARY ACTION BY THE COMMISSION IN TERMS OF PARA 7 BELOW.

7. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination or
- (viii) writing irrelevant matter including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the Staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—

- (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
- (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

8. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS

The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 2nd November, 1982 (15th November, 1982 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahoul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 2nd November, 1982 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahoul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and candidates residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahoul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 2nd November, 1982.

NOTE : (i)—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J & K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

NOTE : (ii)—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or sent it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

NO APPLICATION RECEIVED AFTER THE PRESCRIBED DATE WILL BE CONSIDERED.

9. SCHEME OF EXAMINATION : The examination will comprise :—

(A) *Written Examination*—The candidates will take the examination in the following two papers each of two hours duration containing objective type questions covering the following subjects and each carrying a maximum of 200 marks. The questions in both the papers will be so designed as to give the following weightage to different subjects :—

<i>Paper I (Code No. 1)</i>	<i>Weighting</i>
(I) General Medicine Cardiology, Neurology, Dermatology and Psychiatry,	60%
(II) Surgery including E.N.T., Ophthalmology, Traumatology and Orthopaedics.	40%

Paper II (Code No. 2)

(I) Paediatrics ..	20%
(II) Gynaecology and Obstetrics ..	40%
(III) preventive, Social and Community Medicine ..	40%

(B) Personality test of candidates, who qualify in the written examination 200 marks

NOTE I :—The "Candidates' Information Manual" containing details pertaining to objective type Test including sample questions will be supplied to candidates alongwith the Admission Certificate.

NOTE II :—Candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

10. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes of Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

The interview for Personality Test will be intended to serve as a supplement to the written examination for testing the General knowledge and ability of the candidates in the fields of their academic study and also in the nature of a personality test to assess the candidates intellectual curiosity, critical powers of assimilation, balance of judgment and alertness of mind, ability for social cohesion, integrity of character, initiative and capability for leadership.

11. After the interview, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate in the written examination and the personality test with 66 2/3% and 33 1/3% weightage respectively and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

12. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

13. Subject to other provisions contained in this Notice, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and the preferences expressed by them for various posts.

14. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedent is suitable in all respects for appointment to the service. The appointment will be further subject to the candidate satisfying the appointing authority of his having satisfactorily completed the compulsory rotating internship.

15. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. All candidates who are declared qualified for the Personality Test will be physically examined by the medical board set up by the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health).

16. No person

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or
- (b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

17. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

18. The Commission have discretion to fix qualifying marks for the examination.

19. CORRESPONDENCE WITH THE COMMISSION

The Commission will not enter into any correspondence with the candidates about their candidature except in the following cases :

- (i) Every application including late ones received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of application. The fact that the Application registration No. has been issued to the candidates does not, *ipso facto*, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.
- (ii) Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result of the application will be communicated. But if a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- (iii) No candidate will be admitted to the Examination unless he holds a certificate of admission to the Examination.

The mere fact that a certificate of admission to the Examination has been issued to a candidate will not imply that his candidature has been finally cleared by the Commission, or that the entries made by the candidate in his application for the Examination have been accepted by the Commission as true and correct. Candidates may note that the Commission takes up the verification of eligibility conditions of a candidate; with reference to original documents, only after the candidate has qualified for interview for Personality Test on the results of the written Examination. Unless candidature is formally confirmed by the Commission, it continues to be provisional.

The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the Examination shall be final.

Candidates should note that the name, in the Admission Certificate, in some cases, may be abbreviated due to technical reasons.

- (iv) A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are re-directed, if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity. Although the Commission make every effort to take account of such changes, they cannot accept any responsibility in the matter.

IMPORTANT: ALL COMMUNICATIONS TO THE COMMISSION SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :

1. NAME OF THE EXAMINATION.
2. APPLICATION REGISTRATION NO /ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO /ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
3. NAME OF CANDIDATE IN FULL AND IN BLOCK LETTERS.
4. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN THE APPLICATION.

N.B (I) :—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (II) :—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

20. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

21. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix I.

VINAY JHA,
Joint Secretary

APPENDIX I

Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are given below :

1. Assistant Divisional Medical Officer in the Railways.—

(a) The post is temporary and in Group A. The scale of the post is Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1250-EB-50-1600 (Revised Scale) plus restricted non-practicing allowance as per orders in force from time to time. The rates at present are :—

- 1—5 Stages—Rs. 150/- P.M.
- 6—10 Stages—Rs. 200/- P.M.
- 11—15 Stages—Rs. 250/- P.M.
- 16th stage onwards Rs. 300/- P.M.

The candidate will be bound to observe the orders which the Ministry of Railways or any higher authority may issue from time to time, restricting or prohibiting private practice by him. The candidates in Government service will be given initial pay in the above mentioned scale according to rules; others will be given the minimum of the pay scale mentioned above.

(b) A candidate will be appointed on probation for a period of two years which may be extended by the Govern-

ment if considered necessary. On satisfactory completion of the probationary period, he will continue in a temporary capacity.

(c) The appointment can be terminated by one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in a temporary capacity. The Government reserves the right to give one month's pay in lieu of notice.

(d) A candidate will have to undergo training as prescribed by the Ministry of Railways and pass all the Departmental Examinations.

(e) A candidate will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non-contributory) under the rules of that Fund as in force from time to time.

(f) A candidate will be eligible for leave in accordance with the leave rules as in force from time to time and applicable to officers of his status.

(g) A candidate will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the Rules in force from time to time.

(h) A candidate will be required to pass a Hindi test within two years of his appointment.

(i) Under the rules every person appointed to the above post shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such person—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of such appointment;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of 45 years.

(j) *Reckoning Service*—The persons who are recruited under these rules to posts to which the conditions prescribed in Rule 2423—A (C.S.R. 404-B) of the Indian Railway Establishment Code are applicable, shall be eligible to the benefit of the provisions contained in that rule.

(k) A candidate will be governed in respect of the matters specifically referred to above as well as other matters by the provisions of the Indian Railway Establishment Code and the extent orders as amended/issued from time to time.

(l) In the first instance a candidate will be posted to the Railway Health Units/Dispensaries at wayside Stations. A.D.M.Os. are also liable to transfer to any Railway.

(m) Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to higher grades.

(i) Assistant Divisional Medical Officers with five years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the posts of Divisional Medical Officers (Senior Scale) of Rs. 1100—1800 plus restricted non practicing allowance of Rs. 300 p.m. from 1st to 9 stages and Rs. 350 per month from 10th Stage onwards.

(ii) Divisional Medical Officers/Senior Medical Officers with five years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the posts of Medical Superintendents in the scale of Rs. 1500—2000/- plus non-practicing allowance of Rs. 500/- per month.

(iii) Depending upon the number of years of service in grade of Rs. 1500—2000/- as prescribed from time to time Medical Superintendents become eligible for promotion to the posts of Addl. Chief Medical Officers in the scale of Rs. 2250—2500/- with a non-practicing allowance of Rs. 500/- p.m.

(iv) Addl. Chief Medical Officers with 2 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the

posts of Chief Medical Officers in the scale of Rs. 2500—2750/- plus non-practicing allowance of Rs. 500/- per month.

(n) Duties and Responsibilities—

Assistant Divisional Medical Officers :

(i) He will attend the indoor wards and out-patient department daily and as required.

(ii) He will carry out physical examination of candidates and of employees in service in accordance with the regulations in force.

(iii) He will look after family planning public health and sanitation in his jurisdiction.

(iv) He will carry out examination of vendors.

(v) He will be responsible for discipline and proper discharge of duties of the Hospital Staff.

(vi) He will carry out duties assigned to his speciality, if any, and will prepare returns and indents connected with his speciality.

(vii) He will maintain and upkeep all equipments, in his charge.

NOTE (1) : When an ADMO is posted at the Headquarters of a division under the charge of a Divisional Medical Officer, he will assist the Divisional Medical Officer in all his duties, but may be specially assigned with certain duties and responsibilities.

NOTE (2) : ADMOs will also be required to perform such other duties as may be assigned to them from time to time.

II. Posts of Assistant Medical Officer in the Ordnance and Ordnance Equipment Factories Health Service under the Ministry of Defence—

(a) The Post is temporary in Group A but likely to be made permanent in due course. The scale of pay is Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 plus non-practicing allowance (NPA) as per orders in force from time to time. The rates as present are—

1—5 stages	Rs. 150/- per month
6—10 stages	Rs. 200/- per month
11 stages onward	Rs. 250/- per month

(b) The candidate will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent authority. On satisfactory completion of the probation period he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.

(c) The candidate can be posted anywhere in India in any one of the Ordnance Factory Hospitals or Dispensaries.

(d) Private practice of any kind whatsoever is prohibited.

(e) The appointment can be terminated on one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in temporary capacity. The Government reserves the right to give one month's pay in lieu of notice.

(f) Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to the higher grades—

(i) SENIOR SCALE—SENIOR MEDICAL OFFICER/ ASSISTANT DIRECTOR OF HEALTH SERVICES.

Officers who have put in at least 5 years service in the junior scale will become eligible to senior scale—Senior Medical Officer/Assistant Director of Health Service The scale of pay is Rs. 1100—50—1600 plus NPA—

1—3 stages	Rs. 250/- per month
4—5 stages	Rs. 300/- per month
6—7 stages	Rs. 350/- per month
8—9 stages	Rs. 400/- per month
10—11 stages	Rs. 450/- per month

(ii) **SUPER-TIME GR. II—PRINCIPAL MEDICAL OFFICER/DEPUTY DIRECTOR OF HEALTH SERVICES.**

Officers who have put in 5 years of regular service in the senior scale (Senior Medical Officer/Assistant Director of Health Services) can be considered for promotion to Super-time Gr. II—Principal Medical Officer/Deputy Director of Health Service. The scale of pay is Rs. 1500—60—1800—100—2000 plus Rs. 600/- N.P.A.

(iii) **SUPER-TIME GR. I—DIRECTOR OF HEALTH SERVICES.**

Principal Medical Officers and Deputy Director of Health Service, on completion of 6 years of service will be eligible for appointment of Super-time Gr. I—Director of Health Services with the pay scale of Rs. 2250—125/2—2500 per month plus Rs. 600/- N.P.A.

(g) Nature of duties—(i) **ASSISTANT MEDICAL OFFICERS.**

- (i) They will attend to indoor patients in wards/departments of hospitals and out patients in dispensaries/ out patients departments daily and as required.
- (ii) They will carry out medical examination of employees and candidates for employment in accordance with the regulations in force.
- (iii) They will maintain and upkeep all equipment in their charge.
- (iv) They will look after the Family Welfare, public Health and Industrial Health of employees in their jurisdiction.
- (v) They will be responsible for training, discipline and proper discharge of duties of the hospital and dispensary staff.
- (vi) They will perform such other duties as are allotted to them by the Medical Officer-in-Charge as per rules.

(2) **GDO GR. I—ASSISTANT DIRECTOR OF HEALTH SERVICES AND SENIOR MEDICAL OFFICER**

- (a) ADHS posted at the Hqrs. will assist the DHS/DDHS in the discharge of their duties on all medical matters as directed by them.
- (b) He will assist the DHS/DDHS in the day to day work of the Medical Section as the Section Officer.
- (c) He will perform such other duties as may be assigned to him by the DHS/DDHS from time to time.
- (d) He will assist the DHS in dealing with all questions relating to Medical Stores & equipments.
- (e) SMO—SMOs will be Incharge of any factory hospital with less than 75 beds and Medical Estt. there.
- (f) As M.O. Incharge they will be advisers to the GM of Fys on all medical matters and make recommendation as considered necessary.
- (g) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
- (h) They will perform such other duties as may be laid down under any statute or Govt. orders or delegated to him by the DHS.

(3) **SUPER-TIME GRADE II—DY. DIRECTOR OF HEALTH SERVICES & PRINCIPAL MEDICAL OFFICER**

- (a) DDHS posted at the Hqrs. will assist the DHS in the discharge of the latter's duties in matters as directed by him.
- (b) He will act as DHS under orders of DGOF in the latter's absence on leave, tour etc.
- (c) PMO—PMO will be M.O. Incharge of any Factory hospital with 75 beds or above and the Medical Estts. there.
- (d) As M.O. Incharge they will be advisers to the GM of Fys on all medical matters and make recommendation as considered necessary.

- (e) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.

- (f) They will perform such other duties as may be laid down under any statute or Govt. orders or delegated to him by the DHS.

(4) **SUPER-TIME GRADE I—DIRECTOR OF HEALTH SERVICES.**

- (a) Medical Adviser to DGOF on all Medical and health matters. Controlling authority of the Medical Establishment in DGOF Organisation on all Professional and Technical matters. He will exercise the administrative powers as delegated to him by the DGOF.
- (b) He will work out the plans for Implementation of the reports/recommendations accepted by Govt.
- (c) As the Controlling authority he will distribute the personnel according to the requirement of Factories.
- (d) He will normally represent the DGOF on the UPSC.
- (e) He will normally once a year make or caused to be made inspection of all factories and report to the DGOF on the working of Medical installation there on all matters connected with Medical Estts.
- (f) He will initiate ACR's of DDHS and will review the reports of all PMOs, SMOs and AMS's.

III. **Junior Scale posts in the Central Health Service :**

(a) The posts are temporary but likely to continue indefinitely. Candidates will be appointed to junior Group 'A' scale and they will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent authority. They will be confirmed in Junior Scale (Rs. 700—1300) in their turn after the satisfactory completion of probation subject to availability of permanent posts.

(b) The candidates can be posted any where in India in any dispensary or hospital under any organisation participating in the Central Health Service viz. C.G.H.S. operating at Delhi, Bangalore, Bombay, Meerut, etc., Coal Mines/Mica Mines Labour Welfare Organisations, Assam Rifles, Arunachal Pradesh, Lakshadweep, Andaman and Nicobar Islands, P&T department etc. Private Practice of any kind whatsoever including lab. and consultants Practice is prohibited.

(c) The following are the rates of pay admissible :

Junior Group 'A' Scale

Revised Scale : Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

	N.P.A.
1 to 5 stages	Rs. 150 per month
6 to 10 stages	Rs. 200 per month
11th stage onwards	Rs. 250 per month

Officers who have put in at least 5 years service in the Junior Scale will become eligible for promotion to Senior Scale.

Senior Scale Group 'A'

Revised Scale Rs. 1100—50—1600.

	N.P.A.
1 to 3 stages	Rs. 250 per month
4 to 5 stages	Rs. 300 per month
6 to 7 stages	Rs. 350 per month
8 to 9 stages	Rs. 400 per month
10 to 11 stages	Rs. 450 per month

Officers having 10 years' service in the Senior Scale will be eligible for appointment to Supertime Grade II in the scale of Rs. 1500—2000 provided the candidate possesses the requisite qualifications including post-graduate qualification where necessary.

Specialists Grade II

Revised Scale : Rs. 1100—50—1500—EB—60—1800.

N.P.A

1 to 3 stages	Rs. 300 per month
4 to 6 stages	Rs. 350 per month
7 to 9 stages	Rs. 400 per month
10 to 12 stages	Rs. 450 per month
13 to 14 stages	Rs. 500 per month

Officers having 8 years' service in Specialist Grade II and possessing the requisite qualification may be considered for promotion to Specialist Grade I against 50% of vacancies to be filled through promotion.

Specialist Grade I

Revised Scale : Rs. 1800—100—2000—125/2—2250—Rs. 600 per month

Supertime Grade II

Revised Scale : Rs. 1500—60—1800—100—2000 Rs. 600 per month.

Officers holding posts in Specialist Grade I or Supertime Grade II who have rendered 6 years' service in the either grade on a regular basis may be considered for promotion to Supertime Grade I Level II

Supertime Grade I Level II

Revised Scale : Rs. 2250—125/2—2500—Rs. 600 per month.

Supertime Grade I Level I

Revised Scale : Rs. 2500—125/2—2750—Rs. 600 per month.

Vacancies in Supertime Grade I Level I shall be filled from amongst officers in Supertime Grade I Level II with 2 years' service in the grade, failing which with 8 years' combined service in Supertime Grade I Level II and Specialist Grade I/Supertime Grade II combined together, and failing both officers in Specialist Grade I and Supertime Grade II with 8 years' service in either grade.

service in the grade, failing which with 8 years' combined service in Supertime Grade I Level II and Specialist Grade I/Supertime Grade II combined together, and failing both officers in Specialist Grade I and Supertime Grade II with 8 years' service in either grade.

IV. MEDICAL OFFICER IN THE MUNICIPAL CORPORATION OF DELHI.

(i) The post is temporary in category 'A' but likely to be permanent in due course. The scale of pay is Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 plus restricted non-practicing allowance (NPA) as per orders in force from time to time. The rates at present are :

1—5 stage	Rs. 150 per month
6—10 stages	Rs. 200 per month
11 stage and onwards	Rs. 250 per month

(ii) The candidates will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of competent authority. On satisfactory completion of the probation period, he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.

(iii) The candidate can be posted anywhere within the jurisdiction of the Municipal Corporation of Delhi in any one of the Hospitals/Dispensaries/M&CW and Family Welfare Centres/Primary Health Centres etc. etc.

(iv) Private practice of any kind whatsoever is prohibited.

(v) The appointment can be terminated on one months notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in temporary capacity. The Municipal Corporation of Delhi reserves the right to pay one months pay in lieu of notice.

Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to the higher grades shall be according to the provisions of the Recruitment Regulations.

